रायपुर। शुक्रवार, 16 अक्टूबर, 2026
आश्विन शुक्ल पक्ष षष्ठमी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 1, अंक : 75/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12



नवरात्र छठवां दिन
माता कात्यायनी

दैनिक
विश्व केसरी
छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल एशियन गेम्स 2026 के भारतीय दल से पीएम मोदी ...
@ विचार पंजाब में नशे का तांडवः वर्दी बनी त्रासदी...
@ व्यापार शेयर बाजार बड़ी तेजी के साथ बंद ...

ग्रामीण महिलाएं अब लाभार्थी नहीं, धन सृजन करने वाली बन रही हैं : राष्ट्रपति



एजेंसी ■ विजयवाड़ा

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को कहा कि ग्रामीण महिलाएं अब केवल योजनाओं की लाभार्थी नहीं रह गई हैं, बल्कि वे धन सृजन करने वाली बन गई हैं और विकास की वाहक के रूप में उभर रही हैं।

विजयवाड़ा में केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय और आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित 'राष्ट्रीय एसएआरएएस (सरस मेले) का उद्घाटन करते हुए उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने 'लखपति दीदी' पहल के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं के सशक्तीकरणको एक नई गति और दिशा दी है।

उन्होंने कहा, डिजिटल सेवाओं और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे विभिन्न आधुनिक क्षेत्रों में बढ़ती भागीदारी ने हमारी ग्रामीण बहनों के लिए कौशल विकास के नए रास्ते खोले हैं। आज ग्रामीण महिलाएं केवल सरकारी योजनाओं की लाभार्थी नहीं रह गई हैं। वे धन सृजन करने वाली (वेल्थ क्रिएटर्स) बन गई हैं और विकास की वाहक के रूप में उभर रही हैं।

उन्होंने बताया कि 'अंत्योदय' के व्यापक दृष्टिकोण के तहत केंद्र सरकार ने 'ग्रामीण आजीविका मिशन' के केंद्र में महिलाओं के नेतृत्व वाले संस्थानों को रखा है। नतीजतन महिलाएं गांवों के कायाकल्प के लिए नेतृत्व प्रदान कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि महिलाओं के 'स्वयं सहायता समूहों' ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था में प्रभावी योगदान दिया है। लगभग 12 वर्षों में इन समूहों से जुड़ी महिलाओं की संख्या बढ़कर 10 करोड़ से अधिक हो गई है।

राष्ट्रपति ने कहा कि इनका नाम केवल 'लखपति दीदी' तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि आने वाले समय में इन्हें 'करोड़पति दीदी' बनाने का लक्ष्य होना चाहिए।

उन्होंने कहा, पहले महिलाएं छोटी-छोटी चीजों के लिए भी दूसरों पर निर्भर रहती थीं, लेकिन आज वे न केवल आत्मनिर्भर बन गई हैं, बल्कि इस मुकाम पर पहुंच गई हैं कि वे दूसरों के लिए भी सहारा बन सकती हैं।

भारत-जिम्बाम्वे महिला क्रिकेट टीमों के बीच महा मुकाबला आज से

रायपुर ■ डॉ. आर. पी. दुबे

रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम परसदा में भारत और जिम्बाम्वे की महिला क्रिकेट टीमों के बीच टी-20 सीरीज के महा मुकाबले शुरू होने जा रहे है। मैच की सुरक्षा को लेकर जिला प्रसाशन ने व्यापक प्रबंध किये है, वही मैच को लेकर क्रिकेट प्रेमियों में अभूतपूर्व उत्साह का माहौल देखन को मिल रहा है। मैच के पहले दोनों टीमों ने जमकर अभ्यास किया है। वही कप्तानों ने मीडिया से बातचीत में महा मुकाबला रोमांचक होने की बात कही है।

बता दे की, रायपुर में भारत और जिम्बाब्वे की महिला क्रिकेट टीमों के बीच 16 अक्टूबर से टी-20 सीरीज शुरू होने जा रही है।





तीन मैचों की इस सीरीज के सभी मुकाबले नवा रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले है।

सीरीज से पहले भारतीय टीम की नई कप्तान स्मृति मंधाना ने कहा कि अगले तीन महीने में टीम के नए स्टैंडर्ड तय करना ज्यादा जरूरी है। कप्तानी के दबाव में उनकी बल्लेबाजी का अंदाज नहीं बदलेगा।

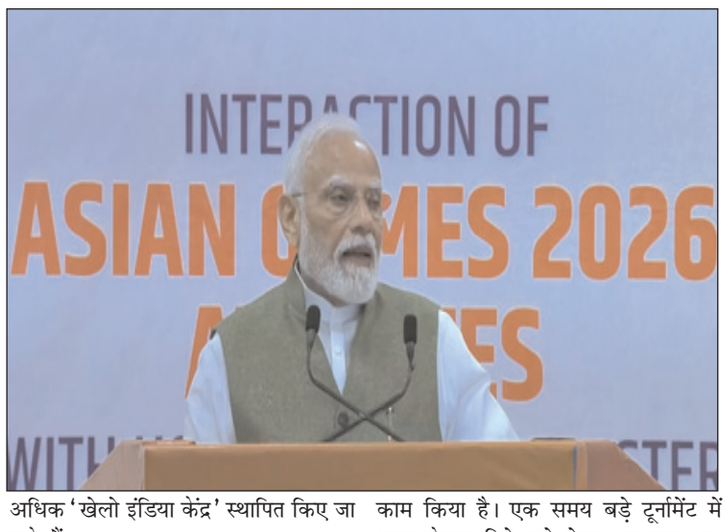
स्मृति मंधाना ने कहा कि वह पहले की तरह अपने शॉट खेलेंगी और टीम के लिए रन बनाने पर ध्यान देंगी। सीरीज का पहला मुकाबला कल यानी 16 अक्टूबर, दूसरा 18 अक्टूबर और तीसरा 20 अक्टूबर को खेला जाएगा। सभी मैच शाम 7 बजे से शुरू होंगे। स्टेडियम में महिलाओं के लिए एंट्री फ्री रहेगी।

खेलो इंडिया और खेल महासंघों को मजबूत करने के लिए 36,000 करोड़ रुपए आवंटितः पीएम मोदी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में 'एशियन गेम्स 2026' के भारतीय दल से मुलाकात की। इस दौरान पीएम मोदी ने बताया कि सरकार ने 'खेलो इंडिया' का विस्तार करने और खेल महासंघों को मजबूत करने के लिए 36,000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि आवंटित की है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'पिछले 12 वर्षों में देश ने एक दूरदर्शी सोच के साथ लगातार और समर्पित प्रयास किए हैं। हमने एक अधिक पारदर्शी और आधुनिक खेल इकोसिस्टम तैयार किया है। हमने 'टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम' (टॉप्स) और 'खेलो इंडिया' की शुरुआत की, और समय के साथ इन पहलों का विस्तार भी किया है। हमने 'खेलो इंडिया' का विस्तार करने और खेल महासंघों को मजबूत करने के लिए 36,000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि आवंटित की है। आज, पूरे देश में 1,000 से



अधिक 'खेलो इंडिया केंद्र' स्थापित किए जा चुके हैं।

उन्होंने कहा, भारत ने बीते 12 वर्षों में धैर्य और परिश्रम के साथ अपने स्पोर्ट्स पर्सन और स्पोर्ट्स इकोसिस्टम पर बहुत लगन से काम किया है। एक समय बड़े टूर्नामेंट में भारत केवल गिने-चुने मेडल ला पाता था। कितने ही खेलों का तो पता ही नहीं होता था। पहले ओलंपिक जैसा इतना बड़ा इवेंट होता था और आधे से ज्यादा खेलों में हमारे देश का कोई प्रतिनिधि ही नहीं था। हमने यह संकल्प लिया कि हम इस निराशावादी मानसिकता को हटाएंगे और नतीजा ये है कि आज हर ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर हमारा प्रतिनिधित्व बढ़ रहा है।

जापान के आइची-नागोया में आयोजित एशियन गेम्स 2026 में भारत ने कुल 85 मेडल जीतकर मेडल टैली में चौथा स्थान हासिल किया। इनमें 21 गोल्ड, 27 सिल्वर और 37 ब्रॉन्ज मेडल शामिल रहे।

एशियन गेम्स में भारतीय दल में कुछ किशोर खिलाड़ी भी शामिल रहे। इनमें 15 वर्षीय क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी भी थे, जिन्होंने भारत को गोल्ड मेडल जिताने में योगदान दिया। पीएम मोदी ने इन किशोर खिलाड़ियों की तारीफ में कहा, 'टीम इंडिया के कई खिलाड़ी सिर्फ 15-17 साल के थे। इतनी कम उम्र में इन खिलाड़ियों ने अपने शानदार प्रदर्शन से देश का मान बढ़ाया है। उन्होंने देशवासियों का दिल जीत लिया है।

खबर झरोखा

विधायक पुन्नूलाल मोहले के भाई समेत 3 लोगों की हादसे में मौत



मुंगेली। छत्तीसगढ़ में 2 अलग-अलग सड़क हादसों में 6 लोगों की मौत हुई है। मुंगेली जिले में गुरुवार सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले 3 लोगों को अज्ञात वाहन ने रौंद दिया। हादसे में विधायक पुन्नूलाल मोहले के भाई अधीन मोहले समेत तीनों लोगों ने दम तोड़ दिया।

मुंगेली जिले के जरहागांव थाना क्षेत्र के दशरंगपुर गांव में गुरुवार सुबह एक सड़क हादसा हुआ।

पाकिस्तान में स्कूल हादसाः छत ढहने से 33 की मौत



इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पेशावर में गुरुवार को प्राइवेट स्कूल की छत भरभराकर गिर गई। मलबे के नीचे दबने से 31 बच्चों और दो लेडी टीचर समेत 33 की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया ने 'लेडी रीडिंग हॉस्पिटल' (एलआरएच) के हवाले से इसकी जानकारी दी। इस दर्दनाक हादसे में 50 से ज्यादा लोग घायल हो गए।

एलआरएच के अनुसार, 53 बच्चों को अस्पताल ले जाया गया, जिनमें से ज्यादातर लड़के थे। इनमें से 33 बच्चों की मौत हो गई, जबकि 17 बच्चों को उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। पाकिस्तानी दैनिक 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' की रिपोर्ट के मुताबिक, सभी बच्चों की उम्र 14 साल या उससे कम थी।

गरबा कार्यक्रम में कांग्रेस जिलाध्यक्ष को धक्का मारा, मारपीट



दुर्ग (संतोष सिंह)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग में गरबा कार्यक्रम के दौरान बजरंग दल के कार्यकर्ताओं और समिति पदाधिकारियों के बीच विवाद हो गया। इस दौरान धक्का-मुक्की और हाथापाई भी हुई। कांग्रेस के दुर्ग शहर जिला अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल को धक्का मारा गया।

संवाददाता के अनुसार दुर्ग नव निर्माण समिति की ओर से पद्मनाभपुर इलाके में गरबा कार्यक्रम आयोजित किया गया था। बताया जा रहा है कि एनएसयुआई के जिला उपाध्यक्ष आदिल खान ने गरबा कार्यक्रम से जुड़ा पोस्टर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था। इसमें धीरज बाकलीवाल के जरिए गरबा आयोजन और फ्री पास की जानकारी दी गई थी। इसी पोस्ट को लेकर बजरंग दल के कुछ कार्यकर्ताओं ने आपत्ति जताई थी।

केवल नक्सलवाद खत्म करना पर्याप्त नहीं: अमित शाह

दंतेवाड़ा में नक्सल पीड़ितों से वर्चुअली चर्चा की



संवाददाता ■ दंतेवाड़ा

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गुरुवार को छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में दिव्यांग सहायक उपकरण शिविर का वर्चुअल शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि, केवल नक्सलवाद खत्म करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि हिंसा से प्रभावित लोगों के दर्द को दूर करना और उन्हें सम्मान के साथ जीवन जीने का अवसर देना भी सरकार की जिम्मेदारी है।

नक्सलवाद को खत्म करने के लिए केंद्र के वादे को दोहराते हुए शाह ने कहा कि, प्रधानमंत्री ने इस खतरे को खत्म करने के लिए 31 मार्च 2026 की डेडलाइन तय की थी। पीएम मोदी ने संकल्प लिया था कि हम 31 मार्च 2026 से पहले नक्सलवाद को खत्म कर देंगे। मुझे खुशी है कि आज नक्सलवाद खत्म हो गया है।

बता दें कि सेवा संकल्प अभियान के तहत 15 से 17 अक्टूबर तक चलने वाले इस शिविर में दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा के 768 दिव्यांगों को लाभ मिलेगा। इनमें दंतेवाड़ा के 509, बीजापुर के 197 और सुकमा के 62 लोग शामिल हैं।

'सरकार भयमुक्त बस्तर बनाना चाहती है'

अमित शाह ने कहा कि, नक्सल हिंसा में कई लोगों ने अपने हाथ-पैर गंवाए, जबकि कुछ की देखने और सुनने की क्षमता प्रभावित हुई। ऐसे सभी लोगों तक मदद पहुंचाकर उनका पुनर्वास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि, सरकार ऐसा बस्तर बनाना चाहती है, जहां बच्चे भयमुक्त हों, युवाओं के पास हुनर हो और परिवार खुशहाल हों। जगदलपुर में 5 से 7 अक्टूबर तक आयोजित शिविर में 3,600 से अधिक दिव्यांगजन लाभान्वित हुए थे। इनमें बस्तर के 1,570 से ज्यादा लोग शामिल थे।

200 से ज्यादा सुरक्षा कैंप बनेंगे सेवा डेरा

गृहमंत्री ने बताया कि बस्तर में 200 से अधिक सुरक्षा शिविरों को 'शहीद वीर गुंडाधुर सेवा डेरा' के रूप में विकसित करने की योजना है।

बाढ़ प्रभावित किसानों ने दी सड़क पर उतरने की चेतावनी

जगदलपुर ■ अर्जुन कुमार झा

इंद्रावती और नारंगी नदी की बाढ़ व अतिवृष्टि से प्रभावित किसानों की समस्याओं को लेकर ग्रामीणों ने तहसीलदार बस्तर के माध्यम से मुख्यमंत्री, कलेक्टर और एसडीएम के नाम ज्ञापन सौंपा। बोदरा, भैंसगांव, खोटलापाल और रोतमा के ग्रामीणों ने मांगों पर कार्रवाई के लिए छह दिन का अल्टीमेटम देते हुए समयसीमा में ठोस पहल नहीं होने पर शांतिपूर्ण आंदोलन की चेतावनी दी है।

ज्ञापन में बाढ़ से फसलों, कृषि भूमि और मकानों को हुए नुकसान का उल्लेख करते हुए प्रभावित क्षेत्रों में स्थलीय सर्वे, आरबीसी 6-4 के तहत पात्र किसानों को मुआवजा, फसल बीमा से वंचित किसानों को विशेष राहत और कृषि ऋण माफी की मांग की गई है। ग्रामीणों ने आंशिक मकान क्षति पर



सहायता राशि 6 हजार से बढ़ाकर 50 हजार रुपये तथा पूर्ण क्षति पर 1.30 लाख से बढ़ाकर 2.50 लाख रुपए करने की मांग भी रखी है। साथ ही छह दिनों के भीतर सर्वे की प्रगति, पात्र हितग्राहियों की सूची और राहत वितरण की समयसीमा स्पष्ट करने की मांग की गई है।तहसीलदार बस्तर ने बताया कि बाढ़ प्रभावित किसानों का सर्वे कर मुआवजा राशि उनके खातों में जमा कर दी गई है। खाता संबंधी और अन्य त्रुटियों के कारण कुछ लोगों को राशि नहीं मिल पाई थी। त्रुटियों में सुधार कर उनकी राशि भी जारी कर दी गई है। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों की मांगों से शासन को अवगत कराया जाएगा। ज्ञापन सौंपने के दौरान कांग्रेस ग्रामीण अध्यक्ष प्रेमशंकर शुक्ला, जनपद पंचायत सदस्य चईत राम कश्यप, सरपंच कचरु कश्यप, मदन बघेल, नरसिंह बघेल, बलराम भारद्वाज सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

राष्ट्रपति के प्रस्तावित बस्तर प्रवास को लेकर तैयारियां तेज

ऐतिहासिक 'मरिया दरबार' में शिरकत करेंगी और लालबाग मैदान में आयोजित विशाल आमसभा को संबोधित करेंगी

जगदलपुर ■ अर्जुन कुमार झा

महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के आगामी बस्तर प्रवास को लेकर प्रशासनिक तैयारियां युद्धस्तर पर शुरू हो गई हैं। तय कार्यक्रम के अनुसार, राष्ट्रपति 23 अक्टूबर को बस्तर प्रवास पर रहेंगी, जहां वे ऐतिहासिक 'मुरिया दरबार' में शिरकत करेंगी और लालबाग मैदान में आयोजित विशाल आमसभा को संबोधित करेंगी।

राष्ट्रपति के प्रवास कार्यक्रम को सुव्यवस्थित और गरिमामय ढंग से संपन्न कराने के लिए कलेक्टर आकाश छिकारा और पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा ने कलेक्टोरेट स्थित 'प्रेरणा कक्ष' में एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक ली।

बैठक में दोनों वरिष्ठ अधिकारियों ने सुरक्षा, यातायात,







प्रोटोकॉल, बैठक व्यवस्था और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर संबंधित विभागीय अधिकारियों को समयपूर्व सभी तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक के पश्चात कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने सीधे लालबाग मैदान जाकर चल रही जमीनी तैयारियों का बारीकी से मुआयना किया। उन्होंने मंच निर्माण, सुरक्षा व्यवस्था, वीआईपी व आम जनता के प्रवेश एवं निकास द्वार, पेयजल, आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था तथा पार्किंग प्रबंधन की विस्तृत समीक्षा की। कलेक्टर ने आयोजन स्थल पर सभी नागरिक सुविधाएं चाक-चौबंद रखने पर जोर दिया वहीं पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करने के संबंध में चर्चा की। इस दौरान नगर पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार, अपर कलेक्टर सीपी बघेल अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुखनंदन राठौर, नगर निगम आयुक्त प्रवीण वर्मा सहित सभी अनुविभागीय दंडाधिकारी एवं लोक निर्माण विभाग एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

तीर तेवर — सागर कुमार



सीएम विष्णुदेव साय ने कार्टून बनाकर किया कार्टून फेस्टिवल का शुभारंभ

जयपुर के कार्टूनिस्ट अभिषेक तिवारी को मिला लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

विश्व केसरी■

रायपुर। देश की एकमात्र मासिक कार्टून पत्रिका कार्टून वॉच अपने प्रकाशन के 31वें वर्ष में प्रवेश करने जा रही है। इस अवसर पर हर वर्ष की तरह राजधानी रायपुर में 13 अक्टूबर को होटल बेबीलॉन में कार्टून फेस्टिवल का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने स्वयं कार्टून बनाकर समारोह का शुभारंभ किया। इसके बाद सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने भी कार्टून बनाया।

इस अवसर पर जयपुर से आए कार्टूनिस्ट अभिषेक तिवारी ने महज दो मिनट में मुख्यमंत्री का कैरिकेचर बनाया। वहीं, कार्टून वॉच के संपादक त्र्यंबक शर्मा ने भी दो मिनट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का



कैरिकेचर बनाकर अपनी कला का प्रदर्शन किया।

तीन दशक तक पत्रिका का प्रकाशन बड़ी उपलब्धि : डॉ. हिमांशु द्विवेदी

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अतिथि वक्ता डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने कहा कि आज के दौर में जब स्थापित समाचार पत्र भी दम तोड़ने लगे हैं, तब एक विलुप्त होती विधा पर लगातार तीन दशकों से पत्रिका का प्रकाशन अपने आप में आश्चर्यजनक है। इसके लिए पत्रिका के संपादक त्र्यंबक शर्मा साधुवाद के पात्र हैं।

डॉ. द्विवेदी ने कहा कि वे पिछले 25 वर्षों से इस आयोजन से जुड़े हुए हैं। यह पहला अवसर है, जब सम्मानित होने वाले कार्टूनिस्ट उनके साथ काम कर चुके हैं। उन्होंने अभिषेक तिवारी को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड मिलने पर शुभकामनाएं दीं।

नेताओं पर सबसे ज्यादा कार्टून बनते हैं : सांसद बृजमोहन अग्रवाल

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि नेता लोग कार्टूनिस्टों के पसंदीदा विषय होते हैं और सबसे ज्यादा कटाक्ष भी हम नेताओं पर ही किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि विलुप्त होती इस विधा को तीन दशकों से सहेजकर रखना अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है।

कार्टून फेस्टिवल की अहमियत का अंदाजा इसके अतिथियों से लगाया जा सकता है : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि कार्टून वॉच के कार्टून फेस्टिवल का महत्व इसी बात से समझा जा सकता है कि वर्ष 2011 में डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम और वर्ष 2012 में बालासाहेब ठाकरे भी इस आयोजन में शामिल हुए थे।

मुख्यमंत्री ने कैरिकेचर बुक का विमोचन करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने पर प्रकाशित यह कैरिकेचर पुस्तक अपने आप में अनूठी पहल है। उन्होंने इस पुस्तक के प्रकाशन के लिए कार्टून वॉच को बधाई दी।

छत्तीसगढ़ में निःशुल्क कानूनी सहायता को बढ़ावा देने के लिए एचएनएलयू ने शुरू की विधि सारथी

Helpline

विश्व केसरी■

रायपुर। हिदायतुल्लाह नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी (HNLU), रायपुर ने 'विधि सारथी - जस्टिस कनेक्ट लिटिगेशन फेलोशिप प्रोग्राम' के पहले बैच की शुरुआत की है। इस पहल का दोहरा उद्देश्य वंचित और हाशिए पर मौजूद समुदायों के लिए न्याय तक पहुंच को मजबूत करना तथा युवा वकालत करने वाले वकीलों—विशेष रूप से पहली पीढ़ी के वकीलों—के पेशेवर विकास को बढ़ावा देना है। यह कार्यक्रम इन अधिवक्ताओं को नि:शुल्क (प्रो बोनो) कानूनी सेवाओं में सार्थक योगदान देने के साथ-साथ अपने मुकदमेबाजी कौशल और पेशेवर क्षमताओं को निखारने का अवसर प्रदान करता है। इसे छत्तीसगढ़ के पांच जिलों—बिलासपुर, रायपुर, राजनांदगांव, दुर्ग और बलौदा बाजार—में लागू किया जा रहा है, जिसका मुख्य केंद्र वंचित समुदायों तक कानूनी सहायता पहुंचाना और जमीनी स्तर पर न्याय वितरण प्रणाली को सशक्त बनाना है। इस पहल के तहत एचएनएलयू ने 14 और 15 अक्टूबर 2026 को चयनित लिटिगेशन फेलोज़ के लिए दो दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया।

कोंडागांव के ढोकरा शिल्पकार बन्नूराम बैद का शिल्प गुरु अवार्ड के लिए चयन

विश्व केसरी■

रायपुर। बस्तर की पारंपरिक ढोकरा (बेलमेटल) शिल्पकला को राष्ट्रीय पहचान दिलाने वाले कोण्डागांव जिले के माकड़ी विकासखण्ड के ग्राम बरकई निवासी शिल्पकार बन्नू राम बैद का चयन वर्ष 2025 के प्रतिष्ठित शिल्प गुरु अवार्ड के लिए किया गया है। भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय के विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय, नई दिल्ली द्वारा जारी अंतिम चयन सूची में बैद का नाम शामिल है, जिसमें देशभर से कुल छह शिल्प गुरुओं का चयन किया गया है।

बानू राम बैद का चयन केंद्रीय स्तरीय चयन समिति की 18 जुलाई



2026 को आयोजित बैठक में अंतिम रूप से किया गया। उन्होंने बस्तर की प्राचीन लॉस्ट-वैक्स (मधुच्छिष्ट) तकनीक पर आधारित ढोकरा शिल्पकला को संरक्षित रखने, उसे राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने तथा नई पीढ़ी को इस पारंपरिक कला का प्रशिक्षण देने में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

बैद की कलाकृतियों में बस्तर के आदिवासी जनजीवन, लोक-संस्कृति, देवी-देवताओं और प्रकृति का सजीव चित्रण देखने को मिलता है। पारंपरिक तकनीक और स्थानीय सांस्कृतिक विरासत को अपनी कलाकृतियों के माध्यम से सहेजने के उनके प्रयासों ने बस्तर की विशिष्ट शिल्प परंपरा को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

बन्नू राम बैद को शिल्प गुरु अवार्ड के लिए चयनित सहित जाना कोण्डागांव जिला और समूचे छत्तीसगढ़ एवं बस्तर अंचल के लिए गौरव का विषय है। उनकी यह उपलब्धि पारंपरिक हस्तशिल्प से जुड़े कलाकारों को प्रोत्साहित करने के साथ ही नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रेरित करेगी।

महिला की डॉक्टरों ने बचाई जान, 5 घंटे की सर्जरी, 10 यूनिट खून से मिली नई जिंदगी

विश्व केसरी■

रायपुर। नवरात्रि में हम माँ दुर्गा के नौ स्वरूपों की आराधना करते हैं और नारी शक्ति के सामर्थ्य को नमन करते हैं। इसी मातृशक्ति का एक प्रेरक स्वरूप पं. नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध अम्बेडकर अस्पताल, रायपुर में देखने को मिला, जहाँ महिला चिकित्सकों की टीम ने अपने चिकित्सकीय कौशल, साहस और समर्पण से एक माँ को नया जीवन दिया। वह भी तब, जब गंभीर प्रसूति जटिलता से जूझ रही 32 वर्षीय महिला की बच्चेदानी और मूत्राशय बुरी तरह फट गए थे। गर्भस्थ शिशु की मृत्यु हो चुकी थी और अत्यधिक रक्तस्राव के कारण महिला की जान पर बन आई थी। ऐसे कठिन समय में स्त्री एवं प्रसूति



रोग विभाग की टीम ने लगभग पांच घंटे तक जटिल सर्जरी की। मरीज को 10 यूनिट रक्त एवं रक्त घटक (Blood components) चढ़ाए गए।

इसके बाद दो दिनों तक वेंटिलेटर पर गहन उपचार चला। आखिरकार चिकित्सकों के अथक प्रयास सफल हुए और महिला स्वस्थ होकर अपने परिवार के पास लौट गई। नवरात्रि में नारी शक्ति के साहस, समर्पण और सम्मान का इससे बेहतर उदाहरण क्या होगा कि एक ओर देवी स्वरूपा माँ की आराधना हो रही है, तो दूसरी ओर महिला चिकित्सकों ने अपने ज्ञान, कौशल और सेवा भाव से एक माँ का जीवन बचाने के लिए अथक प्रयास करते हुए उसे मौत के मुँह से वापस लेकर आने में सफलता प्राप्त(Snatched from the jaws of death) की। आज की स्थिति में मरीज स्वस्थ्य होकर डिस्चार्ज लेकर अपने घर चली गई है।

पं. नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय के डीन डॉ. विवेक चौधरी ने इस मौके पर कहा कि नवरात्रि हमें शक्ति, साहस और करुणा का संदेश देती है। अम्बेडकर अस्पताल में एक माँ के जीवन को बचाने की यह घटना; शक्ति केवल आराधना में नहीं, सेवा में भी है, इसी भावना को जीवंत करती है। जहाँ महिला चिकित्सकों ने अपने ज्ञान और अनुभव से एक गंभीर मरीज की जान बचाने का हरसंभव प्रयास किया, वहीं विभिन्न विभागों की टीम ने एकजुट होकर चिकित्सा सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया।

छोटी आदतें जो सालों तक आपकी पीठ को सुरक्षित रखती हैं

डॉ. घनश्याम बिसन ससापरधी, कंसलटेंट , न्यूरोसर्जरी, एमएमआई नारायणा अस्पताल

विश्व केसरी■

रायपुर। क्लिनिक में मेरे पास ऐसे कई लोग आते हैं जिन्होंने तीस साल तक अपनी रीढ़ का ध्यान नहीं रखा, और अब दस मिनट सिर्फ़ पीठ दर्द की शिकायत करते रहते हैं। सच यह है कि रीढ़ अचानक खराब नहीं होती। यह रोज़ की छोटी-छोटी हरकतों के हज़ारों बार दोहराए जाने का नतीजा होती है। अच्छी बात यह है कि इन आदतों को बदला जा सकता है।

रीढ़ चलने-फिरने के लिए बनी है

रीढ़ में 24 गतिशील कशेरुकाएँ (वर्टिब्रा) होती हैं। ये डिस्क से जुड़ी होती हैं और मांसपेशियाँ इन्हें थामे रखती हैं। रीढ़ को हरकत का बोझ उठाने के लिए ही बनाया गया है। डिस्क में खून की नलियाँ नहीं होतीं, इसलिए उन्हें पोषण तभी मिलता है जब शरीर हरकत में हो। इसीलिए रोज़ 8 घंटे पैदल चलने वाले व्यक्ति को रीढ़ की परेशानी, 9 घंटे बिना हिले बैठे



रहने वाले दफ़्तर के कर्मचारी से कम होती है। दफ़्तर में काम करने वाले को रीढ़ पर पड़ने वाले भारी बोझ से ज़्यादा नुकसान एक ही स्थिति में बैठे रहने से होता है।

बिल्कुल सही मुद्रा जैसी कोई चीज़ नहीं होती

कोई एक आदर्श मुद्रा नहीं होती। सही तरीके से बैठने पर भी दो घंटे बाद पीठ दर्द करने लगती है। इसलिए हर 30 से 45 मिनट में अपनी स्थिति बदलें। खड़े हों, थोड़ा चलें, पानी पिएँ। बैठते समय कंप्यूटर की स्क्रीन या किताब आँखों की सीध में रखें। फ़ोन को भी नीचे झुककर देखने के बजाय आँखों की सीध में उठाकर देखें। सिर का वज़न लगभग 4 से 5 किलो होता है, इसलिए गर्दन झुकाने पर नीचे की कशेरुकाओं पर बोझ बढ़ जाता है। तनाव कम करने के लिए कंधों को पीछे की ओर घुमाएँ और दूर देखें।

कोर की मांसपेशियों को मज़बूत करें

पेट, पीठ और कूल्हों की मांसपेशियों को एक पट्टे (कॉर्सेट) की तरह समझिए। ये मांसपेशियाँ कमज़ोर हों तो पूरा बोझ रीढ़ पर आ जाता है। कोर को मज़बूत करने के लिए सरल व्यायाम करें। चारों हाथ-पैरों के बल (घुटनों और हथेलियों पर) आकर धड़ को बाएँ और दाएँ घुमाएँ और पीठ को कसकर सीधा रखें। शुरुआत करने वालों के लिए प्लैंक, ब्रिज और स्क्वैट अच्छे हैं। ये व्यायाम हफ़्ते में 3 बार करें और हर व्यायाम 12 बार दोहराएँ।

भारी सामान सही तरीके से उठाएँ

बहुत सी चोटें गलत तरीके से वज़न उठाने से होती हैं। चाहे बाज़ार से लाया हुआ सामान हो या एयरपोर्ट पर सूटकेस, मुख्य बात यह है कि पीठ पर बेवजह ज़ोर न पड़े। सही तरीका यह है कि घुटने मोड़कर नीचे झुकें, सामान को शरीर के पास से पकड़ें और सीधे ऊपर उठाएँ। वज़न जितना कम होगा, रीढ़ पर उतना ही कम ज़ोर पड़ेगा।

नींद, खान-पान और धूम्रपान

नींद की आदतें सुधारना ज़रूरी है, क्योंकि अनुपयुक्त बिस्तर पर बहुत देर तक सोने से पीठ दर्द हो सकता है। करवट लेकर सोते समय दोनों घुटनों के बीच तकिया रखना अच्छा रहता है। पीठ के बल सोते समय घुटनों के नीचे गोल तकिया या बोलस्टर रखने से रीढ़ पर दबाव कम होता है। ज़्यादा वज़न से पीठ दर्द बढ़ता है, ख़ासकर तब जब पेट की मांसपेशियों पर बोझ पड़ता है। कुछ किलो वज़न घटाने से भी काफ़ी फ़ायदा होता है। आख़िर में, ज़्यादा धूम्रपान से बचें, क्योंकि निकोटीन खून की नलियों को सिकोड़ देता है और रीढ़ तक पोषक तत्वों से भरपूर खून कम पहुँचता है।

डॉक्टर को कब दिखाएँ

पीठ दर्द आमतौर पर व्यायाम से एक-दो हफ़्ते में ठीक हो जाता है। लेकिन अगर दर्द किसी चोट या हादसे की वजह से हुआ है, तो वह लंबे समय तक रह सकता है। ऐसे में कुछ हफ़्तों बाद भी तकलीफ़ बनी रहे तो अपने डॉक्टर से मिलें।

अगर कमर से पैर तक दर्द, सुन्नपन या कमज़ोरी फैल रही हो, तो तुरंत डॉक्टर की सलाह लें। बेहोशी, सीने की हड्डी के पीछे दर्द, जी मिचलाना या उल्टी बहुत ज़्यादा ब्लड प्रेशर के लक्षण हो सकते हैं।

तकनीकी सहायक संघ रायपुर में करेगा राज्य स्तरीय आंदोलन



विश्व केसरी■

रायपुर। छत्तीसगढ़ के ग्रामीण क्षेत्रों में विकास की अहम कड़ी माने जाने वाले तकनीकी सहायक संघ तीन दिवसीय हड़ताल पर है, दो दिवसीय जिला स्तरीय हड़ताल के बाद कल रायपुर में राज्य स्तरीय आंदोलन करने जा रहे है।

तकनीकी सहायक संघ का कहना है कि उनका कार्य नियमित कर्मचारियों की तरह ही है कई क्षेत्रों में उन्हें नियमित कर्मचारियों से अधिक कार्य करना पड़ता है लेकिन सरकार लगातार उनके साथ वादा खिलाफी कर रही है, भाजपा ने सत्ता में आने के पहले अपने घोषणा पत्र ने सरकार में आते ही 15 दिनों में नियमित करने का वादा किया था ।

लेकिन आज सरकार को 3 साल से अधिक हो चुके है सरकार अपना वादा भूल बैठी है जिसे याद दिलाने तकनीकी सहायक संघ ने काम बंद कर हड़ताल शुरू कर दी है, तकनीकी सहायक संघ के जिला प्रवक्ता मनीष देवांगन ने कहा कि सरकार से हमारी तीन मांगे है जिसमें नियमतीकरण प्रमुख है

जब तक सरकार नियमित नहीं कर देती तब तक पंचायत सचिवों की तरह तकनीकी सहायकों को भी पंचायत नियमावली में शामिल किया जाना चाहिए साथ ही सेवा सुरक्षा पालिसी लागू किया जाना चाहिए ताकि किसी को भी नौकरी से ना निकाला जा सके।

जय भवानी दुर्गोत्सव समिति के पंडाल में माता के दर्शन के लिए भक्तो की भीड़



विश्व केसरी■

रायपुर । जय भवानी दुर्गोत्सव समिति के पंडाल में माता के दर्शन के लिए भक्तो की भीड़ उमड़ रही है। संरक्षक आशीष सिंह क्षत्री, मीडिया प्रभारी- विजय घोष, सत्यनारायण विश्वकर्मा, मनोज ठाकुर, अमित सोनी, पंकज विश्वकर्मा, पंकज कटारिया, टूमम्मन शर्मा, हेमंत सिसोदिया, राहुल सिंह ठाकुर, आकाश शर्मा, राजा पंडेल, महेंद्र सिंह तिलवार आदि शामिल है ।

न्यायालय तहसीलदार रायपुर, तहसील व जिला रायपुर (छत्तीसगढ़)

// ईश्तहार//

राप्र/पक्र0 /अ-6/ वर्ष 2025-2026
रायपुर, दिनांक 07/10/2026 ग्राम-पंडरीतराई, प0ह0नं0 47.
तहसील व जिला रायपुर छ.ग.

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका 01. श्रीमती मंजु वैद्य पिता स्व.श्री मनोहरराव पति श्री रोशन वैद्य निवासी गुलशन चौक, नयापारा महासमुन्द छ.ग. 02. अनिता आंडीकर पति श्री विजय आंडीकर निवासी अमरावती कटनेरा कोडेसर अमरावती म.प्र. 03. दिया मूलंनकर पति स्व. महेन्द्र मूलंनकर निवासी मंडी गेट पडरीतराई के पास, रायपुर छ.ग. 04. देवेन्द्र मूलंनकर पिता स्व. मोहन राव मूलंनकर निवासी अश्वनी नगर रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग. एवं अनावेदक 01. शंकुन्तला मूलंनकर पति स्व. मनोहर राव मूलंनकर 02. कोमल मूलंनकर पिता स्व. मनोहर राव मूलंनकर 03. लीना कुमारी मूलंनकर पिता स्व. मनोहर राव मूलंनकर 04. नेहा मूलंनकर पिता स्व. मनोहर राव मूलंनकर सभी निवासी अश्वनी नगर रायपुर छ.ग. के द्वारा इस न्यायालय में धारा-110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के अतर्गत् नामांतरण बाबत् आवेदन पत्र पेश कर लेख किया है कि ग्राम पंडरीतराई, प0ह0नं0 45, रा.नि.मं. रायपुर तहसील व जिला रायपुर में स्थित भूमि शीट नंबर-07, भू-खण्ड कमांक-31/3 रकबा 814 वर्गफुट भूमि में उभय पक्षकारों के पिता स्व मनोहर राव मूलंनकर के नाम धारित है। उक्त आवेदित भूमि के भू-स्वामी मनोहर राव मूलंनकर पिता स्व. महादेव मूलंनकर की मृत्यु दिनांक 23.01.2022 को हो चुकी है। स्व. मनोहर राव मूलंनकर की दो पत्नि थी जिसमें एक पत्नि स्व. वंदना मूलंनकर थी जिनकी मृत्यु पूर्व में हो गई है जिसकी संताने क्रमश मंजू मूलंनकर, महेन्द्र मूलंनकर, नरेन्द्र मूलनकर, अनिता मूलंनकर, महेन्द्र मूलनकर, नरेन्द्र मूलनकर, अनिता मूलंनकर, देवेन्द्र मूलनकर है तथा दूसरी पत्नि श्रीमती शकुन्तला मूलंनकर की संताने कोमल मूलंनकर, लीना मूलनकर, नेहा मूलनकर है. इनके अतिरिक्त अन्य कोई विधिक वारिसान नहीं है। इस प्रकार उपरोक्त आवेदित भूमि में मृतक भूमिस्वामी मनोहर राव मूलंनकर का नाम को राजस्व अभिलेख से विलोपित कर विधिक वारिसान के रूप में आवेदकगण एवं अनावेदकगण का नाम दर्ज किये जाने हेतु निवेदन किया गया है।

अतएव जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से अपनी लिखित आपत्ति दिनांक 26/10/2026 को इस न्यायालय में पेश करें। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 09/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

तहसीलदार
रायपुर

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी करपावण्ड, जिला बस्तर (छ.ग.)

// उदघोषणा//

रा.प्र.क्र. 916 /ब/121/ 2025-26

इस उदघोषणा के जरिये आम जनता को सूचित किया जाता है कि गोविन्द बघेल पिता/पति टीबरू बघेल जाति भतरा ग्राम चिऊरगॉव तहसील करपावण्ड जिला बस्तर द्वारा आवेदक स्वंय अथवा अपने पिता स्व. टीबरू बघेल निवासी ग्राम चिऊरगॉव तहसील करपावण्ड जिला बस्तर (छ.ग.)का मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्ति हेतु आवेदन पेश किया गया है।

अत: आवेदक / आवेदिका के पिता - टीबरू बघेल ग्ररम चिऊरगॉव का दिनांक 07/05/2024 को मृत्यु हुई है। आवेदक गोविन्द बघेल पिता स्प. टीबरू बघेल जाति भतरा ग्राम चिऊरगॉव तहसील करपावण्ड जिला बस्तर आवेदक स्वंय अथवा आवेदक के पिता स्व. टीबरू बघेल मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किये जाने पर यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार की आपत्ति अथवा दावा पेश करना हो तो वह स्वंय अथवा अपने अधिकृत अधिवक्ता के मार्फत प्रकरण में नियत पेशी दिनांक 28/10/2026 तक प्रस्तुत कर सकता है। नियत पेशी तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पर किसी प्रकार की सुनवाई नही होगी ।

आज दिनांक 15/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

कार्यपालिका दण्डाधिकारी
करपावण्ड जिला बस्तर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ0ग0)

// ईश्तहार//

राप्र 0क्र0/
-/अ-6/वर्ष 2026-2027
रायपुर, दिनांक 15/10/2026
ग्राम बोरियाखुर्द प0ह0नं0 71

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है आवेदक श्री रोमी देवांगन पिता स्व. अरूण देवांगन निवासी झंडा चौक, शिव नगर, नई चंगोराभाठा रायपुर (छ.ग.) द्वारा इस न्यायालय में धारा-110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के अंतर्गत नामांतरण बाबत् आवेदन पत्र पेश कर लेख किया है कि ग्राम बोरियाखुर्द प0ह0नं0 71 रा.नि.म रायपुर तहसील व जिला रायपुर में स्थित भूमि खसरा नंबर 191 का भाग कुल रकबा 1167.46 वर्गफुट भूमि को विक्रेता तेजराम साहू, पवन साहू पिसरान रिखीराम साहू निवासी-लालपुर रायपुर से पंजीकृत विकय विलेख दिनांक 11/02/2021 के माध्यम से क्रय किया गया है। अत: उक्त पंजीकृत विक्रय विलेख के आधार पर प्रश्नाधीन भूमि को आवेदक/केता का नाम दर्ज किये जाने का निवेदन किया गया है।

अतएव जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से अपनी लिखित आपत्ति दिनांक 23/10/2026 को इस न्यायालय में पेश करें। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 09/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

अतिरिक्त तहसीलदार
रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 3)
- : : शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर: :-
Email ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्रं /....36245..../ न. पा. नि. जोन क्रं 3/2026
रायपुर, दिनांक 14-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36245
वार्ड का नाम 31-नेताजी सुभाषचंद्र बोस वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 31 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी **RPR229F00265** जो की निगम अभिलेख श्री /श्रीमती **MR. RAMKISHAN YADAV** पिता / पति श्री श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती ईश्वरी प्रसाद यादव पिता/पति श्री श्रीमती स्व. श्री रामकिशन यादव ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार **/SAHMATI PATRA SHAPATH PATRA MRITU PRAMAN PATRA /** वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 3)
- : : शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर: :-
Email ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्रं /....36275..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 3/2026
रायपुर, दिनांक 14-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36275
वार्ड का नाम 31-नेताजी सुभाषचंद्र बोस वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 31 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी **RPR328R00028** जो की निगम अभिलेख श्री /श्रीमती **MRS. PRIYANKA PANDEY** पिता / पति श्री/श्रीमती **SATISH PANDEY** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **POONAM MISHRA** पिता / पति श्री श्रीमती **MRITYUNJAY NARAYAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र7)
-:मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर : :
Email ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्रं /....36303./ न. पा. नि. जोन नं-7/2026
रायपुर, दिनांक 15-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36303
वार्ड का नाम - 36 - तात्यामारा वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 36 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR717D000101** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **VIJESH KUMAR JAIN** पिता / पति श्री / श्रीमती **BHANWAR LAL JAIN** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती श्रीमती संगीता वर्मा पिता / पति श्री/श्रीमती पति श्री तानसिंह वर्मा ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति /संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी । जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '
डॉ. तृप्ति पाणिग्रही
(जोन कमिश्नर)
जोन (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 7)
: मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर : :
Email ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्रं /....36305./ न. पा. नि. / जोन क्रं - 7/2026
रायपुर, दिनांक 15-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36305
वार्ड का नाम - 36 - तात्यापारा वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 36 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR738C00139** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **Kishanchand** पिता / पति श्री/श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती श्रीमती रेखा लोहानी पिता / पति श्री / श्रीमती पति स्व. किशन चंद लोहानी ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **Shapath patr, sahmati patr, aadhar card, mrityu praman patr, nagar nigam ta& copy** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '
डॉ. तृप्ति पाणिग्रही
(जोन कमिश्नर)
जोन (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

भटगांव सहकारी समिति में नियुक्ति पर विवाद, जांच की मांग तेज

विश्व केसरी■

भटगांव (रामदास कुर्रे)। सहकारिता विभाग में आयें दिनों नियुक्ति के नाम पर खुल कर भ्रष्टाचार किया जा रहा है। जिसमें नियुक्ति के नियमों का जरा भी पालन नहीं किया जा रहा है। सहकारिता विभाग में समिति स्तर में किसी भी के नियुक्ति करने पर 21 दिसम्बर 2020 से पंजीयक सहकारी संस्थाएं नवा रायपुर अटल नगर द्वारा पत्र जारी कर रोक लगा दिया है। इसके पश्चात् भी मोटा रकम के लालच में मनमाने नियुक्ति धड़ल्ले से की जा रही है।

वहीं सहकारिता विस्तार अधिकारी द्वारा बहती गंगा में हाथ धोना उचित समझ रहा है। जबकि सहकारिता विभाग द्वारा प्रत्येक ब्लाक में एक सहकारिता विस्तार अधिकारी की नियुक्ति कर रखा है जो समिति के क्रियाकलापों में नजर रखें तथा निरीक्षण आंकेक्षण करें लेकिन खुद अधिकारी इन कार्यों में शामिल है। प्राप्त मिली जानकारी के अनुसार 03 नवम्बर 2025 को सभी समिति में कार्यरत कम्प्युटर आपरेटर द्वारा धान खरीदी प्रारंभ होने के पूर्व सामुहिक हड़ताल में चले गये थे जिससे निपटने के लिये सहकारिता विभाग द्वारा आनन फानन में आउट सोर्सिंग के माध्यम से कम्प्युटर आपरेटर की नियुक्ति सभी धान खरीदी केन्द्र में किया गया था।



लेकिन 11 नवम्बर 2025 को हड़तालरत सभी कम्प्यूटर आपरेटर काम में लौट आयें। जिससे आउट सोर्सिंग के माध्यम से नियुक्त कम्प्युटर आपरेटर का नियुक्ति आदेश निरस्त कर दिया गया और सभी आपरेटरों को वापस कर दिया गया। लेकिन कृषक सेवा सहकारी समिति भटगांव पंजीयन क्रमांक 1416 के प्राधिकृत अधिकारी / अध्यक्ष द्वारा इसी आउट सोर्सिंग से नियुक्त कम्प्यूटर आपरेटर यशवंत कुमार पिता श्यामलाल ग्राम बन्दारी निवासी जो ग्रामीण सेवा सहकारी समिति जमगहन पं. क्र. 236 के प्राधिकृत अधिकारी का पुत्र है। जिसे कृषक सेवा सहकारी समिति भटगांव पं.क्र. 1416 के प्राधिकृत अधिकारी समिति में रखा है जबकि इस समिति में पूर्व से कार्यरत कम्प्यूटर आपरेटर धनसाय यादव पदस्थ है और नवगठित देवसागर समिति क्षेत्र का निवासी है। जिसे नवगठित उसके समिति क्षेत्र देवसागर में स्थानान्तरण नहीं किया गया बल्कि जमगहन समिति क्षेत्र के निवासी को भटगांव समिति में रखकर

नवगठित समिति देवसागर में स्थानान्तरण कर अवैध रूप से भेज दिया गया है। जिसका नियुक्ति आदेश ही निरस्त हो गया है उसका स्थानान्तरण किस आधार में किया गया है। भटगांव समिति से विभाजित होकर नया समिति देवसागर बना है। जहां धान खरीदी प्रारम्भ होने के पूर्व नया प्राधिकृत अधिकारी का मनोयन होना है। जिसके द्वारा नया समिति के व्यवस्था को देखेगा लेकिन भटगांव समिति के प्राधिकृ त अधिकारी उसके भी अधिकार का हनन किया जा रहा। नया समिति गठित होने के बाद भी भटगांव समिति द्वारा हस्ताक्षेप करना निंदा का विषय है। देवसागर समिति क्षेत्र ग्रामीण किसानों द्वारा इस नियुक्ति का भारी विरोध जा रहा है। इनका कहना है कि देवसागर समिति क्षेत्र में भी कई कम्प्यूटर आपरेटर बेरोजगार है उनका नियुक्ति किया जाना चाहिए लेकिन जमगहन समिति क्षेत्र के निवासी को भटगांव समिति में लाकर देवसागर समिति में भेज कर नियम कानून का धज्जियां उड़या जा रहा है जिसकी जांच के लिये लिखित शिकायत संयुक्त पंजीयक स्तर में किया गया है।

अरेकेल में विद्यार्थियों के लर्निंग आउटकम्स और प्रतियोगी परीक्षाओं के संबंध में दी गई जानकारी

विश्व केसरी■



बसना (अशोक प्रधान)। विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर को बेहतर बनाने, निर्धारित अधिगम प्रतिफलों की उपलब्धि सुनिश्चित करने तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियों का मूल्यांकन करने के उद्देश्य से समग्र शिक्षा जिला परियोजना कार्यालय, जिला महासमुंद निर्देशानुसार यह निरीक्षण किया गया। इसी क्रम में विकासखंड स्रोत केंद्र समन्वयक अनिल सिंह साव ने शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय अरेकेल का निरीक्षण कर विद्यार्थियों की अधिगम दक्षताओं, कक्षा-कक्ष में संचालित शिक्षण गतिविधियों, नवाचारों तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान संकुल समन्वयक गजेन्द्र नायक एवं वारिस कुमार उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान विद्यार्थियों के विषयगत ज्ञान, समझ, तार्किक चिंतन, प्रश्नों के उत्तर देने की क्षमता तथा कक्षा में उनकी सहभागिता पर विशेष ध्यान दिया गया। लर्निंग आउटकम्स का उद्देश्य केवल पाठ्य पुस्तक के पाठों को पूरा करना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक विद्यार्थी निर्धारित कक्षा के अनुरूप ज्ञान, कौशल और दक्षताएँ प्राप्त कर सके।

बीआरसी अनिल सिंह साव ने कक्षा-कक्ष में संचालित शिक्षण प्रक्रिया का अवलोकन करते हुए यह जानने का प्रयास किया कि शिक्षक विभिन्न विषयों की अवधारणाओं को विद्यार्थियों तक किस प्रकार सरल, रोचक एवं प्रभावी ढंग से पहुँचा रहे हैं। विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने,अपने विचार व्यक्त करने, गतिविधियों में भाग लेने तथा स्वयं करके सीखने के अवसर प्रदान करने पर जोर दिया गया।

शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय अरेकेल में शिक्षक प्रेमचन्द साव व सभी शिक्षक शिक्षिकाओं द्वारा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अपनाई जा रही नवाचारी शिक्षण पद्धतियों का अवलोकन किया गया। विद्यालय में बच्चों को केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित न रखकर गतिविधि आधारित शिक्षण, प्रयोग विधि, खेल-खेल में पढ़ाई तथा स्थानीय संसाधनों के उपयोग से सीखने के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। विद्यालय में संचालित 'विज्ञान का पिटारा' तथा 'विज्ञान कॉर्नर' विद्यार्थियों के लिए आकर्षण और सीखने के महत्वपूर्ण केंद्र हैं। इनके माध्यम से बच्चों को विज्ञान की अवधारणाओं को प्रयोगों, मॉडल, चित्रों, स्थानीय सामग्री और दैनिक जीवन में दिखाई देने वाली घटनाओं से जोड़कर समझने का अवसर मिलता है। विज्ञान शिक्षण में प्रयोग आधारित गतिविधियों का विशेष महत्व है।

कृषि विभाग में एसीबी का छापा दो कर्मचारी रिश्वत लेते गिरफ्तार

विश्व केसरी■

अंतागढ़ (डम्पी खान)। जहाँ कृषि विभाग के दो कर्मचारियों को प्रवीण चन्द्राकर आर ई ओ, सुन्दर लाल बच्छण आर ई ओ दोनों कर्मचारियों को दो कृषकों से नगद दस दस हजार रूपये कुल बीस हजार रूपये का रिस्वत लेते रंगे हाथों पकडा गया।

बताया जा रहा है यह रिस्वत ग्राम आलानार के दो किसानों से लिया जा रहा था जिसे ए सी बी के द्वारा रंगे हाथो पकडा गया। किसान सगऊ कोमरा आलानार के द्वारा कृषि विभाग के कर्मचारियों के द्वारा रिस्वत मांगे जाने का सुचना ए सी बी जगदलपुर को दिया गया था।

रमेश मरकाम डी एस पी (एसीबी जगदलपुर) ग्राम पंचायत आलानार के किसान सगऊ कोमरा



के 29/9/026 को रिपोर्ट दर्ज करवाया था जिसका सत्यापन के पश्चात आज कार्यवाही किया गया, उक्त मामला किसानों के फसल बिमा से जुडा हुआ है किसानों के खाते मे 90 हजार रूपये आया था जिसका विभागीय प्रकरण बनाये जाने एवं सरकारी योजना का लाभ दिलाए जाने के एवज मे दोनों कर्मचारियों से दो किसानों से दस दस हजार रूपये कुल बीस हजार रूपये की मांग की गई थी और आज कार्यवाही करते रंगे हाथों पकडा गया और दोनों कर्मचारियों के उपर भ्रष्टाचार अधिनियम 7 के तहत कार्यवाही की जा रही है।

डिजिटल वित्तीय साक्षरता से किसानों को मिलेगी आर्थिक मजबूती

विश्व केसरी■

राजिम (शेखर मिश्रा)। शहर से लगे ग्राम चैबेबांधा में राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड), रायपुर के प्रायोजन तथा जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित, रायपुर के तत्वावधान में डिजिटल वित्तीय साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को वित्तीय जागरूकता, बैंकिंग सुविधाओं और शासन की किसान हितैषी योजनाओं की जानकारी दी गई। आयोजन का उद्देश्य किसानों को सहकारी बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ना और आर्थिक रूप से जागरूक बनाना रहा। कार्यक्रम में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अध्यक्ष निरंजन सिन्हा उपस्थित रहे। उन्होंने प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों और जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के माध्यम से संचालित योजनाओं की जानकारी देते हुए किसानों को इनका लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने सहकारी संस्थाओं को किसानों की आर्थिक जरूरतों से जोड़ने और कृषि गतिविधियों को मजबूती देने में इनकी भूमिका पर प्रकाश डाला। बैंक के उपाध्यक्ष अनिमेष कश्यप ने बताया कि प्रदेश सरकार किसानों के हित में विभिन्न योजनाएं संचालित कर रही है। इनके माध्यम से किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने रुपे किसान क्रेडिट कार्ड, खाद-बीज वितरण, वन पट्टाधारी किसानों को ऋण सुविधा और लघु सिंचाई योजनाओं की जानकारी दी।

होटल बुकिंग के नाम पर 90 हजार की ठगी

विश्व केसरी■

राजिम (शेखर मिश्रा)। जहां पुरी में भगवान जगन्नाथ के दर्शन की तैयारी कर रही 20 वर्षीय युवती ऑनलाइन होटल बुकिंग के नाम पर साइबर ठगी का शिकार हो गई। गूगल पर होटल की तलाश के दौरान शुरू हुआ संपर्क ऐसा जाल साबित हुआ कि होटल की बुकिंग तो नहीं हुई, लेकिन बुकिंग के नाम पर युवती से छह अलग-अलग किस्तों में कुल 90,249 रुपये ऐंठ लिए गए। रकम वापस मिलने का भरोसा देकर बार-बार भुगतान कराया गया। ठगी का एहसास होने पर युवती ने गोबरा नवापारा थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस को दिए आवेदन के अनुसार, पीडिता 7 अक्टूबर 2026 को पुरी में भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए होटल बुक करने हेतु गूगल पर सर्च कर रही थीं। वेबसाइट पर दिए गए व्हाट्सऐप नंबर पर दोपहर करीब 1.45 बजे संपर्क करने पर दो दिन के कमरे का किराया 14 हजार रुपये बताया गया। इसके बाद भेजे गए



क्यूआर कोड पर युवती ने 7 हजार रुपये का भुगतान कर दिया।

अलग-अलग किस्तों में ठगे रुपए

युवती के अनुसार, बुकिंग नंबर मिलने के बाद जब उन्होंने रसीद मांगी, तो सामने वाले ने बाद में रसीद भेजने की बात कही। इसके बाद होटल प्रतिनिधि ने अलग-अलग तकनीकी कारण बताकर दोबारा भुगतान करने को कहा। हर बार यह भरोसा दिलाया गया कि पहले भेजी गई रकम वापस कर दी जाएगी। इसी विश्वास में युवती ने 7,049 रुपये, 14,049 रुपये की दो किस्तें, 28,099 रुपये और 19,999 रुपये का भुगतान कर दिया।

इस तरह छह अलग-अलग ट्रांजेक्शन में युवती के कुल 90,249 रुपये चले गए। आरोप है कि रकम वापस मांगने पर भी न तो होटल की बुकिंग कराई गई और न ही पैसे लौटाए गए। खुद को ठगा महसूस करने के बाद युवती ने 12 अक्टूबर को पुलिस में आवेदन देकर संबंधित मोबाइल नंबर के धारक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

गौ तस्करी की सूचना पर गौ सेवकों ने की कार्रवाई, 12 मवेशियों को छुड़वाया

विश्व केसरी■



बसना (अशोक प्रधान)। मंगलवार को तड़के लगभग सुबह 4 बजे गौ तस्करी की सूचना मिलने पर गौ सेवक सक्रिय हुए। सूचना के अनुसार, दो व्यक्तियों द्वारा 3 गाय, बैल सहित 9 बछड़ों को पिरदा की ओर से सांकरा के संत अन्ना चौक के सामने से ले जाया जा रहा था।

सूचना मिलते ही गौ सेवक मौके पर पहुंचे और संबंधित व्यक्तियों से पूछताछ की। आवेदन में आरोप लगाया गया है कि मवेशियों को तस्करी कर कत्लखाने ले जाया जा रहा था। गौ सेवकों ने मामले की जानकारी पुलिस को देते हुए संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध उचित कार्रवाई की मांग की। इस दौरान भारतीय जनता युवा मोर्चा महासमुंद के जिला मंत्री एवं गौ सेवक कमलेश डड़सेना, मोहित साहू, हिमांशु प्रधान एवं राजकुमार अग्रवाल डिगेश यादव सहित अन्य गौ सेवक उपस्थित रहे।

गौ सेवकों ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

नाले के पास संदिग्ध हालत में मिला गांव के पंच का शव, हत्या की आशंका

विश्व केसरी■



भटगांव (रामदास कुर्रे)। सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के दुल्लापुर गांव में पंच सत्रुघन नारंग का शव संदिग्ध परिस्थितियों में नाले के पास मिला। मृतक के गले और शरीर के कुछ हिस्सों पर चोट के निशान मिलने की बात सामने आई है। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और कुछ संदेहियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

रात 12 से 2 बजे के बीच की बताई जा रही घटना

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, घटना बुधवार रात करीब 12 से 2 बजे के बीच की बताई जा रही है। बताया गया है कि गांव के कुछ लोग नाले के पानी से खेतों में सिंचाई कर रहे थे। उस समय सत्रुघन नारंग भी वहां मौजूद थे।

घटना के बाद गले पर घोंटने जैसे निशान और शरीर के कुछ हिस्सों में चोट के निशान मिलने की बात सामने आई है। हालांकि, उनकी मौत कैसे हुई और इसके पीछे क्या कारण रहे, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।

पुलिस अधिकारियों और फोरेंसिक टीम ने किया निरीक्षण

सूचना मिलने के बाद बिलाईगढ़ एसडीओपी, एएसपी और बेलादुला पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। फोरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए बिलाईगढ़ भेज दिया है।

एसबीआई आरसेटी में 10 दिवसीय मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण का समापन

विश्व केसरी■



बलौदाबाजार (ताराचंद कठोत्रे)। भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान बलौदाबाजार में आयोजित 10 दिवसीय मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन गुरुवार को असेसमेंट एवं समापन समारोह के साथ संपन्न हुआ। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 34 प्रशिक्षार्थियों ने भाग लिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षार्थियों का असेसमेंट छत्तीसगढ़ राज्य असेसर अरुण कुमार सोनी के मार्गदर्शन में किया गया। असेसमेंट टीम में ईडीपी असेसर जय बसुवाराज एवं डोमेन असेसर चूड़ामणि सोनी शामिल रहे। इस दौरान प्रशिक्षार्थियों के प्रशिक्षण से संबंधित ज्ञान, कौशल एवं मशरूम उत्पादन की व्यावहारिक जानकारी का मूल्यांकन किया गया। समापन समारोह में अग्रणी जिला प्रबंधक शिवकुमार कंवर ने प्रशिक्षार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान करते हुए मशरूम उत्पादन को स्वरोजगार एवं आय बढ़ाने का एक बेहतर माध्यम बताया। उन्होंने प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त ज्ञान का उपयोग कर स्वयं का व्यवसाय प्रारंभ करने तथा आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर उनके द्वारा प्रशिक्षार्थियों को मशरूम बीज का वितरण भी किया गया।

बाढ़ के 15 दिन बाद भी राहत राशि का इंतजार, टिकेंद्र ठाकुर ने उठाई तत्काल सहायता की मांग

विश्व केसरी■



नवापारा-राजिम (शेखर मिश्रा)। महानदी की भीषण बाढ़ ने नवापारा में सैकड़ों परिवारों की गृहस्थी उजाड़ दी, लेकिन बाढ़ का पानी उतरने के करीब 15 दिन बाद भी कई प्रभावित परिवार आर्थिक सहायता की राह देख रहे हैं। घरों में घुसे पानी से राशन, जरूरी दस्तावेज, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, फर्नीचर और रोजमर्रा के उपयोग का सामान बर्बाद हो गया। अब नवरात्र, दशहरा और दीपावली जैसे त्योहार सामने हैं, लेकिन प्रभावित परिवारों को राहत राशि कब मिलेगी, इसे लेकर अब भी असमंजस बना हुआ है। इस बीच राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस (इंटक) के प्रदेश अध्यक्ष टिकेंद्र सिंह ठाकुर ने शासन-प्रशासन से बाढ़ प्रभावित परिवारों को तत्काल आर्थिक सहायता देने और नुकसान के अनुरूप उचित मुआवजा प्रदान करने की मांग की है।

कुछ परिवारों को मिले चेक, शेष प्रभावितों को राहत का इंतजार

बाढ़ प्रभावितों की मदद के लिए राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री टंकराम वर्मा ने कुछ परिवारों को पांच-पांच हजार रुपये के चेक वितरित किए थे। वहीं, सेवा संकल्प अभियान के दौरान अभनपुर विधायक इंद्रकुमार साहू द्वारा भी कुछ प्रभावित परिवारों को सहायता राशि के चेक दिए गए। हालांकि, कई अन्य परिवार अब भी आर्थिक मदद की प्रतीक्षा कर रहे हैं। ऐसे में प्रशासन को यह स्पष्ट करना चाहिए कि अब तक कितने परिवारों को सहायता मिल चुकी है,

टिकेंद्र ठाकुर बोले-कोई भी पात्र परिवार सहायता से वंचित न रहे

राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस (इंटक) के प्रदेश अध्यक्ष टिकेंद्र सिंह ठाकुर ने बाढ़ प्रभावितों की परेशानी को देखते हुए मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप तत्काल आर्थिक सहायता जारी करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि बाढ़ से जिन परिवारों को नुकसान हुआ है, उनका निष्पक्ष आकलन कर उचित मुआवजा दिया जाना चाहिए। राहत वितरण में पारदर्शिता बरती जाए और कोई भी पात्र परिवार सहायता से वंचित न रहे। उन्होंने प्रभावितों को समय पर आर्थिक मदद उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि लोग अपनी बर्बाद गृहस्थी को फिर से संवार सके

त्योहारों से पहले राहत राशि मिलने की उम्मीद

बाढ़ की तबाही से उबरने की कोशिश कर रहे परिवारों के लिए आगामी त्योहारों के बीच आर्थिक सहायता की जरूरत और बढ़ गई है। घरों की मरम्मत, राशन और जरूरी सामान की व्यवस्था के साथ त्योहार मनाना उनके लिए चुनौती बना हुआ है। ऐसे में प्रभावित परिवारों की निगाहें शासन-प्रशासन पर टिकी हैं। अब सवाल यही है कि क्या त्योहारों से पहले सभी पात्र परिवारों तक राहत राशि पहुंच पाएगी, ताकि वे आर्थिक संकट के बीच कुछ राहत महसूस कर सकें?

अधूरे मुक्तिधाम निर्माण कार्य पुनः प्रारम्भ समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश

विश्व केसरी■



बलौदाबाजार (ताराचंद कठोत्रे)। जिले में ग्रामीण क्षेत्रों की मूलभूत अधोसंरचना सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण एवं आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के प्रति जिला प्रशासन पूरी संवेदनशीलता एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। जनपद पंचायत पलारी अंतर्गत ग्राम पंचायत ठेलकी में निर्माणाधीन मुक्तिधाम को पुनः प्रारम्भ कराते हुए शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये गये हैं।

जिला प्रशासन द्वारा संबंधित जनपद पंचायत एवं निर्माण एजेंसी को स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि मुक्तिधाम के शेष निर्माण कार्यों को 5 दिवस में प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराया जाए, ताकि ग्रामवासियों को अंतिम संस्कार के दौरान किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में मुक्तिधाम जैसी आवश्यक सार्वजनिक सुविधाओं का विकास केवल अधोसंरचना निर्माण का विषय नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं, सामाजिक गरिमा एवं नागरिक सुविधाओं से सीधे जुड़ा महत्वपूर्ण दायित्व है। ऐसे कार्यों के क्रियान्वयन में अनावश्यक विलंब स्वीकार्य नहीं होगा।

संपादकीय

सत्ता से सवाल या व्यवस्था में व्यवधान?



डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत में शांतिपूर्ण सभा का अधिकार लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण आधार है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19(1)(ख) सभी नागरिकों को शांतिपूर्वक और बिना हथियारों के एकत्र होने का मौलिक अधिकार प्रदान करता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनसभाएँ, धरने, प्रदर्शन और रैलियाँ केवल असहमति व्यक्त करने के माध्यम नहीं हैं, बल्कि नागरिकों को अपनी माँगें रखने, सरकार से जवाबदेही सुनिश्चित करने और सार्वजनिक नीतियों को प्रभावित करने का अवसर भी देती हैं। वर्तमान भारत में विरोध-प्रदर्शनों की अनुमति, सार्वजनिक स्थानों पर प्रतिबंध, सड़क जाम और निवारक कानूनी प्रावधानों को लेकर होने वाली बहस ने इस अधिकार की प्रासंगिकता को और बढ़ा दिया है।

भारत का स्वतंत्रता आंदोलन सामूहिक लामबंदी और शांतिपूर्ण प्रतिरोध की शक्ति का ऐतिहासिक उदाहरण है। महात्मा गांधी के सत्याग्रह ने यह सिद्ध किया कि अहिंसक जनभागीदारी अन्यायपूर्ण व्यवस्था को चुनौती देने का प्रभावी माध्यम बन सकती है। स्वतंत्रता के बाद भी भ्रष्टाचार, सामाजिक न्याय, पर्यावरण संरक्षण, महिला अधिकारों, रोजगार और किसानों से जुड़े मुद्दों पर विभिन्न आंदोलनों ने सार्वजनिक विमर्श को प्रभावित किया है। शांतिपूर्ण प्रदर्शन उन नागरिकों और समुदायों को अपनी बात रखने का अवसर देते हैं, जिनकी समस्याओं को सामान्य परिस्थितियों में पर्याप्त म भ hbfhd हत्त्व नहीं मिल पाता।

शांतिपूर्ण सभा का अधिकार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से भी गहराई से जुड़ा है। अनुच्छेद 19(1)(क) नागरिकों को वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रदान करता है, जबकि अनुच्छेद 19(1)(ख) उन्हें सामूहिक रूप से अपनी बात रखने का अवसर देता है। प्रदर्शन सरकार को अपनी नीतियों पर पुनर्विचार करने, प्रशासनिक कमियों को दूर करने और जनता की समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। इस दृष्टि से शांतिपूर्ण असहमति लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी जीवंतता और उत्तरदायित्व का प्रमाण है।

वर्तमान भारत में कृषि नीतियों, नागरिकता, बेरोजगारी, भर्ती परीक्षाओं, आरक्षण, पर्यावरण और अन्य सार्वजनिक मुद्दों पर होने वाले विरोध-प्रदर्शन इस अधिकार के महत्त्व को दर्शाते हैं। दूसरी ओर, सड़कों पर लंबे समय तक धरना देने, सार्वजनिक सभाओं पर प्रतिबंध लगाने, इंटरनेट सेवाएँ बंद करने तथा निवारक आदेशों के प्रयोग को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। मुख्य चुनौती यह सुनिश्चित करना है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के नाम पर नागरिकों की वैध असहमति को दबाया न जाए।

संविधान शांतिपूर्ण सभा के अधिकार को असीमित नहीं मानता। अनुच्छेद 19(3) के अंतर्गत भारत की संप्रभुता एवं अखंडता और लोक व्यवस्था के हित में इस अधिकार पर युक्तियुक्त प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। ऐसे प्रतिबंध इसलिए आवश्यक हैं, क्योंकि प्रदर्शनकारियों के अधिकारों के साथ-साथ अन्य नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना भी राज्य की जिम्मेदारी है। हिंसा, धमकी, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचाना और जनसुरक्षा के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न करना लोकतांत्रिक विरोध के नाम पर उचित नहीं ठहराया जा सकता। इसी प्रकार, आवश्यक मार्गों पर लंबे समय तक अवरोध उत्पन्न होने से मरीजों, आपातकालीन सेवाओं, दैनिक यात्रियों, व्यापारियों और स्थानीय निवासियों को परेशानी हो सकती है।

शाहीन बाग विरोध-प्रदर्शन से संबंधित अमित साहनी बनाम पुलिस आयुक्त (2020) मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक सड़कों और स्थानों पर अनिश्चितकाल तक ऐसा कब्जा नहीं किया जा सकता, जिससे अन्य लोगों का आवागमन बाधित हो। इस निर्णय ने विरोध-प्रदर्शन के अधिकार और आम जनता के अधिकारों के बीच संतुलन की आवश्यकता को रेखांकित किया। हालाँकि, इसका अर्थ यह नहीं है कि सार्वजनिक स्थानों पर प्रत्येक प्रदर्शन प्रतिबंधित किया जा सकता है। प्रशासन को शांतिपूर्ण प्रदर्शन से होने वाली सामान्य असुविधा और गंभीर या लंबे समय तक चलने वाले अवरोध के बीच अंतर करना चाहिए।

इसी प्रकार, मजदूर किसान शक्ति संगठन बनाम भारत संघ (2018) मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने सार्वजनिक स्थानों पर प्रदर्शन के अधिकार और अन्य नागरिकों के हितों के बीच संतुलन से जुड़े प्रश्नों पर विचार किया। ऐसे न्यायिक निर्णय यह स्पष्ट करते हैं कि न तो विरोध-प्रदर्शन का अधिकार असीमित है और न ही सरकार की नियमन करने की शक्ति। उद्देश्य ऐसा संतुलन स्थापित करना होना चाहिए, जिससे लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति सुरक्षित रहे और सार्वजनिक जीवन भी अनावश्यक रूप से बाधित न हो। निवारक कानूनी शक्तियों का प्रयोग भी सावधानीपूर्वक किया जाना आवश्यक है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 सक्षम अधिकारियों को उपद्रव या संभावित खतरे जैसी कानून में निर्धारित परिस्थितियों में तत्काल निवारक आदेश जारी करने की शक्ति प्रदान करती है।

पंजाब में नशे का तांडवः वर्दी बनी त्रासदी



ललित गर्ग

पंजाब की धरती कभी शौर्य, पराक्रम, मेहनत, उद्यमशीलता और जीवटता के लिए जानी जाती थी। इसी मिट्टी के नौजवानों ने देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी और खेतों में पसीना बहाकर देश का अन्न भंडार भरा। लेकिन आज उसी पंजाब की पहचान नशे के बढ़ते कारोबार, युवाओं की बर्बादी और ड्रग्स माफिया के बढ़ते प्रभाव से जुड़ती जा रही है। यह केवल एक राज्य की सामाजिक त्रासदी नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, शासन-व्यवस्था और राजनीतिक इच्छाशक्ति की गंभीर परीक्षा है। जिस पंजाब के युवाओं के हाथों में कभी तलवार, हल और तिरंगा शोभा देते थे, वहां आज नशे ने अनेक हाथों को बेबस और अनेक परिवारों को बदहवास कर दिया है। विडंबना देखिए कि नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने की जिम्मेदारी जिन पुलिसकर्मियों की है, यदि उन्हीं के घर से करोड़ों रुपये की हेरोइन बरामद होने की खबर सामने आती है, तो यह व्यवस्था के लिए खतरे की घंटी है। पंजाब में एक पुलिस कांस्टेबल के घर से कथित तौर पर 40 करोड़ रुपये की हेरोइन बरामद होने का मामला इसी सड़ांध की ओर संकेत करता है। यह घटना महज एक आपराधिक प्रकरण नहीं, बल्कि उस व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न है, जिसमें अपराध रोकने के लिए नियुक्त व्यक्ति ही कथित तौर पर अपराध के संदेह के घेरे में आ जाए। यह तो वही स्थिति हुई कि 'बाड़ ही खेत को खाने लगे', तो फसल की रखवाली कौन करेगा? जिस पुलिस के कंधों पर नशा तस्करों को पकड़ने का दायित्व है, यदि उसी व्यवस्था के भीतर ऐसे तत्व पनपने लगें, तो आम नागरिक का भरोसा डगमगाना स्वाभाविक है। इस मामले में निष्पक्ष जांच, दोषियों की पहचान और कठोर कानूनी कार्रवाई जरूरी है। किसी व्यक्ति को केवल आरोप के आधार पर दोषी नहीं ठहराया जा सकता, लेकिन वर्दी की आड़ में अपराध करने वाले किसी भी व्यक्ति को कानून से बचने का अवसर भी नहीं मिलना चाहिए।

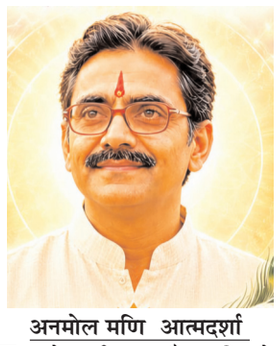
पंजाब में नशे का कारोबार अब गलियों, गांवों और कस्बों तक अपनी जड़ें फैला चुका है। कभी नशे की समस्या को सीमावर्ती क्षेत्रों या शहरी युवाओं तक सीमित माना जाता था, लेकिन आज सिंथेटिक ड्रग्स सहित विभिन्न मादक पदार्थों की उपलब्धता ने संकट को और व्यापक बना दिया है। युवा पीढ़ी का एक हिस्सा नशे की गिरफ्त में आकर अपना स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और भविष्य गंवा रहा है। कहीं मां की गोद सूनी हो रही है, कहीं वृद्ध पिता के बुढ़ापे का सहारा छिन रहा है और कहीं परिवार का कमाऊ सदस्य नशे की लत के कारण स्वयं अपने परिजनों पर बोझ बन रहा है। 'घर का चिराग ही घर में अंधेरा कर दे', इससे बड़ी विडंबना क्या होगी! नशे की लत केवल व्यक्ति को नहीं तोड़ती, बल्कि पूरे परिवार और सामाजिक ताने-बाने को भीतर तक खोखला कर देती है। इस संकट की गंभीरता सरकारी आंकड़ों और पुलिस की कार्रवाइयों से भी समझी जा सकती है। उपलब्ध विवरणों के अनुसार दस महीनों में पंजाब पुलिस ने 10,524 तस्करों को गिरफ्तार किया, जिनमें 153 बड़े ऑपरेटर शामिल थे। इस दौरान 790 किलोग्राम हेरोइन, 860 किलोग्राम अफीम और अन्य मादक पदार्थों के साथ 13 करोड़ रुपये से अधिक की ड्रग मनी जब्त की गई तथा नशे के कारोबार से जुड़ी 208 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति पर कार्रवाई की गई। ये आंकड़े कार्रवाई के पैमाने को अवश्य दर्शाते हैं, लेकिन साथ ही यह सवाल भी उठाते हैं कि इतनी बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थ आखिर राज्य में पहुंच कैसे रहे हैं? इतनी गिरफ्तारियों और जब्ती के बावजूद यदि नशे की उपलब्धता और लत पर निर्णायक अंकुश नहीं लग रहा, तो स्पष्ट है कि समस्या की जड़ें गहरी हैं। 'मर्ज बढ़ता गया, ज्यों-ज्यों दवा की' जैसी स्थिति से बचने के लिए गिरफ्तारियों की संख्या से आगे बढ़कर नशे की आपूर्ति, वित्तीय नेटवर्क और राजनीतिक संरक्षण की पड़ताल करनी होगी।



पाकिस्तान से लगी पंजाब की लगभग 553 किलोमीटर लंबी सीमा इस चुनौती को राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़ती है। ड्रोन के माध्यम से नशीले पदार्थों और हथियारों की तस्करी की आशंकाएं सीमा प्रबंधन को और जटिल बनाती हैं। वर्ष 2026 में अब तक पंजाब की सीमा से 183 ड्रोन जब्त किए जाने का उल्लेख इस खतरे की गंभीरता को रेखांकित करता है। सीमा पार से संचालित तस्करी के नेटवर्क पर प्रहार करना आवश्यक है, लेकिन सारी जिम्मेदारी बाहरी ताकतों पर डालकर राज्य के भीतर की कमजोरियों से आंखें नहीं मूंदी जा सकतीं। यदि स्थानीय तस्कर, संगठित गिरोह और भ्रष्ट तंत्र मिलकर काम कर रहे हों, तो सीमा पर कड़ी निगरानी के साथ-साथ भीतर भी कठोर कार्रवाई करनी होगी। 'दूध का दूध और पानी का पानी' करने वाली जांच ही बता सकती है कि इस काले कारोबार में कौन मोहरा है, कौन खिलाड़ी और कौन पर्दे के पीछे बैठा सूत्रधार। आम आदमी पार्टी की पंजाब सरकार ने नशामुक्ति और तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई को लेकर अनेक दावे किए हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या ये दावे जमीन पर उतना परिवर्तन ला पाए हैं, जिसकी अपेक्षा पंजाब की जनता ने की थी? सत्ता में आने से पहले नशे के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई के वादे करना आसान है, लेकिन उस लड़ाई को परिणाम तक पहुंचाना राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक ईमानदारी और निरंतर जवाबदेही मांगता है। यदि नशे की उपलब्धता बनी हुई है, युवा लगातार इसकी गिरफ्त में आ रहे हैं और तस्करी के नेटवर्क बार-बार सक्रिय हो जाते हैं, तो सरकार की रणनीति और उसके क्रियान्वयन पर सवाल उठना स्वाभाविक है। केवल छापेमारी, गिरफ्तारी और घोषणाओं से नशामुक्त पंजाब का सपना साकार नहीं होगा। सरकार की सफलता का वास्तविक पैमाना यह होना चाहिए कि नशे की आपूर्ति कितनी घटी, कितने युवा उपचार के बाद सामान्य जीवन में लौटे और बड़े तस्करों तथा उनके संरक्षकों के विरुद्ध कितनी प्रभावी कार्रवाई हुई।

नशे के खिलाफ लड़ाई में पुलिस सुधार, आधुनिक तकनीक, सीमा सुरक्षा और वित्तीय जांच के साथ-साथ नशामुक्ति केंद्रों, मनोवैज्ञानिक परामर्श, रोजगार और पुनर्वास पर भी समान ध्यान देना होगा। नशे के शिकार युवाओं को केवल अपराधी मानकर खारिज करना समाधान नहीं है, उन्हें उपचार, सहारा और सम्मानजनक जीवन में लौटने का अवसर देना भी जरूरी है। गांवों में जनभागीदारी, स्कूल-कॉलेजों में जागरूकता और परिवारों की सक्रिय भूमिका इस अभियान को जनांदोलन का स्वरूप दे सकती है। साथ ही, पुलिस और राजनीतिक तंत्र में किसी भी स्तर पर संरक्षण देने वालों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। पंजाब को नशे की गिरफ्त से निकालना केवल सरकार का नहीं, पूरे समाज का दायित्व है, लेकिन नेतृत्व की पहली जवाबदेही सरकार की ही है। जब कानून के रखवाले ही संदेह के घेरे में आने लगें और करोड़ों की हेरोइन की बरामदगी व्यवस्था की विश्वसनीयता पर प्रश्न खड़े करे, तब आत्ममंथन टालना आत्मघाती होगा। 'लकीर पीटने' के बजाय अब निर्णायक परिणाम देने का समय है। पंजाब को खोखले नारों नहीं, कठोर कार्रवाई, पारदर्शी जांच और जवाबदेह शासन की जरूरत है। नशा माफिया की जड़ें उखाड़ने के लिए राजनीतिक संरक्षण की दीवारें तोड़नी होंगी और कानून का भय हर अपराधी तक पहुंचाना होगा। अन्यथा नशे का यह तांडव पंजाब की युवा शक्ति को ही नहीं, देश की सामाजिक और राष्ट्रीय सुरक्षा को भी गंभीर क्षति पहुंचाता रहेगा।

नवरात्रिः नौ रातों का पर्व नहीं, जीवन में नवीनता का संदेश



अनमोल मणि आत्मदर्शा

नव से नवीनता और रात्रि से अंधकार को समझें, ताकि जीवन की हर रात्रि सत्य, पवित्रता और दिव्य विचारों की नवीनता से आलोकित हो सके।

नवरात्रि में अनेक लोग 'नव' का अर्थ नौ और 'रात्रि' का अर्थ रात समझकर केवल नौ दिनों तक ही खान-पान में संयम रखते हैं तथा रात्रि-जागरण की परंपरा अपनाते हैं। लेकिन आइए, नवरात्रि के आध्यात्मिक संदेश को जीवन के व्यापक संदर्भ में समझें।

यहाँ 'नव' को नवीनता और 'रात्रि' को अंधकार का प्रतीक मानकर एक आध्यात्मिक संदेश ग्रहण किया जा सकता है—जीवन की हर रात्रि में सत्य, पवित्रता और दिव्य विचारों की नवीनता बनी रहे। संयम केवल नौ दिनों तक सीमित न हो, बल्कि हमारे जीवन का स्थायी संस्कार बने।

आइए, माँ दुर्गा के नौ स्वरूपों को अपने जीवन के नौ दिव्य गुणों के रूप में आत्मसात करें।

1. माँ शैलपुत्री — शीलता का संकल्प

हमारे विचारों, वाणी और व्यवहार में शीलता, विनम्रता एवं पवित्रता हो। हमारा व्यक्तित्व ऐसा बने कि हमारे संपर्क में आने वाला प्रत्येक व्यक्ति सम्मान और अपनत्व का अनुभव करे।

2. माँ ब्रह्मचारिणी — ब्रह्मचर्य और विश्वकल्याण

हम ब्रह्मचर्य, आत्मसंयम और सदाचार का जीवन अपनाएँ। हमारा प्रत्येक विचार, आचरण और कर्म केवल स्वयं के लिए नहीं, बल्कि समस्त ब्रह्मांड के कल्याण की भावना से प्रेरित हो।

3. माँ चंद्रघंटा — शीतलता और ज्ञान का प्रकाश

हमारा स्वभाव चंद्रमा की शीतलता की तरह सुखद, शांतिदायक और कल्याणकारी हो। हमारे ज्ञान का प्रकाश दूसरों के जीवन से अज्ञान, भय और निराशा का अंधकार दूर करे।

4. माँ कूष्माण्डा — अहंकार से मुक्ति

सृष्टि में हमें जो भी उपलब्धियाँ, साधन और सुविधाएँ प्राप्त हुई हैं, उन्हें अहंकार का कारण न बनाएँ। तिनके के समान तुच्छ मानने का भाव यहाँ अपनी उपलब्धियों के प्रति अनासक्ति और विनम्रता का प्रतीक बने। सब कुछ प्राप्त होने पर भी हम निरभिमानी रहें।

5. माँ स्कंदमाता — स्वास्थ्य और प्रकृति से प्रेम

हम अपने शरीर को स्वस्थ रखने के लिए प्राकृतिक, संतुलित और सात्त्विक आहार अपनाएँ। कंद-मूल-फल सहित पौष्टिक खाद्य पदार्थों को अपने भोजन में उचित स्थान दें और शरीर को स्वस्थ रखने की आदत विकसित करें।

6. माँ कात्यायनी — न्याय और नीति का पालन

हमारे प्रत्येक कार्य में न्याय, नीति और नैतिकता का समावेश हो। हम किसी के साथ अन्याय न करें, अपने कर्तव्यों के प्रति ईमानदार रहें और सत्य के मार्ग पर दृढ़ता से चलते रहें।

7. माँ कालरात्रि — अज्ञान के अंधकार में सत्य का प्रकाश

अज्ञान और नकारात्मकता से भरे इस समय में हम पवित्रता, ईमानदारी, वफादारी, जवाबदेही, समझदारी और सत्यता को अपनाएँ। हमारे भीतर का विवेक हर परिस्थिति में सही मार्ग चुनने की शक्ति प्रदान करे।

8. माँ महागौरी — पवित्रता से महान कर्तव्यों का निर्वहन

हम अपने महान कर्तव्यों को निर्मल विचारों, स्वच्छ भावनाओं और सात्त्विक आचरण के साथ पूरा करें। हमारे मन, वाणी और कर्म में शुद्धता हो, ताकि हमारे प्रत्येक कार्य से समाज में सद्भाव और कल्याण का विस्तार हो।

9. माँ सिद्धिदात्री — सिद्धियों से दातृत्व तक

जीवन में ज्ञान, सद्गुण और आत्मविकास की सिद्धियाँ प्राप्त करके हम स्वयं तक सीमित न रहें। दूसरों को सुख, शांति, समृद्धि और प्रसन्नता देने वाले बनें। हमारी उपलब्धियों का वास्तविक मूल्य तभी है।

बोध कथा

कवि का स्वाभिमान

एक दिन राजा मान सिंह प्रसिद्ध कवि कुंभनदास के दर्शन के लिए वेश बदलकर उनके घर पहुंचे। उस समय कुंभनदास अपनी बेटी को आवाज लगाते हुए कह रहे थे, 'बेटी, जरा दर्पण तो लाना, मुझे तिलक लगाना है।' बेटी जब दर्पण लाने लगी तो वह नीचे गिरकर टूट गया। यह देखकर कुंभनदास बोले, 'कोई बात नहीं, किसी बर्तन में जल भर लाओ।' राजा कुंभनदास के पास बैठकर बातें करने लगे और बेटी एक टूटे हुए घड़े में पानी भरकर ले आई। जल की छाया में अपना चेहरा देखकर कुंभनदास ने तिलक लगा लिया।

यह देखकर राजा दंग रह गए। वह कुंभनदास से अत्यंत प्रभावित हुए। राजा यह सोचकर प्रसन्न थे कि कवि कुंभनदास उन्हें पहचान नहीं पाए हैं। राजा वहां से चले गए। अगले दिन वह एक स्वर्ण जड़ित दर्पण लेकर कवि के पास पहुंचे और बोले, 'कविराज, आपकी सेवा में यह तुच्छ भेंट अर्पित है। कृपया इसे स्वीकार कीजिए।' कुंभनदास विनम्रतापूर्वक बोले, 'महाराज आप! अच्छा तो कल वेश बदलकर आप ही हम से मिलने आए थे। कोई बात नहीं। हमें आपसे मिलकर बहुत अच्छा लगा। पर एक विनती है।'

राजा ने पूछा, 'क्या कविराज?' कुंभनदास बोले, 'आप मेरे घर अवश्य आइए लेकिन खाली हाथ। यदि आप अपने साथ ऐसी ही वस्तुएं लेकर आते रहे तो बेकार की वस्तुओं से मेरा घर भर जाएगा। मुझे व्यर्थ की वस्तुओं से कोई मोह नहीं। मुझे बस मां सरस्वती की कृपा की आवश्कता है।' कवि के इस स्वाभिमानी रूप को देखकर राजा आश्चर्यचकित रह गए। वह समझ गए कि कवि कुंभनदास की निर्धनता उनकी विवशता नहीं है, बल्कि इसी तरह का जीवन उन्हें संतुष्टि देता है। वह लोभ, मोह, माया आदि से बहुत ऊपर उठ चुके हैं। उस दिन से कुंभनदास राजा के प्रिय हो गए। राजा के लिए यह गर्व का विषय था कि उनके राज्य में कुंभनदास जैसे लोग रहते हैं।

कविता

लोकतंत्र बचाओ सप्ताह



गोलेन्द्र पटेल

सत्य जब संघर्ष के
बीज बोता है
तो बदलाव का
अंकुर फूटता है
और जब विपक्ष
कमज़ोर पड़ जाता है
तब संसद की
सड़कों पर
विद्यार्थियों का प्रतिरोध गूँजता है!

दिल्ली की सड़कों पर
सिर्फ़ शोर नहीं
जनता के कुचले सपनों की आवाज़ है
सत्ता के बहरे दरबार में
सवालों का खुला आग़ाज़ है
किसान खेत में, मज़दूर कारख़ाने में
युवा बेरोज़गारी के वीराने में
आदिवासी अपनी ज़मीन बचाए
और सत्ता विकास के गीत सुनाए।

एक वोट से तख़्त बनता है
एक वोट से तख़्त हिलता है
फिर मतदाता का नाम कटे
तो जवाबदेही से कौन बचता है?
वोट न ख़ैरात, न सत्ता की जागीर
यह जनता की ताक़त, लोकतंत्र की लकीर
मतदाता सूची से मतगणना तक
पारदर्शिता हो, हर सवाल का उत्तर हो।

ज्ञानेश कुमार से जनता का सवाल
संदेहों पर कब होगा स्पष्ट संवाद?
जाँच हो निष्पक्ष, तथ्य हों उजागर
जवाबदेही से ही बचेगा जनादेश का आधार
चेहरे बदलना पर्याप्त नहीं
व्यवस्था का चरित्र बदलना होगा
सत्ता को जनता के आगे
हर हाल में जवाबदेह होना होगा।

व्यंग्य केसरी

बुढ़ापा पेंशनः बोझ या विवेक की परीक्षा?



अशोक मतवाला

इन दिनों देश में एक नई चिंता जन्म ले चुकी है—सरकारी खज़ाने की चिंता। यह चिंता तब और गहरी हो जाती है जब बात बुढ़ापा पेंशन की आती है।

कहा जा रहा है कि बुज़ुर्गों को दी जाने वाली पेंशन सरकार पर बोझ है। तर्क दिया जाता है कि जिनकी आमदनी ठीक है, जिन्हें परिवार का सहारा है, या जिन्होंने टैक्स दिया है, उन्हें पेंशन की ज़रूरत नहीं होनी चाहिए। पहली नज़र में यह तर्क बड़ा व्यावहारिक लगता है, लेकिन थोड़ा गहराई में उतरें तो इसकी परतें खुलने लगती हैं।

हाल ही में एक सामाजिक समारोह में मेरी मुलाक़ात एक रिटायर्ड वरिष्ठ अधिकारी से हुई। बातचीत के दौरान उन्होंने यही बात दोहराई कि बुढ़ापा पेंशन सरकारी खज़ाने पर अनावश्यक बोझ है। यहीं से सवाल पैदा होता है—अगर दो-तीन हज़ार रुपये की पेंशन बोझ है, तो क्या साठ हज़ार की पेंशन बोझ नहीं?

अक्सर यह तर्क दिया जाता है कि 'हमने पूरी ज़िंदगी सरकार की सेवा की है, टैक्स दिया है, इसलिए पेंशन हमारा हक़ है।' यह बात अपनी जगह सही हो सकती है। लेकिन फिर यह सवाल भी उतना ही जायज़ है कि क्या आम आदमी टैक्स नहीं देता? क्या किसान, मज़दूर, छोटा दुकानदार या दिहाड़ी पर काम करने वाला नागरिक देश की सेवा नहीं करता?

आज देश का हर नागरिक—चाहे वह आयकर देता हो या नहीं—ज़रूरत के ज़रिए रोज़ टैक्स देता है। रोटी, दाल, तेल, दूध, दवा—सब पर टैक्स है। खेत में बहता पसीना, ईंट उठाता मज़दूर और दुकान पर बैठा छोटा व्यापारी—ये सभी किसी न किसी रूप में देश की अर्थव्यवस्था को संभाले हुए हैं।

तो फिर देश की सेवा का प्रमाण सिर्फ़ फाइलों और कुर्सियों तक ही सीमित क्यों मान लिया जाता है?

बुढ़ापा पेंशन की मूल भावना कभी 'खैरात' नहीं थी। इसे 'सम्मान निधि' के रूप में शुरू किया गया था—इस विचार के साथ कि जिसने जीवन भर समाज और परिवार को दिया, उसे बुढ़ापे में सम्मान के साथ जीने का अधिकार है। यह पेंशन किसी को अमीर नहीं बनाती, लेकिन किसी को भूखा या बेबस होने से ज़रूर बचा लेती है।

अगर आज गरीब बुज़ुर्ग की पेंशन बोझ लगने लगे, तो फिर ईमानदारी की कसौटी सब पर समान रूप से लागू होनी चाहिए। नेता, अफ़सर, पूर्व पदाधिकारी—सबकी पेंशन पर एक ही नज़र से विचार होना चाहिए। अधिकार बराबर हों, तो बोझ भी बराबर माना जाए।

समस्या यह नहीं है कि देश के पास संसाधन नहीं हैं। समस्या यह है कि करुणा को खर्च समझ लिया गया है और सुविधा को अधिकार। गरीब का हक़ काटना आसान है, क्योंकि उसकी आवाज़ धीमी होती है। लेकिन ताक़तवर की जेब पर हाथ डालना मुश्किल, क्योंकि वहाँ आवाज़ ऊँची होती है।

इतिहास

16 अक्टूबर का इतिहास देश और दुनिया की कई महत्वपूर्ण घटनाओं से जुड़ा है:

प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएं

1905 – ब्रिटिश वायसराय लॉर्ड कर्ज़न द्वारा बंगाल का विभाजन लागू किया गया। इसके विरोध में पूरे देश में प्रदर्शन हुए और स्वदेशी आंदोलन की शुरुआत हुई।

1923 – वॉल्ट डिज्नी और रॉय डिज्नी द्वारा द वॉल्ट डिज्नी कंपनी (डिसनी ब्रदर्स कार्टून स्टूडियो) की नींव रखी गई।

1945 – संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन की स्थापना हुई, जिसके कारण हर साल 16 अक्टूबर को 'विश्व खाद्य दिवस' मनाया जाता है।

1951 – पाकिस्तान के पहले प्रधानमंत्री लियाकत अली खान की रावलपिंडी में गोली मारकर हत्या कर दी गई।

1964 – चीन ने शिनजियांग के लोप नोर परीक्षण स्थल पर अपना पहला परमाणु परीक्षण किया।

शिवरीनारायण दुर्गा पंडाल में उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़

मां दुर्गा के दर्शन के लिए पहुंच रहे हजारों श्रद्धालु



विश्व केसरी■

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। धर्म एवं अध्यात्म की नगरी शिवरीनारायण में शारदीय नवरात्र पर्व को लेकर श्रद्धा और भक्ति का माहौल बना हुआ है। नगर के विभिन्न दुर्गा पंडालों में माता रानी की भव्य प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन एवं पूजा-अर्चना के लिए पहुंच रहे हैं। नवरात्र के अवसर पर पूरा नगर भक्तिमय वातावरण में सराबोर नजर आ रहा है।

नगर के प्रमुख दुर्गा पंडालों में आकर्षक साज-सज्जा, भव्य पंडाल और रंग-बिरंगी रोशनी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। विशेष रूप से दुर्गा पंडालों में मां दुर्गा के दर्शन के लिए सुबह से लेकर देर रात तक श्रद्धालुओं का आना-जाना लगा हुआ है। परिवार सहित पहुंच रहे भक्त माता रानी के दर्शन कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना कर रहे हैं। नवरात्र पर्व के दौरान नगर में धार्मिक उत्साह चरम पर है। जगह-जगह माता रानी के जयकारे गूंज रहे हैं, वहीं पूजा-अर्चना और धार्मिक आयोजनों से वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना हुआ है। श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ से दुर्गा पंडालों में रौनक देखते ही बन रही है।

धार्मिक नगरी शिवरीनारायण में नवरात्र पर्व केवल पूजा-अर्चना का अवसर ही नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, आस्था और सांस्कृतिक परंपराओं का प्रतीक भी है। हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति से नगर में उत्सव जैसा माहौल बना हुआ है और भक्त मां दुर्गा की आराधना में लीन हैं।

मुख्यमंत्री साय से कांग्रेस नेताओं ने की मुलाकात

शिवरीनारायण। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के शिवरीनारायण आगमन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने उनसे मुलाकात कर कांग्रेस समर्थित जिला पंचायत सदस्यों के हाउस अरेस्ट का विषय उठाया। साथ ही 16वें वित्त आयोग की राशि के संबंध में प्रभारी मंत्री ओ.पी. चौधरी एवं जिला पंचायत अध्यक्ष के कथित मनमाने रवैये को लेकर शिकायत की गई। मुलाकात के दौरान कांग्रेस नेताओं ने मुख्यमंत्री का ध्यान आकृष्ट कराते हुए कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए जनता द्वारा निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए। जिला पंचायत के सभी निर्वाचित सदस्यों को समान अवसर एवं अधिकार मिलना चाहिए, ताकि वे अपने-अपने क्षेत्रों में विकास कार्यों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ा सकें। नेताओं ने 16वें वित्त आयोग की राशि के उपयोग एवं विकास कार्यों में सभी जनप्रतिनिधियों के साथ निष्पक्ष व्यवहार सुनिश्चित करने की मांग रखी। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में राजनीतिक विचारधारा के आधार पर भेदभाव किए बिना जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

पत्रकार को जान से मारने की धमकी के मामले में पत्रकार संघ ने थाना प्रभारी को सौंपा ज्ञापन



विश्व केसरी■

भानुप्रतापपुर (दीपक शर्मा)। पत्रकार संघ भानुप्रतापपुर के सदस्य एवं पत्रकार अभिषेक ठाकुर को जान से मारने की धमकी दिए जाने के मामले में पत्रकार संघ ने गंभीरता से संज्ञान लेते हुए थाना प्रभारी भानुप्रतापपुर को ज्ञापन सौंपा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पत्रकार अभिषेक ठाकुर के निवास पर अज्ञात व्यक्ति द्वारा धमकी भरा पत्र फेंका गया था। पत्र में पत्रकारिता का कार्य बंद करने की चेतावनी देते हुए ऐसा नहीं करने पर जान से मारने की धमकी दी गई है। इस घटना को पत्रकार संघ ने गंभीर एवं चिंताजनक बताते हुए मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी की पहचान करने और उसके विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की मांग की।

पत्रकार संघ ने कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का महत्वपूर्ण स्तंभ है। जनहित के मुद्दों को उठाना और आम जनता की समस्याओं को शासन-प्रशासन तक पहुंचाना पत्रकारों का दायित्व है। ऐसे में पत्रकार को धमकी देकर उसकी आवाज दबाने का प्रयास स्वतंत्र एवं निर्भीक पत्रकारिता के लिए चिंता का विषय है। ज्ञापन सौंपते समय पत्रकार संघ अध्यक्ष अजय साहू, सचिव अभिषेक पाण्डेय, वरिष्ठ पत्रकार राजकुमार दूबे, सुमंत सिन्हा, दीपक शर्मा, संजय सोनी, संतोष तिवारी, राजेश रंगारी, अनुज तिवारी, अभिषेक ठाकुर, आदित्य गोलानी सहित पत्रकार संघ के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

पत्रकार संघ ने पुलिस प्रशासन से मामले में त्वरित कार्रवाई कर धमकी देने वाले अज्ञात व्यक्ति की पहचान करने तथा पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की।

जनदर्शन में उप मुख्यमंत्री ने सुनी नागरिकों की समस्याएं

विश्व केसरी■



बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। नागरिकों की समस्याओं, मांगों एवं शिकायतों को सुनकर उनके निराकरण के लिए शासन-प्रशासन और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से लोरमी रेस्ट हाउस में जनदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने जनदर्शन में पहुंचे नागरिकों से सीधे संवाद किया और उनकी समस्याओं, मांगों एवं शिकायतों को गंभीरता से सुना और नागरिकों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं के निराकरण के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे तथा प्राप्त आवेदनों पर संबंधित विभागों के माध्यम से नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

जनदर्शन कार्यक्रम में क्षेत्र के नागरिकों ने अपनी समस्याएं सीधे उप मुख्यमंत्री के समक्ष रखीं। इस दौरान लोगों ने अपनी आवश्यकताओं, स्थानीय समस्याओं और विकास से जुड़ी मांगों को सामने रखा। उप मुख्यमंत्री साव ने नागरिकों की बातों को सुनते हुए उनके आवेदनों पर नियमानुसार कार्यवाही करने का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि आम जनता की समस्याओं का समाधान शासन की प्राथमिकता है और लोगों को अपनी जायज मांगों के निराकरण के लिए अनावश्यक परेशानी न हो, इसके लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। जनदर्शन में 520 से अधिक आवेदकों ने उनके समक्ष अपनी मांगें एवं समस्याएं रखीं।

उप मुख्यमंत्री साव ने ग्राम तुलसाघाट निवासी लाल दास खाण्डेकर की मांग पर तत्काल श्रवण यंत्र प्रदान कर लाभान्वित किया। इसके साथ ही ग्राम लाखासार निवासी श्री हितेश साहू को आय प्रमाण पत्र प्रदान किया। उन्होंने शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर सभी नागरिकों को शुभकामनाएं एवं बधाई दी। और क्षेत्र की खुशहाली की कामना करते हुए कहा मां दुर्गा की कृपा से सभी के जीवन में सुख, शांति, और समृद्धि बनी रहे । इस पावन पर्व को आस्था, श्रद्धा और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक बताते हुए सभी के सुखमय जीवन की कामना की। उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए विभिन्न क्षेत्रों में विकास एवं निर्माण कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। विकास कार्यों के माध्यम से नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और क्षेत्र की आवश्यकताओं के अनुरूप अधोसंरचना को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देते हुए आवश्यकतानुसार कार्यवाही की जाएगी।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास में आम नागरिकों की आवश्यकताओं और सुझावों का महत्वपूर्ण योगदान है। जनदर्शन जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों की समस्याओं को सीधे सुनने और उनके समाधान की दिशा में आवश्यक पहल करने का अवसर मिलता है।

सक्ती में 20 अक्टूबर को भव्य दशहरा उत्सव

विश्व केसरी■



सक्ती (ईश्वर लोधी)। विजयादशमी के पावन अवसर पर सक्ती में 20 अक्टूबर 2026, मंगलवार को भव्य दशहरा उत्सव एवं स्टार नाइट का आयोजन किया जाएगा। अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच, शाखा सक्ती के तत्वावधान में आयोजित यह कार्यक्रम पंडित दीनदयाल उपाध्याय बाजार ग्राउंड में शाम 6 बजे से शुरू होगा। उत्सव में विभिन्न आकर्षक झांकियां एवं विशाल आतिशबाजी शो विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगे। आयोजन को लेकर नगरवासियों में उत्साह का माहौल है।

आकर्षक झांकियां और आतिशबाजी से सजेगी दशहरे की शाम – दशहरा उत्सव में आकर्षक झांकियों के माध्यम से धार्मिक और सांस्कृतिक प्रसंगों को प्रस्तुत किया जाएगा। वहीं, विशाल आतिशबाजी शो आयोजन की भव्यता बढ़ाएगा। दशहरा पर्व बुराई पर अच्छाई और असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है। इस अवसर पर नगरवासी उत्सव के माध्यम से भारतीय संस्कृति, धार्मिक परंपराओं और सामाजिक एकजुटता का संदेश साझा करेंगे।

स्टार नाइट में मनोरंजन का होगा खास आकर्षण – आयोजन के अंतर्गत स्टार नाइट भी रखी गई है, जिसमें मनोरंजक प्रस्तुतियों के साथ कार्यक्रम को यादगार बनाने की तैयारी की गई है। आयोजकों का उद्देश्य नगरवासियों को दशहरे के अवसर पर एक भव्य और आकर्षक आयोजन उपलब्ध कराना है। मारवाड़ी युवा मंच के मनीष कथूरिया एवं राज कुमार अग्रवाल (राजू) ने बताया कि दशहरा उत्सव को भव्य स्वरूप देने के लिए तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने नगरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होकर उत्सव की खुशियों में सहभागी बनने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह आयोजन धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक परंपरा और सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देने का अवसर है।बाजार ग्राउंड, सक्ती में आयोजित होने वाला यह दशहरा उत्सव नगरवासियों के लिए मनोरंजन और उल्लास से भरी शाम लेकर आएगा।

लखीराम अग्रवाल मेमोरियल ऑडिटोरियम में आयोजित होगा पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का कार्यक्रम

विश्व केसरी■

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का जिला स्तरीय कार्यक्रम स्वर्गीय लखीराम अग्रवाल मेमोरियल ऑडिटोरियम, बिलासपुर में आयोजित किया गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू एवं अध्यक्षता उप मुख्यमंत्री अरुण साव करेंगे।

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, बिलासपुर द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक अमर अग्रवाल, धरमलाल कौशिक, धर्मजीत सिंह,सुशांत शुक्ला, अटल श्रीवास्तव एवं दिलीप लहरिया आमंत्रित हैं। इसके अलावा छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण के अध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी, महापौर पूजा विधानी, जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी, छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम के अध्यक्ष राजा पाण्डेय तथा बिलासपुर जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अध्यक्ष रजनीश सिंह भी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

जिला सैनिक बोर्ड की बैठक में पूर्व सैनिकों एवं उनके परिवारों की समस्याओं पर हुई चर्चा



विश्व केसरी■

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। कलेक्टर संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में जिला सैनिक कल्याण कार्यालय में जिला सैनिक बोर्ड की बैठक आयोजित की गई। नवगठित जिला सैनिक बोर्ड की यह पहली बैठक थी, जिसमें पूर्व सैनिकों एवं उनके परिवारों के कल्याण से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बैठक में बीएनआई बिलासपुर के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर कृपाल सिंह चावला, सीएमडी कॉलेज के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अमन संजय दुबे तथा बिलासपुर की एनजीओ प्रमुख सत्यभामा अवस्थी शामिल हुईं।

बैठक के दौरान पूर्व सैनिकों और उनके परिजनों को आने वाली समस्याओं, उनकी आवश्यकताओं तथा उनके कल्याण के लिए किए जाने वाले प्रयासों पर विचार-विमर्श किया गया।

निलंबित आईपीएस रतनलाल डांगी के खिलाफ डिविजन जांच जारी

विश्व केसरी■



बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। महिला योग प्रशिक्षकों के खिलाफ जांच अधिकारी रतनलाल डांगी (रतनलाल डांगी) से जुड़े मामले में छत्तीसगढ़ कोर्ट ने याचिका दायर की है। शासन ने अप्रैल में कोर्ट को बताया था कि डांगी के खिलाफ 20 2026 को ही आरोप-पत्र जारी किया जा चुका है। इसके साथ ही डिविजनल दस्तावेजों की व्यवस्था में बदलाव करते हुए नए अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। बिलासपुर महिला योग प्रशिक्षक ने रतनलाल डांगी के खिलाफ पुलिस गोदाम में शिकायत दर्ज कराई थी। महिला ने साल 2017 से 2025 के बीच पैड का इस्तेमाल कर अतिक्रमण करना और अनुचित व्यवहार करना समेत कई गंभीर आरोप लगाए थे। याचिका में दुष्प्रचार संदेश और तस्वीरें विभाग, पासपोर्ट के खिलाफ दस्तावेजों की जांच के दौरान दस्तावेजों और व्यापारिक पदों की स्थापना के बदले पैसे के आधार पर आरोप भी शामिल हैं। महिला ने प्रारंभिक जांच करने वाले अधिकारियों पर क्रिस्टोफर का आरोप लगाया था कि वह न्यायिक हिरासत में थी। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे अधिकारियों से संपर्क करें और डांगी की संपत्ति की जांच की मांग करें। सुनवाई के दौरान राज्य शासन ने अदालत को बताया कि 20 अप्रैल 2026 के बाद डांगी के खिलाफ प्रारंभिक जांच की याचिका जारी की गई है।

शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 17 शिक्षक सम्मानित

विश्व केसरी■



बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार, समर्पण और उत्कृष्ट कार्य करने वाले जिले के 17 शिक्षकों को आज संपर्क फाउंडेशन द्वारा 'टॉप टीचर्स अवार्ड 2026' से सम्मानित किया गया। जिला पंचायत सभागार में आयोजित समारोह में कलेक्टर संजय अग्रवाल ने शिक्षकों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षक केवल किताबी ज्ञान नहीं देते, बल्कि बच्चों में संस्कार, आत्मविश्वास और बेहतर नागरिक बनने की भावना भी विकसित करते हैं। उन्होंने शिक्षकों से बच्चों की प्रतिभा को पहचानकर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल भी इस दौरान मौजूद थे।

कलेक्टर अग्रवाल ने कहा कि बच्चों के बेहतर भविष्य के निर्माण में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। विद्यार्थियों से व्यक्तिगत लगाव रखकर उन्हें सीखने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। बच्चों की प्रतिभा को तराशना और उन्हें सही दिशा देना शिक्षक का दायित्व है। उन्होंने संपर्क फाउंडेशन द्वारा शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उल्लेखनीय है कि संपर्क फाउंडेशन द्वारा जिले के 161 विद्यालयों में संपर्क डिवाइस उपलब्ध कराए गए हैं। इनके माध्यम से बच्चों को रोचक एवं गतिविधि आधारित डिजिटल शिक्षण सामग्री से सीखने का अवसर मिल रहा है। ऑडियो-वीडियो सामग्री के उपयोग से कठिन विषयों को सरल और रुचिकर तरीके से समझने में मदद मिल रही है। सीईओ अग्रवाल ने कहा कि शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावी बनाने और बच्चों में सीखने के प्रति रुचि विकसित करने में यह पहल उपयोगी साबित हो रही है।

संपर्क फाउंडेशन के संस्थापक विनीत नैयर एवं अनुपमा नैयर द्वारा स्थापित संस्था शासकीय विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कार्य कर रही है। इसी क्रम में नवाचार, समर्पण और निरंतर प्रयासों से बच्चों के सीखने के स्तर में सुधार लाने वाले 17 शिक्षकों को सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह का उद्देश्य शिक्षकों के उत्कृष्ट कार्यों को प्रोत्साहित करने के साथ अन्य शिक्षकों को भी नवाचार के लिए प्रेरित करना है।

राजपुर में वित्तीय गड़बड़ी के सवाल अनसुलझे, डॉ. तिर्की को जिला अस्पताल की कमान

विश्व केसरी■

बलरामपुर (आफताब आलम)। जिले के स्वास्थ्य विभाग में वित्तीय पारदर्शिता और जवाबदेही को लेकर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं। राजपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आयुष्मान भारत योजना के तहत कथित वित्तीय अनियमितताओं का मामला पहले से ही जांच के दायरे में बताया जा रहा है। इस मामले में महालेखाकार की ऑडिट में अनियमितताएं सामने आने की बात कही गई है। इसके बावजूद अब तक जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों पर कार्रवाई की स्थिति स्पष्ट नहीं होने के बीच पूर्व में राजपुर में बीएमओ की जिम्मेदारी संभाल चुके डॉ. राम प्रसाद तिर्की को बलरामपुर जिला अस्पताल का सिविल सर्जन सह अस्पताल प्रबंधक बनाए जाने से नई बहस छिड़ गई है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब संबंधित स्वास्थ्य केंद्र में वित्तीय अनियमितताओं को लेकर जांच और जवाबदेही के प्रश्न पहले से मौजूद हैं, तो ऐसे में नई जिम्मेदारी सौंपते समय विभाग ने किन तथ्यों और मापदंडों को आधार बनाया? हालांकि, डॉ. तिर्की की नियुक्ति को पूर्व के मामले से जोड़कर किसी निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं होगा। उनकी व्यक्तिगत जिम्मेदारी और भूमिका का निर्धारण संबंधित दस्तावेजों, जांच रिपोर्ट तथा सक्षम प्राधिकारी के निष्कर्षों के आधार पर ही किया जाना चाहिए।

एजी ऑडिट में अनियमितताओं के सवाल, कार्रवाई का इंतजार

मामला बलरामपुर जिले के राजपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आयुष्मान भारत योजना से जुड़ी वित्तीय प्रक्रिया का है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, महालेखाकार की ऑडिट में वित्तीय अनियमितताओं से संबंधित आपत्तियां सामने आने की बात कही गई है। इसके बाद मामले को लेकर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की भूमिका और कार्रवाई की प्रक्रिया पर सवाल उठने लगे।

यदि ऑडिट में दर्ज आपत्तियों की पुष्टि होती है, तो यह पता लगाना आवश्यक होगा कि सरकारी राशि का उपयोग किन मदों में



किया गया, खरीदी के लिए निर्धारित प्रक्रिया का पालन हुआ या नहीं और भुगतान की स्वीकृति किस स्तर पर दी गई। साथ ही यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि ऑडिट आपत्तियों के निराकरण के लिए विभाग ने अब तक क्या कदम उठाए हैं। सरकारी धन के उपयोग से जुड़े मामलों में केवल जांच के निर्देश जारी करना पर्याप्त नहीं है। जांच का समयबद्ध निष्कर्ष, जिम्मेदारी का निर्धारण और नियमानुसार कार्रवाई ही जनता के बीच प्रशासनिक जवाबदेही का भरोसा कायम कर सकती है।

निर्धारण समिति की बैठक के बिना लाखों की खरीदी का आरोप

मामले में आरोप है कि राजपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में निर्धारण समिति की विधिवत बैठक और अनुमोदन के बिना लाखों रुपये की खरीदी की गई। यदि यह आरोप जांच में प्रमाणित होता है, तो यह सरकारी खरीद प्रक्रिया और वित्तीय अनुशासन से जुड़ा गंभीर विषय होगा। इसलिए जांच में यह स्पष्ट होना चाहिए कि खरीदी का प्रस्ताव किसने तैयार किया, समिति की बैठक और अनुमोदन से संबंधित अभिलेख उपलब्ध हैं या नहीं, सामान की आपूर्ति वास्तव में हुई या नहीं तथा भुगतान किस अधिकारी या कर्मचारी की स्वीकृति से किया गया।

खरीदी से संबंधित निविदा, कोटेशन, बिल-वाउचर, स्टॉक रजिस्टर, भुगतान अभिलेख और समिति की कार्यवाही की जांच से वास्तविक स्थिति सामने आ सकती है। जांच का उद्देश्य केवल प्रक्रियागत कमियां गिनाना नहीं, बल्कि तथ्यों के आधार पर जिम्मेदारी निर्धारित करना भी होना चाहिए।

जांच की गति पर सवाल, निष्पक्ष रिपोर्ट की जरूरत

इस प्रकरण में बलरामपुर कलेक्टर और स्वास्थ्य विभाग के ज्वाइंट डायरेक्टर द्वारा जांच के निर्देश दिए जाने की जानकारी सामने आई है। लेकिन जांच किस चरण में है, अब तक किन दस्तावेजों की जांच हुई है और जिम्मेदार अधिकारियों से क्या जवाब मांगा गया है, इन सवालों का स्पष्ट उत्तर सार्वजनिक होना चाहिए। यदि महालेखाकार की ऑडिट में गंभीर आपत्तियां दर्ज हैं, तो विभाग को उन आपत्तियों पर की गई कार्रवाई और उनके निराकरण की स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। साथ ही जांच रिपोर्ट में यह बताया जाना चाहिए कि वित्तीय अनियमितताओं की पुष्टि हुई या नहीं और यदि हुई, तो उसके लिए किस स्तर पर जवाबदेही बनती है।

जांच में देरी की आशंका और जिम्मेदारों को बचाने के आरोपों की भी तथ्यों के आधार पर पड़ताल होनी चाहिए। बिना प्रमाण किसी अधिकारी को दोषी ठहराना उचित नहीं है, लेकिन सरकारी धन से जुड़े सवालों को अनुत्तरित छोड़ना भी प्रशासनिक पारदर्शिता के अनुरूप नहीं होगा।

शेयर बाजार बड़ी तेजी के साथ बंद, सेंसेक्स 1,533.72 अंक की उछाल

विश्व केसरी■

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार के कारोबारी सत्र में बड़ी तेजी के साथ बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 1,533.72 अंक या 2.11 प्रतिशत की तेजी के साथ 74,315.61 और निफ्टी 374.65 अंक या 1.66 प्रतिशत की मजबूती के साथ 22,997.35 पर था।



सत्र के दौरान बाजार की तेजी को सहारा निजी बैंक और आईटी शेयरों ने दिया। सूचकांकों में निफ्टी प्राइवेट बैंक 1.89 प्रतिशत, निफ्टी सर्विसेज 1.83 प्रतिशत और निफ्टी आईटी 1.82 प्रतिशत की बढ़त के साथ टॉप गेनर्स थे। इसके अलावा, निफ्टी ऑटो, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी ऑयलएंडगैस, निफ्टी इन्फ्रा, निफ्टी कंजप्शन, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी फार्मा और निफ्टी मेटल हरे निशान में थे। हालांकि, सूचकांकों में निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी मीडिया, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी एनर्जी और निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स लूजर्स थे। सूचकांकों में टेक महिंद्रा, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, इटरनल, एचसीएल टेक, एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, कोटक महिंद्रा बैंक, इन्फोसिस, मारुति सुजुकी, एमएंडएम, एक्सिस बैंक, इंडिगो, आईटीसी, टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस और अल्ट्राटेक सीमेंट गेनर्स थे।

केवल बीईएल, ट्रेंट और एचयूएल ही लूजर्स थे। लार्जकैप के उलट मिडकैप और स्मॉलकैप में बिकवाली देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 211.85 अंक या 0.36 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 59,197.25 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 253.10 अंक या 1.31 प्रतिशत की गिरावट के साथ 19,131.70 पर था। जानकारों ने कहा कि भारतीय शेयर बाजारों में तेजी की वजह एआई के अत्यधिक मूल्यांकन और अमेरिका में बढ़ती मुद्रास्फीति को लेकर चिंताओं के चलते टेक्नोलॉजी स्टॉक्स केंद्रित वैश्विक बाजारों में बिकवाली थी, जिससे घरेलू बाजार का आकर्षण बढ़ा।

वहीं, बॉन्ड यील्ड में सुधार, रुपए की स्थिरता और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी ने भी बाजार के सेंटिमेंट को समर्थन दिया, जबकि इक्विटी टैक्स पर सरकार के पुनर्विचार की संभावना ने सकारात्मक माहौल तैयार करने में मदद की है।

उन्होंने आगे कहा कि हालांकि, छोटे और मध्यम आकार के शेयरों में कमजोरी और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में बिकवाली से संकेत मिलता है कि इस उछाल में व्यापक भागीदारी की कमी है। इस कारण निकट भविष्य में स्थिरता दूसरी तिमाही के राजस्व और मार्जिन में अपेक्षित प्रदर्शन, व्यापक बाजार भागीदारी और विदेशी निवेश की वापसी पर निर्भर करेगी, जबकि भू-राजनीतिक और वैश्विक मुद्रास्फीति के जोखिमों के बीच तेल और मुद्रा में टिकाऊ स्थिरता महत्वपूर्ण बनी हुई है।

भारत का प्रत्यक्ष कर संग्रह चालू वित्त वर्ष 26-27 में 13.2 प्रतिशत बढ़ा

विश्व केसरी■



मुंबई। चालू वित्त वर्ष 2026-27 में 14 अक्टूबर तक भारत का शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह (नेट डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन) 13.21 प्रतिशत बढ़कर 13.38 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया है। आयकर विभाग द्वारा गुरुवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, कॉरपोरेट टैक्स, गैर-कॉरपोरेट टैक्स और सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) से प्राप्त राजस्व में वृद्धि के चलते यह बढ़ोतरी दर्ज की गई।

रिफंड को समायोजित करने से पहले सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह (ग्रॉस डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन) 14.89 प्रतिशत बढ़कर 16.03 लाख करोड़ रुपए रहा, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 13.95 लाख करोड़ रुपए था।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, आयकर विभाग द्वारा जारी किए गए रिफंड में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। रिफंड का आंकड़ा एक साल पहले के 2.13 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 24.22 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2.65 लाख करोड़ रुपए हो गया। इस दौरान शुद्ध कॉरपोरेट कर संग्रह बढ़कर 5.99 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 4.97 लाख करोड़ रुपए था। वहीं, गैर-कॉरपोरेट करों से शुद्ध संग्रह, जिसमें व्यक्तियों और अन्य गैर-कॉरपोरेट इकाइयों द्वारा चुकाए गए कर शामिल हैं, 6.54 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 6.92 लाख करोड़ रुपए हो गया।

वहीं, सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) से प्राप्तियों में भी मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। शुद्ध एसटीटी संग्रह बढ़कर 46,840.43 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 30,901.81 करोड़ रुपए रहा था। हालांकि, अन्य करों की श्रेणी में शुद्ध संग्रह नकारात्मक रहा और यह घटकर माइनस 1.64 करोड़ रुपए पर पहुंच गया, जो एक वर्ष पहले इसी अवधि में 282.39 करोड़ रुपए था। वहीं, सकल आधार पर कॉरपोरेट कर संग्रह बढ़कर 7.53 लाख करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 6.44 लाख करोड़ रुपए था। इसी प्रकार, सकल गैर-कॉरपोरेट कर संग्रह 7.20 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 8.03 लाख करोड़ रुपए हो गया। बयान के मुताबिक, सकल एसटीटी संग्रह भी बढ़कर 46,840.43 करोड़ रुपए पहुंच गया, जो एक वर्ष पहले 30,901.81 करोड़ रुपए था।

अमेरिकी महंगाई आंकड़ों के बाद सोने-चांदी की कीमतों में दमदार वापसी, तीन दिन की गिरावट पर लगा ब्रेक

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। इस हफ्ते की शुरुआत में लगातार तीन दिनों तक दबाव झेलने के बाद गुरुवार को सोने और चांदी की कीमतों में जोरदार वापसी देखने को मिली। अमेरिकी खुदरा महंगाई (सीपीआई) के आंकड़े जारी होने के बाद वैश्विक और घरेलू दोनों बाजारों में कीमती धातुओं ने तेजी पकड़ी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना और चांदी मजबूत हुए, जिसका असर भारतीय वायदा बाजार पर भी दिखाई दिया। कारोबार के दौरान सोने-चांदी की कीमतों में 3,000 रुपए तक की तेजी दर्ज की गई।



अमेरिकी ब्यूरो ऑफ लेबर स्टैटिस्टिक्स द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, सितंबर में हेडलाइन सीपीआई मासिक आधार पर 0.6 प्रतिशत और कोर सीपीआई 0.3 प्रतिशत बढ़ी। महंगाई के आंकड़े सामने आने के बाद बुधवार शाम कमोडिटी बाजार में पहले तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिला, और चांदी में 11,000 रुपए से अधिक की गिरावट दर्ज की गई, वहीं सोना भी करीब 1.3 प्रतिशत टूट गया था। हालांकि अगले कारोबारी सत्र में निवेशकों की खरीदारी लौटने से बाजार ने मजबूत रिकवरी दिखाई।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दिसंबर डिलीवरी वाला सोना अपने पिछले बंद 1,45,848 रुपए से 1,634 रुपए यानी 1.12 प्रतिशत चढ़कर 1,47,482 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला। वहीं दिन के कारोबार में यह 1,802 रुपए यानी 1.23 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,47,650 रुपए प्रति किलोग्राम के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

इसी तरह, दिसंबर डिलीवरी वाली चांदी अपने पिछले बंद 2,08,338 रुपए से 690 रुपए यानी 0.33 प्रतिशत चढ़कर 2,09,028 रुपए प्रति किलोग्राम पर खुला। वहीं दिन के कारोबारी सत्र में यह 1,612 रुपए यानी 0.77 प्रतिशत उछलकर 2,09,950 रुपए प्रति किलोग्राम के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई।

घरेलू सर्राफा बाजार में भी दोनों कीमती धातुओं में सकारात्मक रुझान देखने को मिला। गौर करने वाली बात है कि इस सप्ताह की शुरुआत से सोना लगातार दबाव में था। पिछले सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन एमसीएक्स पर सोना 1,51,499 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इसके बाद लगातार तीन दिनों की गिरावट में यह फिसलकर करीब 1,45,848 रुपए प्रति 10 ग्राम तक आ गया था। यानी सिर्फ तीन कारोबारी सत्रों में सोना लगभग 5,651 प्रति 10 ग्राम सस्ता हो गया था। गुरुवार को आई तेजी ने इस गिरावट पर फिलहाल ब्रेक लगा दिया। विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिकी महंगाई डेटा और वैश्विक आर्थिक संकेतकों के बाद निवेशकों ने निचले स्तरों पर खरीदारी शुरू की, जिससे कीमतों को समर्थन मिला।

महिलाओं के नाम पर 3.69 करोड़ एमएसएमई पंजीकृत, श्रम बल भागीदारी दर 40 प्रतिशत तक पहुंची

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। देश में महिला उद्यमिता और रोजगार भागीदारी में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। गुरुवार को जारी एक आधिकारिक फैक्टशीट के अनुसार, लगभग 3.69 करोड़ पंजीकृत सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) महिलाओं के स्वामित्व में हैं, जो कुल पंजीकृत एमएसएमई का लगभग 38 प्रतिशत हिस्सा हैं।



सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की महिलाओं की श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) वर्ष 2017-18 के 23.3 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 40 प्रतिशत हो गई है।

देश के 1.07 लाख से अधिक मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स में कम से कम एक महिला निदेशक या साझेदार है। ऐसे स्टार्टअप्स कुल मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स का लगभग 48 प्रतिशत हिस्सा हैं। फैक्टशीट के अनुसार, 2025 में भारत में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की लगभग 20 करोड़ महिलाएं रोजगार में थीं। बयान में कहा गया है कि यह व्यापक बदलाव महिलाओं को सुरक्षित कार्यस्थल, सामाजिक सुरक्षा, उद्यमिता, औपचारिक अर्थव्यवस्था में भागीदारी और वित्तीय अवसरों तक अधिक पहुंच प्रदान करने वाली नीतियों के माध्यम से संभव हो रहा है। महिलाओं का वर्कर पॉपुलेशन रेशियो (डब्ल्यूपीआर) 2017-18 में 22 प्रतिशत था, जो बढ़कर 2025 में 38.8 प्रतिशत हो गया। 2025 में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की लगभग 20 करोड़ महिलाएं रोजगार में थीं। जुलाई 2026 तक मोबाइल फोन विनिर्माण क्षेत्र में प्रत्यक्ष कार्यबल का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा महिलाओं का है। वहीं, पिछले एक दशक में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र में सृजित कुल कार्यबल में महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग 30 प्रतिशत रही है। बयान में कहा गया है कि औपचारिक मान्यता, वित्तीय सहायता और बाजार तक पहुंच, महिला-नेतृत्व वाले उद्यमों को और मजबूत बनाने के प्रमुख क्षेत्र हैं।

स्वावलंबन योजना के तहत युवा महिलाओं को बिजनेस आइडिया से लेकर उद्यम की स्थापना तक उद्यमिता प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता, बाजार संबंधी मार्गदर्शन और कानूनी सहयोग प्रदान किया जाता है। चयनित प्रतिभागियों को टिकाऊ उद्यम विकसित करने के लिए 21 सप्ताह तक मेंटरशिप और हैंडहोल्डिंग सहायता भी दी जाती है। यशस्विनी अभियान ने उद्यमिता में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए काम किया है और 2029 तक उद्यम पंजीकरण पोर्टल तथा उद्यम असिस्ट प्लेटफॉर्म पर लैंगिक समानता हासिल करने का लक्ष्य रखा है।

वैश्विक झटकों के बीच भी मजबूत रही भारतीय अर्थव्यवस्था

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने गुरुवार को भारत की मजबूत आर्थिक बुनियाद और नीतिगत कदमों की सराहना करते हुए कहा कि देश वैश्विक ऊर्जा और वित्तीय झटकों का सफलतापूर्वक सामना करने में सक्षम रहा है तथा दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल बना हुआ है।



बैंकॉक में आयोजित एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान आईएमएफ के एशिया और प्रशांत विभाग के निदेशक कृष्णा श्रीनिवासन ने कहा कि हालिया ऊर्जा संकट के समय भारत मजबूत आर्थिक विकास और वित्तीय अनुशासन की स्थिति में था तथा उसने बाहरी चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना किया।

इसके साथ ही आईएमएफ ने अप्रैल-जून तिमाही में अपेक्षा से बेहतर आर्थिक प्रदर्शन के बाद भारत के विकास दर अनुमान को बढ़ा दिया है।

अब आईएमएफ का अनुमान है कि भारत की अर्थव्यवस्था चालू वर्ष और अगले वर्ष दोनों में 7 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी, जबकि मध्यम अवधि में विकास दर लगभग 6.9 प्रतिशत बनी रहेगी।

हालांकि, आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार अप्रैल-जून तिमाही में वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत दर्ज की गई थी।

आईएमएफ की ताजा 'वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक' रिपोर्ट के अनुसार, भारत प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के बीच अलग पहचान बनाए हुए है। इसके पीछे मजबूत घरेलू मांग, सेवा क्षेत्र की अच्छी गतिविधियां, अनुकूल जनसांख्यिकीय स्थिति, बड़ा और लगातार विस्तार करता घरेलू बाजार तथा जारी संरचनात्मक सुधार प्रमुख कारण हैं।

श्रीनिवासन ने यह भी कहा कि रुपए पर हाल में पड़ा दबाव आर्थिक कमजोरी का संकेत नहीं माना जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विनिमय दरें वैश्विक ब्याज दरों, निवेशकों की धारणा और कच्चे तेल की कीमतों जैसे कई कारकों से प्रभावित होती हैं।

उन्होंने आगे बताया कि एक बड़े तेल आयातक देश के रूप में भारत वैश्विक ऊर्जा झटकों से प्रभावित हुआ है, लेकिन किसी अर्थव्यवस्था की सफलता या असफलता का आकलन केवल मुद्रा की चाल से नहीं किया जा सकता। आईएमएफ ने भारत की संशोधित जीडीपी गणना पद्धति का भी समर्थन किया। श्रीनिवासन ने कहा कि किए गए बदलाव अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं और आईएमएफ की पूर्व सिफारिशों के अनुरूप हैं।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी को बेहतर बनाने के लिए सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) द्वारा किए गए प्रयास सराहना के पात्र हैं।

क्षेत्रीय आर्थिक परिदृश्य पर बात करते हुए श्रीनिवासन ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच एशिया की कई अर्थव्यवस्थाओं की विकास संभावनाएं कुछ कमजोर हुई हैं, लेकिन भारत ने उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन कर सकारात्मक आश्चर्य दिया है।

भारत का वस्तु व्यापार घाटा सितंबर में 30.21 अरब डॉलर रहा

विश्व केसरी■

मुंबई। भारत का वस्तु व्यापार घाटा सितंबर में मासिक आधार पर 3.35 अरब डॉलर बढ़कर 30.21 अरब डॉलर हो गया है, जो कि अगस्त में 26.86 अरब डॉलर था। इस दौरान निर्यात में दोहरे अंक में वृद्धि दर्ज की गई है। यह जानकारी सरकारी की ओर से गुरुवार को जारी डेटा में दी गई।

देश का वस्तु निर्यात सितंबर में सालाना आधार पर 23.04 प्रतिशत बढ़कर 44.4 अरब डॉलर हो गया है। यह अगस्त में 43.81 डॉलर था। वहीं, आयात सालाना आधार पर 8 प्रतिशत बढ़कर 74.61 अरब डॉलर हो गया है। बीते महीने यह 70.67 अरब डॉलर था।

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि भारत के निर्यात में वृद्धि का रुझान जारी है, जो बढ़ते व्यापार घाटे के बावजूद निर्यात में निरंतर गति का संकेत देता है।



उन्होंने आगे कहा कि वित्त वर्ष 27 की दूसरी तिमाही में निर्यात की वृद्धि पहली तिमाही के मुकाबले अधिक रही है।

इससे पहले देश के व्यापार घाटे में भी कमी देखने को मिली थी और यह अगस्त में 26.86 अरब डॉलर पर रहा था, जो कि एक साल पहले समान अवधि में 27.22 अरब डॉलर पर था। इस साल जुलाई में व्यापार घाटा 32 अरब डॉलर था।

अगस्त में वस्तु आयात सालाना आधार पर 26 प्रतिशत बढ़कर 72.67 अरब डॉलर पर रहा है, जो कि इस साल जुलाई में 76.22 अरब डॉलर था। मासिक आधार पर अगस्त में निर्यात में भी कमी दर्ज की गई है, जो कि जुलाई में 44.24 अरब डॉलर पर था।

आंकड़ों के मुताबिक, इस साल अगस्त में सोने का आयात गिरकर 2.3 अरब डॉलर रह गया, जो अगस्त 2025 के 5.4 अरब डॉलर के आंकड़े से आधे से भी कम था।

आरबीआई द्वारा बीते महीने जारी आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में भारत का चालू खाता घाटा (सीएडी) 4.2 अरब डॉलर रहा। पश्चिमी एशिया संकट के कारण ग्लोबल मार्केट में तेल, एलपीजी और फर्टिलाइजर की कीमतें बढ़ने के बावजूद यह जीडीपी का 0.5 प्रतिशत बना रहा।

भारत में यात्री वाहनों की थोक बिक्री सितंबर में सालाना आधार पर 21.8 प्रतिशत बढ़कर 4.54 लाख यूनिट्स रही: सियाम

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारत में घरेलू स्तर पर यात्री वाहनों की थोक बिक्री सितंबर में सालाना आधार पर 21.8 प्रतिशत बढ़कर 4,54,574 यूनिट्स हो गई है। यह जानकारी इंडस्ट्री बॉडी सियाम की ओर से गुरुवार को जारी आंकड़ों में दी गई।

पिछले साल सितंबर में यात्री वाहनों की थोक बिक्री 3,73,347 यूनिट्स थी।

सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) की ओर से बताया गया कि सितंबर में दोपहिया वाहनों की कुल बिक्री में 13.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 24.63 लाख यूनिट्स तक पहुंच गई, जबकि पिछले साल यह आंकड़ा 21.70 लाख यूनिट्स पर था।



सितंबर में डीलरों को भेजे गए तिपहिया वाहनों की संख्या 16 प्रतिशत बढ़कर 98,162 यूनिट्स हो गई है, जबकि पिछले साल की इसी अवधि में यह आंकड़ा 84,635 यूनिट्स था। इससे पहले जारी फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन्स (फाडा) के आंकड़ों से पता चला कि सितंबर में घरेलू इलेक्ट्रिक वाहन बाजार ने अब तक का सबसे ऊंची मासिक हासिल की है। इस दौरान कुल रिटेल बिक्री 3,33,634 यूनिट्स तक पहुंच गई, जो साल-दर-साल आधार पर 74 प्रतिशत की अधिक है।

सेगमेंट के हिसाब से देखें तो, इलेक्ट्रिक दोपहिया (ई2डब्ल्यू) की रिटेल बिक्री अब तक के सबसे ऊंचे स्तर 2,07,314 यूनिट्स पर पहुंच गई, जो पिछले साल की तुलना में 88.67 प्रतिशत और अगस्त की तुलना में 13.16 प्रतिशत अधिक है। बाजार में इलेक्ट्रिक दोपहिया की हिस्सेदारी बढ़कर 11.6 प्रतिशत हो गई है, जो कि एक साल पहले 8.2 प्रतिशत थी।

गरबा है फुल-बॉडी वर्कआउट! जानें डांस करने से मसल्स और स्टैमिना पर क्या पड़ता है असर



गरबा संस्कृति, मजा और फिटनेस का मेल है. इसकी रेगुलर प्रैक्टिस से मांसपेशियों की सहनशक्ति, दिल और फेफड़ों की कार्यक्षमता, स्टैमिना, संतुलन और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार हो सकता है. यहां डॉक्टर से जानें गरबा आपके सेहत को कैसे फायदा पहुंचाता है और गरबा करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए.

नवरात्रि का त्योहार गरबा डांस के बिना अधूरा है. वैसे तो गरबा गुजरात का फॉक डांस है, जो मां भगवती को प्रसन्न करने के लिए किया जाता है. लेकिन आज पूरी दुनिया में लोग इसे सीखते हैं और करते हैं. हेल्थ के नजरिए से भी ये डांस फॉर्म काफी अच्छा माना जाता है. हेल्थ एक्सपर्ट गरबा को एक असरदार फिजिकल एक्टिविटी मानते हैं. क्योंकि इसमें पूरे शरीर की कसरत होती है.

फरीदाबाद के सेक्टर 20 में स्थित यथार्थ सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में ऑर्थोपेडिक्स और जॉइंट रिप्लेसमेंट के सीनियर कंसल्टेंट डॉ. निखिल सचदेवा बताते हैं कि गरबा में शरीर के निचले हिस्से का ज्यादा इस्तेमाल होता है, जिसमें पैर,थाई , काव्स और हिप डांस में एक्टिव रूप से शामिल होते हैं. इसके अलावा, डांस करते समय छाती का भी इस्तेमाल होता है. अलग-अलग स्टेप्स और घूमने-फिरने के साथ-साथ संतुलन बनाए रखने के लिए शरीर की मांसपेशियों को लगातार काम करना पड़ता है. इससे पूरे शरीर की एक्सरसाइज हो जाती है.

स्टैमिना बढ़ता है

एक्सपर्ट बताते हैं कि गरबा के मुख्य फायदों में स्टैमिना और दिल की सेहत को बेहतर बनाने की क्षमता शामिल है. डांस करते समय लगातार हिलने-डुलने से दिल की धड़कन और ऊर्जा की खपत बढ़ती है. गरबा एक एरोबिक एक्सरसाइज के तौर पर काम करता है और दिल की सहनशक्ति को बेहतर बना सकता है. हालांकि, ये फायदे डांस की तीव्रता और अवधि, साथ ही व्यक्ति की शुरुआती शारीरिक फिटनेस पर निर्भर करते हैं.

कैलोरी बर्न होता है

गरबा कैलोरी बर्न करने और वेट कंट्रोल करने में भी मदद करता है. जो लोग पारंपरिक उत्सवों का आनंद लेते हुए हेल्दी वेट पाना चाहते हैं, उनके लिए गरबा काफी मददगार है. गरबा डांस करते समय कितनी कैलोरी बर्न होती है, यह व्यक्ति के वजन, डांस की तीव्रता, डांस की अवधि और उनके फिटनेस लेवल पर निर्भर करता है. लेकिन इसके साथ सही खान-पान, पानी और नींद की सही मात्रा पर ध्यान देना जरूरी है.

तनाव कम होता है

शारीरिक फायदों के अलावा, गरबा स्वास्थ्य के मानसिक पहलुओं जैसे संतुलन और तालमेल को भी बेहतर बना सकता है. इसमें करने वाले को संगीत सुनना होता है, डांस के स्टेप्स सीखने होते हैं और दूसरे डांसर्स के साथ मिलकर उन्हें करना होता है. संगीत का इस्तेमाल मूड को अच्छा बनाता है और तनाव कम करता है.

इस बात का ध्यान रखना जरूरी

हालांकि गरबा एक्सरसाइजा का एक मज़ेदार तरीका है, लेकिन बिना तैयारी के ज्यादा देर तक डांस करने से मांसपेशियों में दर्द, थकान और चोट लग सकती है, खासकर घुटनों, कूल्हों और पीठ के निचले हिस्से में. डांस से पहले थोड़ा वार्म-अप करने से आपकी मांसपेशियां और जोड़ एक्टिविटी के लिए तैयार हो जाते हैं. ढीले कपड़े और आरामदायक जते पहनें जो ठीक से फिट हों और अच्छा सपोर्ट दें ताकि फिसलने का खतरा कम हो। समय-समय पर पानी पीते रहें, आराम करें और थकान होने पर डांस न करें. जिन लोगों को घुटने, टखने या पीठ की समस्या है, उन्हें अपनी सुविधा के अनुसार अपने मूवमेंट करने चाहिए और अचानक होने वाले मूवमेंट और कूदने-फांदने से बचना चाहिए जिनसे दर्द हो सकता है।

16 किमी. का नया वनपथ तैयार, अरावली की वादियों का लुत्फ उठाएंगे पर्यटक



राजस्थान में रणकपुर से कुंभलगढ़ तक पर्यटन का सफर अब और रोमांचक होने जा रहा है. कुंभलगढ़ वन्यजीव अभयारण्य की सादड़ी रेंज में 16 किलोमीटर लंबा नया वनपथ तैयार किया गया है. इसके जरिए पर्यटक रणकपुर जैन मंदिर से कुंभलगढ़ दुर्ग तक पहुंच सकेंगे.

पर्यटकों और एडवेंचर के शौकीनों के लिए एक बेहद शानदार और रोमांचक खबर सामने आई है. कुंभलगढ़ वन्यजीव अभयारण्य की सादड़ी रेंज में एक नया 16 किलोमीटर लंबा वनपथ शुरू होने जा रहा है. अब पर्यटक रणकपुर जैन मंदिर से सीधे अरावली की पर्वतमालाओं और सघन जंगलों के बीच से होते हुए कुंभलगढ़ दुर्ग तक पहुँच सकेंगे. मांडीगढ़ और बेड़ाथाक से होकर गुजरने वाला यह नया सफ़ारी मार्ग प्राकृतिक सौंदर्य, ऊंचे पर्वतों और वन्यजीवों के दीदार से भरपूर होगा. कुंभलगढ़ वन्यजीव अभयारण्य की सादड़ी रेंज में नया वनपथ शुरू हुआ है.

पर्यटक रणकपुर जैन मंदिर से सीधे कुंभलगढ़ दुर्ग तक पहुंचेंगे. मांडीगढ़-बेडाथाक होते हुए यह 16 किलोमीटर का जंगल सफर प्राकृतिक सौंदर्य और वन्यजीवों से भरपूर होगा.

पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

सादड़ी रेंज में 6 किलोमीटर और कुंभलगढ़ रेंज में 10 किलोमीटर का पर्वतीय रास्ता शामिल है. वनपथ को सुचारू करने की तैयारियां अंतिम चरण में हैं. उपवन संरक्षक डॉ. रामानंद भाकर, सहायक वन संरक्षक प्रमोद सिंह नरुका और क्षेत्रीय वन अधिकारी अरविंद सिंह झाला ने इसका वेरिफिकेशन किया है. इस नए वनपथ से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और वनकर्मियों की गश्त मजबूत होगी. सादड़ी रेंज में मुच्छाला महावीर-नलवानिया-रणकपुर, तीर्थंकर नेचर ट्रेल और मोडिया-सेवटा बेरा-रूपन माता-बीजापुर संचालित हैं. वन्यजीवों के संरक्षण के लिए यह सहायक के रूप में काम करेगा.

प्रमुख बिंदु और मार्ग की खासियतें

16 किलोमीटर का जंगल सफर: इस नए मार्ग में 6 किलोमीटर का हिस्सा सादड़ी रेंज और 10 किलोमीटर का पर्वतीय रास्ता कुंभलगढ़ रेंज में आता है.

अंतिम चरण में तैयारियाँ: उपवन संरक्षक डॉ. रामानंद भाकर, सहायक वन संरक्षक प्रमोद सिंह नरुका और क्षेत्रीय वन अधिकारी अरविंद सिंह झाला ने मौके पर पहुँचकर रूट का वेरिफिकेशन पूरा कर लिया है.

सफ़ारी का मुख्य आकर्षण: पर्यटक अरावली की हरी-भरी वादियों के बीच मांडीगढ़ और बेड़ाथाक से होकर गुजरेंगे, जहाँ वन्यजीवों को उनके प्राकृतिक आवास में देखने का अनूठा अनुभव मिलेगा.

पर्यटन और वन्यजीव संरक्षण को मिलेगी मजबूती

नया रास्ता चालू होने से वनकर्मियों की गश्त और निगरानी अधिक प्रभावी होगी।

कच्चा या पका केला? जानिए दोनों में क्या है अंतर, और कौन-सा है ज्यादा फायदेमंद?



कच्चे और पके केले में स्वाद, पोषण और स्वास्थ्य लाभ के मामले में काफी अंतर होता है. कच्चा केला फाइबर और रेजिस्टेंट स्टार्च से भरपूर होता है, जबकि पका केला तुरंत ऊर्जा देता है. अपनी जरूरत के अनुसार इनका सही चुनाव कर सकते हैं.

केला एक ऐसा फल है जिसे लगभग हर मौसम में आसानी से खाया जा सकता है. हालांकि, कच्चा और पका केला दिखने में भले ही एक ही फल के रूप लगें, लेकिन इनके स्वाद, पोषण और उपयोग में काफी अंतर होता है. दोनों ही स्वास्थ्य के लिए लाभकारी हैं, लेकिन इनके गुण और शरीर पर प्रभाव अलग-अलग होते हैं. आइए जानते हैं कच्चे और पके केले के बीच मुख्य अंतर.

रंग और स्वाद में अंतर

कच्चे केले का रंग हरा होता है और इसका स्वाद हल्का कसैला या फीका होता है. वहीं, पका केला पीले रंग का होता है और स्वाद में मीठा तथा मुलायम होता है. पकने की प्रक्रिया के दौरान केले में मौजूद स्टार्च प्राकृतिक शर्करा में बदल जाता है, जिससे इसका स्वाद मीठा हो जाता है.

पोषण में अंतर

कच्चे केले में रेजिस्टेंट स्टार्च और फाइबर की मात्रा अधिक होती है. यह पाचन को धीमा करता है और लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस कराता है. दूसरी ओर, पके केले में प्राकृतिक शर्करा अधिक होती है, जो शरीर को तुरंत ऊर्जा प्रदान करती है.

कच्चा केला पाचन तंत्र को मजबूत बनाने में मदद कर सकता है और आंतों के स्वास्थ्य के लिए अच्छा माना जाता है।

न ओवन चाहिए, न मैदा! गेहूं के आटे से तवे पर बनाएं चीजी पिज्जा बॉम्ब, हर बाइट में मिलेगा पिज्जा जैसा स्वाद



गेहूं के आटे से बने चीजी पिज्जा बॉम्ब बिना ओवन और मैदा के तवे पर तैयार किए जा सकते हैं. पनीर, मोज़ेरेला चीज़, शिमला मिर्च और मसालों की स्टफिंग इसे स्वादिष्ट बनाती है. धीमी से मध्यम आंच पर सेंककर इसे बटर, धनिया और सॉस के साथ परोसें.

शाम को चाय के साथ कुछ ऐसा खाने का मन हो जो पिज्जा जैसा स्वाद दे, लेकिन बनाने के लिए न ओवन चाहिए और न ही बाजार से मैदा लाना पड़े, तो यह रेसिपी काम आ सकती है. घर में मौजूद गेहूं के आटे से तैयार होने वाले चीजी पिज्जा बॉम्ब बाहर से सिके हुए और अंदर से चीज़ी होते हैं. खास बात यह है कि इन्हें तवे पर बनाया जा सकता है.

पनीर, मोज़ेरेला चीज़, शिमला मिर्च और मसालों की स्टफिंग हर बाइट को स्वादिष्ट बनाती है. बच्चों के लिए शाम के स्नैक से लेकर अचानक आए मेहमानों के सामने परोसने तक यह एक आसान विकल्प हो सकता है. इसे बनाने का तरीका भी काफी सीधा है.

बिना ओवन ऐसे तैयार करें चीजी पिज्जा बॉम्ब

इस स्नैक को बनाने के लिए सबसे पहले गेहूं के आटे से सॉफ्ट डो तैयार किया जाता है. इसके बाद इसमें पनीर और चीज़ वाली स्टफिंग भरी जाती है. तैयार बॉल्स को तवे पर अच्छी तरह सेंककर ऊपर से बटर और धनिया लगाया जाता है. इस तरह घर पर ही पिज्जा जैसा स्वाद वाला स्नैक तैयार हो जाता है.

सॉफ्ट डो तैयार करने का तरीका

एक बड़े बाउल में गेहूं का आटा लें. इसमें आधा छोटा चम्मच नमक, एक छोटा चम्मच बेकिंग पाउडर और दही डालें. अब थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए नरम आटा गूंध लें. आटा न बहुत सख्त हो और न ज्यादा चिपचिपा. इसे ढककर करीब 10 मिनट के लिए रख दें, ताकि आटा अच्छी तरह सेट हो जाए.

चीज़ी स्टफिंग में आएगा पिज्जा वाला स्वाद

अब एक दूसरे बाउल में कद्दूकस किया हुआ पनीर और मोज़ेरेला चीज़ लें. इसमें बारीक कटा प्याज, शिमला मिर्च और हरा धनिया डालें. स्वाद के अनुसार नमक, लाल मिर्च पाउडर और कुटी काली मिर्च मिलाएं. सभी सामग्री को अच्छी तरह मिला लें. अगर बच्चों के लिए बना रहे हैं तो मसालों की मात्रा अपने स्वाद के अनुसार कम रख सकते हैं. इसी तरह स्टफिंग में अपनी पसंद की सब्जियां भी थोड़ी मात्रा में शामिल की जा सकती हैं.

लोई में स्टफिंग भरने का सही तरीका

तैयार आटे की मध्यम आकार की लोइयां बना लें. एक लोई को बेलन से थोड़ा मोटा और गोल बेलें. इसके बीच में करीब 2 से 3 चम्मच पनीर-चीज़ की स्टफिंग रखें. अब किनारों को ऊपर की तरफ लाकर अच्छी तरह बंद करें. इसे मोमोज की तरह सील किया जा सकता है।

होटल, कैफे और मॉल से अलग अब लोग 'सुबह 5 बजे वाले शहर' देखने निकल रहे हैं



शहर को देखने का सबसे आम तरीका शायद वही है, जब बाजार खुल चुके हों, कैफे में रौनक हो और सड़कों पर लोगों की आवाजाही शुरू हो जाए, लेकिन अब ट्रैवल का एक अलग अनुभव लोगों का ध्यान खींच रहा है सुबह बहुत जल्दी निकलकर शहर को उसके शांत समय में देखना. सूर्योदय से पहले की खाली सड़कें, खुलते बाजार, मंदिरों या पुराने इलाकों की सुबह की हलचल और बिना भीड़ के मशहूर जगहों को देखना इस तरह की यात्रा का हिस्सा बन रहा है.

इसे अर्ली-मॉर्निंग ट्रैवल या '5 AM city' अनुभव कहा जा रहा है. इसकी खासियत सिर्फ जल्दी उठना नहीं, बल्कि किसी शहर की रोजमर्रा की जिंदगी को उस समय देखना है, जब ज्यादातर पर्यटक अभी अपने होटल के कमरे में होते हैं.

आखिर सुबह का शहर इतना अलग क्यों लगता है?

सुबह 5 बजे किसी शहर की तस्वीर दिन के बाकी हिस्से से काफी अलग हो सकती है. सड़कों पर ट्रैफिक कम होता है, शोर घट जाता है और स्थानीय जिंदगी धीरे-धीरे शुरू होती दिखाई देती है. कहीं दूध वाले निकल रहे होते हैं, कहीं अखबार पहुंच रहा होता है तो किसी इलाके में दुकान खोलने की तैयारी शुरू हो चुकी होती है. यही छोटी-छोटी चीजें अर्ली-मॉर्निंग ट्रैवल को सामान्य sightseeing से अलग बनाती हैं. पर्यटक सिर्फ किसी monument या tourist spot को देखने के बजाय उस जगह की रोजमर्रा की लय को करीब से महसूस कर सकता है।

भारत की सिलिकॉन वैली में डेटिंग का ऐसा हाल! लड़की की वायरल पोस्ट पर छिड़ी बहस

बैंगलोर को भारत की सिलिकॉन वैली भी कहा जाता है. ये देश का IT हब है. यहां रोज हजारों जॉब्स निकलती हैं. डिजर्विंग कैंडिडेट के लिए यहां करियर बनाना कोई मुश्किल काम नहीं है. लेकिन यदि आप फाइनेंशियली के साथ इमोशनली भी सैटल होना चाहते है तो ये थोड़ा परेशान करने वाला हो सकता है. क्योंकि यहां का डेटिंग कल्चर बहुत ओपन है.

आज हो या पहले का दौर सच्चा प्यार मिलना हमेशा मुश्किल रहा है. लेकिन फर्क ये है कि पहले समाज की बेड़ियां और किस्मत दो प्रेमियों के बीच दीवार खड़ी करती थी. अब ये काम मॉर्डन और ट्रेंडिंग डेटिंग कल्चर कर रहा है. खासकर बड़े शहरों में जहां करियर, तेज रफ्तार जिंदगी और सोशल मीडिया लोगों की दिनचर्या का अहम हिस्सा बन चुके हैं, वहां प्यार और इमोशन की जगह अट्रेक्शन और लस्ट ने ले ली है.



इसी बीच बैंगलोर की डेटिंग कल्चर पर एक लड़की की इंस्टाग्राम पोस्ट वायरल हो रही है. उसने लिखा कि यहां एक ही कमरे में लोग अपने पार्टनर के साथ होते हैं और इसके साथ ही उनके कई एक्स, सिचुएशनशिप, हुकअप और टेक्स्टशिप भी चलते रहते हैं. इस पोस्ट ने मॉडर्न रिलेशनशिप को लेकर नई बहस छेड़ दी है. कुछ लोग इसे आज की डेटिंग की सच्चाई मान रहे हैं, तो कुछ का कहना है कि किसी एक अनुभव के आधार पर पूरे शहर को गलत ठहराना ठीक नहीं है. ऐसे में सवाल सिर्फ बैंगलोर की डेटिंग कल्चर का नहीं, बल्कि रिश्तों में भरोसे, कमिटमेंट और मानसिक सुकून का भी है.

बैंगलोर में सच्चा प्यार मिलना मुश्किल है?

वायरल पोस्ट पर कई लोगों ने अपनी अलग-अलग राय रखी है. एक यूजर ने सवाल उठाया कि कोई कैसे कह सकता है कि शहर में हर व्यक्ति की जिंदगी ऐसी ही है? क्या उसे बैंगलोर की पूरी आबादी के बारे में पता है? दूसरे यूजर ने लिखा कि वह भी इसी शहर में रहता है, लेकिन उसने अपने आसपास ऐसी डेटिंग कल्चर नहीं देखी.

एक अन्य यूजर ने बताया कि वह बैंगलोर काम करने और पैसे कमाने आया है. उसके मुताबिक, उसके होमटाउन में भी लोगों की धारणा है कि बैंगलोर पहुंचते ही हर कोई कई रिश्तों, पार्टी और हुकअप की दुनिया में शामिल हो जाता है. हालांकि, शहर में ऐसे लोग भी हैं जो सिर्फ काम और बेहतर भविष्य के लिए यहां आए हैं.

सिचुएशनशिप और घोस्टिंग रिश्तों को बना रहे हैं उलझाऊ?

मॉडर्न डेटिंग में सिचुएशनशिप, घोस्टिंग और मिक्स्ड सिग्नल्स जैसे शब्द आम हो गए हैं. सिचुएशनशिप में दो लोगों के बीच नजदीकियां तो होती हैं, लेकिन रिश्ते की स्थिति स्पष्ट नहीं होती.वहीं, घोस्टिंग में कोई व्यक्ति बिना बताए बातचीत बंद कर देता है. ऐसे अनुभव कई बार दूसरे व्यक्ति को उलझन और भावनात्मक परेशानी में डाल सकते हैं. जब किसी रिश्ते में यह स्पष्ट न हो कि दोनों लोग एक-दूसरे से क्या चाहते हैं, तो उम्मीदें और वास्तविकता अलग-अलग हो सकती हैं. बार-बार ऐसा होने पर निराशा, अकेलापन और आत्मविश्वास में कमी महसूस हो सकती है.

मेंटल हेल्थ पर क्या पड़ सकता है असर?

रिश्तों में अनिश्चितता, लगातार जवाब का इंतजार और बार-बार अस्वीकार किए जाने का डर तनाव बढ़ा सकता है. हालांकि, हर कैजुअल रिश्ता या कई लोगों को डेट करना अपने आप में मानसिक स्वास्थ्य के लिए खतरा नहीं है।



20 साल बाद 'इंडियन आइडल' के मंच पर अभिजीत सावंत की वापसी

बोले—घर लौटने जैसा एहसास; 17 अक्टूबर को सोनी टीवी पर होगा प्रीमियर



मुंबई । सिंगर और अभिनेता अभिजीत सावंत एक बार फिर 'इंडियन आइडल' के मंच पर नजर आने को तैयार हैं। लगभग 20 साल के लंबे अंतराल के बाद उनकी इस लोकप्रिय म्यूज़िक रियलिटी शो में वापसी हो रही है। अभिजीत, जिन्हें उनकी दमदार आवाज और अनवेखी स्टाइल के लिए देशभर में पहचान मिली, ने इस वापसी को अपने लिए बेहद खास बताया है।

अभिजीत सावंत ने आईएएनएस से खास बातचीत में कहा, "इंडियन आइडल के मंच पर लौटना मेरे लिए किसी घर वापस आने जैसा है। यहां का माहौले, दर्शकों का प्यार और संगीत की ऊर्जा आज भी वैसी ही है, जैसी पहले थी। मैं इस मंच पर फिर से आकर बेहद उत्साहित हूं और पूरी ऊर्जा के साथ तैयार हूं।"

उन्होंने बताया कि इस बार दर्शकों को पहले से कहीं ज्यादा खास और दमदार परफोर्मेंस देखने को मिलेगा। उनका मानना है कि 'इंडियन आइडल' हमेशा से टैलेंट के लिए एक बड़ा मंच रहा है और यह नए कलाकारों के सपनों को उड़ान देता है।

> "इंडियन आइडल के मंच पर लौटना मेरे लिए किसी घर वापस आने जैसा है। यहां का माहौल, दर्शकों का प्यार और संगीत की ऊर्जा आज भी वैसी ही है, जैसी पहले थी।"
> — अभिजीत सावंत

क्या है खास

- अभिजीत सावंत की 20 साल बाद 'इंडियन आइडल' में वापसी
- उनकी मौजूदगी से शो में बढ़ेगा खासा उत्साह
- 17 अक्टूबर से सोनी टीवी पर होगा प्रीमियर
- दर्शकों को मिलेंगी यादगार परफोर्मेंस और खास सरप्राइज़

एक नजर में

अपनी सुरीली आवाज और मजबूत व्यक्तित्व के लिए पहचाने जाने वाले अभिजीत सावंत अब एक बार फिर तैयार हैं, इस बार एक नए रंग में, नए अंदाज के सा।

फिल्म 'तुम मेरे हो' से पहले बाबा महाकाल की शरण में पहुंचे गुरमीत चौधरी, सफलता के लिए मांगा आशीर्वाद

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेता गुरमीत चौधरी आगामी फिल्म 'तुम मेरे हो' की सफलता के लिए बाबा महाकाल का आशीर्वाद लेने पहुंचे। गुरुवार को अभिनेता ने सोशल मीडिया पर भस्म आरती के अपने दिव्य अनुभव को शेयर किया और बताया कि यह उनके लिए शब्दों से परे एक आशीर्वाद जैसा था।

अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिनमें वह मंदिर के बाहर पत्नी देबीना बनर्जी के साथ नजर आ रहे हैं। अभिनेता ने उज्जैन के महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग का अनुभव शेयर करते हुए लिखा, 'काफी लंबे समय से हम जिस चीज का अनुभव करना चाहते थे, आखिरकार वो सपना पूरा हुआ। उज्जैन के महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग में दिव्य भस्म आरती देखना सच में कुछ अलग ही अनुभव था। बहुत शक्तिशाली, गहरा आध्यात्मिक। शब्दों से परे एक आशीर्वाद। हर हर महादेव।'



दरअसल, अभिनेता इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'तुम मेरे हो' के प्रमोशन के सिलसिले में अभिनेत्री ईशा मालवीय और फिल्म की टीम के साथ मध्य प्रदेश गए थे। अभिनेता ने सोशल मीडिया के जरिए इस बात की जानकारी भी दी थी कि वे अपनी फिल्म के प्रमोशन की शुरुआत इंदौर से कर रहे हैं।

फिल्म 'तुम मेरे हो' में गुरमीत चौधरी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे और उनके साथ 'बिग बॉस 17' फेम ईशा मालवीय इस फिल्म से अपना बॉलीवुड डेब्यू (पहला कदम) कर रही हैं। यह एक म्यूजिकल लव स्टोरी है, जिसमें प्यार के साथ-साथ जिंदगी के उतार-चढ़ाव, धोखे और एक्शन के कई रंग देखने को मिलेंगे। फिल्म की कहानी को और प्रभावी बनाने के लिए इसके संगीत पर भी खास ध्यान दिया गया है। एल्बम में मिथुन, विशाल मिश्रा, संजू राठौड़, असीस कौर, मधुर शर्मा, रश्मि विराग मिश्रा, अजीम शिराजी, गीत सागर, मोहम्मद फैज, जावेद अली, अर्जुना हरजाई, विवेक वर्मा, कृष और उद्दीपन शर्मा समेत कई कलाकारों ने योगदान दिया है। आरती एस और देबीना बनर्जी निर्मित इस फिल्म के सह-निर्माता रोमांच मेहता और अमन रियास्ती हैं। आशीष पांडा के निर्देशन में बनी 'तुम मेरे हो' 23 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

काउबॉय हैट में पिता-बेटे की जोड़ी ने जीता दिल, सलमान बोले-पिता हैं असली हीरो



विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेता सलमान खान अपने पिता और मशहूर लेखक सलीम खान के साथ काफी अच्छा रिश्ता है। गुरुवार को अभिनेता ने सोशल मीडिया पर पिता सलीम खान की सेहत को लेकर अपडेट दिया।

अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर पिता पिता सलीम खान के साथ काउबॉय हैट वाली तस्वीरें शेयर कीं। सलमान ने बताया कि उनके पिता अब बिल्कुल ठीक हैं और 91 साल की उम्र में भी एकदम फिट हैं। अभिनेता ने लिखा, 'हाउडी पार्टनर, 91 साल की उम्र में भी शान से जी रहे हैं, पिता तो पिता होते हैं। यही हैं असली हीरो, हम सबके बाप में बहुत दम है, वंदे मातरम। हर दिन एक नया दिन नहीं होता बल्कि जिंदगी का एक दिन कम होता है, समझे आप लोग? भगवान बड़ा मेहरबान है।

सलमान खान द्वारा पिता के साथ पोस्ट की गई तस्वीरों को फैंस और इंडस्ट्री के लोगों की तरफ से जमकर प्रतिक्रिया मिल रही है। डब्बू मलिक, शिल्पा शिरोडकर समेत कई सेलेब्स अभिनेता की पोस्ट को लाइक और कमेंट कर रहे हैं।

दरअसल, इस साल की शुरुआत में सलीम खान की तबीयत बिगड़ने की वजह से पूरा परिवार काफी परेशान हो गया था। फरवरी 2026 में अचानक ब्लड प्रेशर बढ़ने और मामूली ब्रेन हैमरेज के कारण उन्हें मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान उन्हें कुछ समय के लिए आईसीयू और वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया था। बाद में उनकी हालत में सुधार हुआ और वे अस्पताल से डिस्चार्ज होकर अपने घर पर आराम कर रहे हैं।

सलमान के छोटे भाई सोहेल खान ने रियलिटी शो में बताया था कि वह वक्त उनके लिए कितना मुश्किल था। उन्होंने बताया था कि अस्पताल में उनके पिता सेमी-कोमा में चले गए थे और वह लगातार उनके पास ही थे। जब डॉक्टरों ने कहा कि हम उन्हें खो भी सकते हैं, तो यह सुनकर उनका दिल बैठ गया था।

सलीम खान और सलमान का रिश्ता सिर्फ पिता-बेटे तक सीमित नहीं है बल्कि दोनों में गहरी दोस्ती भी है। सलीम साहब ने बच्चों को ऐसा माहौल दिया कि वे उनसे डरने के बजाय अपनी बात खुलकर रख सकें।

अवतार गिल ने दिवंगत अभिनेता भरत कपूर को जयंती पर किया याद, शेयर किया इमोशनल पोस्ट



विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेता अवतार गिल ने अपने प्रिय मित्र और दिवंगत अभिनेता भरत कपूर को उनकी जयंती पर याद किया। अभिनेता ने अपने सोशल मीडिया के जरिए भरत कपूर को याद करते हुए उन्हें बेहतरीन कलाकार, शानदार इंसान और केयरिंग दोस्त बताया।

अभिनेता अवतार गिल ने काम में माहिर कलाकार थे। उन्होंने इंस्टाग्राम पर भरत कपूर के साथ तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उन्होंने एक्टिंग में उनके योगदान और अपने रिश्तों की गर्मजोशी को याद किया। उन्होंने लिखा, 'अपने प्यारे दोस्त भरत कपूर को उनके जन्मदिन पर याद कर रहा हूं। भरत एक बेहतरीन एक्टर और अपने व्यक्तित्व और स्वभाव की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने बताया कि भरत कपूर ऐसे इंसान थे, जो हमेशा अपने चाहने वालों के साथ खड़े रहते थे और बिना किसी उम्मीद के उनकी मदद किया करते थे। अवतार गिल ने लिखा, 'प्यार लुटाने में दिलदार और अपने चाहने वालों के लिए हमेशा मौजूद रहने वाले भरत में एक खास बात थी, जिससे वह अपने आसपास के हर इंसान को खास महसूस कराते थे। वो ऐसे दोस्त थे जो हमेशा आपके साथ खड़े रहते थे, आपकी परवाह करते थे और बिना कुछ उम्मीद किए अपना सब कुछ दे देते थे।'

अभिनेता ने बताया कि वे खुद को खुशकिस्मत मानते हैं कि दिवंगत एक्टर के साथ उनकी इतनी गहरी दोस्ती रही। उन्होंने लिखा, 'मैं खुद को खुशकिस्मत मानता हूं कि उनके साथ मेरी इतनी शानदार दोस्ती रही। उनकी कमी आज भी बहुत खलती है लेकिन उनके साथ बिताई गई यादें, हंसी और प्यार हमेशा मेरे दिल में रहेगी।'

भरत कपूर टेलीविजन और भारतीय सिनेमा में सक्रिय रहे। उन्हें 'नूरी', 'बाजार', 'गुलामी' और 'खुदा गवाह' जैसी फिल्मों के साथ-साथ 'अमानत' और 'सांस' जैसे टेलीविजन शो में उनके रोल के लिए जाना जाता है। 27 अप्रैल 2026 को मुंबई में 80 साल की उम्र में अभिनेता का निधन हो गया था।

जब लच्छू महाराज ने ठुकराया पद्मश्री, बोले- 'दर्शकों का प्यार ही सबसे बड़ा सम्मान'

विश्व केसरी

मुंबई। तबले की थाप पर लोगों को झूमने पर मजबूर कर देने वाले पंडित लच्छू महाराज ने अपनी जिंदगी में नाम और शोहरत तो खूब कमाई, लेकिन उनके लिए सबसे जरूरी चीज दर्शकों का प्यार था। वह उन कलाकारों में शामिल थे, जो अपनी कला को किसी पुरस्कार या सम्मान से बड़ा मानते थे। यही वजह थी कि जब सरकार ने उन्हें पद्मश्री देने का फैसला किया, तो उन्होंने इसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया।

उनका मानना था कि किसी कलाकार के लिए दर्शकों की तालियां ही सबसे बड़ा पुरस्कार हैं।

लच्छू महाराज का असली नाम लक्ष्मी नारायण सिंह था। उनका जन्म 16 अक्टूबर 1944 को उत्तर प्रदेश के बनारस में हुआ था। उनके पिता वासुदेव महाराज भी संगीत से जुड़े थे। ऐसे में लच्छू महाराज को बचपन से ही संगीत का माहौल मिला।

उन्होंने अपने पिता से तबला बजाना सीखा और बहुत छोटी उम्र में ही मंच पर अपनी कला दिखाने लगे। धीरे-धीरे उनकी उंगलियों की तेजी, ताल पर पकड़ और अलग अंदाज ने लोगों का ध्यान खींचना शुरू कर दिया। उनके कार्यक्रमों में बैठे लोग उनकी कला में खो जाते थे। लच्छू महाराज ने शास्त्रीय संगीत के साथ हिंदी फिल्मों में भी काम किया। वह 'महल', 'मुगल-ए-आजम', 'छोटी छोटी बातें' और 'पाकीजा' जैसी फिल्मों से जुड़े रहे। फिल्मों में उन्होंने कोरियोग्राफी के जरिए भी अपनी प्रतिभा दिखाई। 'मुगल-ए-आजम' और 'पाकीजा' जैसी फिल्मों में शास्त्रीय नृत्य की खूबसूरती दिखाने में उनका योगदान रहा। उस दौर में फिल्मों के गानों में कथक और दूसरे शास्त्रीय नृत्य को जगह देना आसान काम नहीं था, लेकिन लच्छू महाराज इस कला को पर्दे पर पेश करने में माहिर थे।

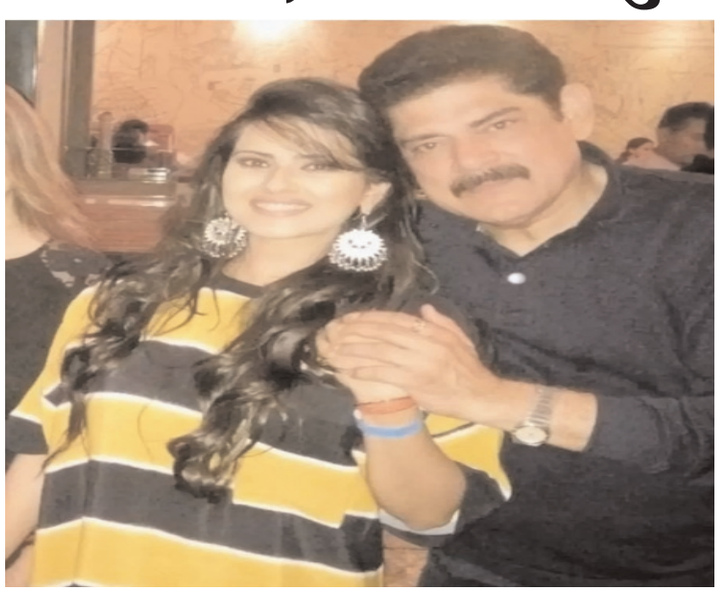
ससुर पंकज धीर को पहली पुण्यतिथि पर कृतिका सेंगर ने किया याद, शेयर की पुरानी तस्वीर

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेत्री कृतिका सेंगर धीर ने गुरुवार को अपने ससुर और दिवंगत अभिनेता पंकज धीर की पुण्यतिथि पर उन्हें याद किया। अभिनेत्री का कहना है कि पंकज धीर उनकी यादों में हमेशा रहेंगे।

कृतिका सेंगर धीर ने इंस्टाग्राम पर पंकज धीर के साथ अपनी एक तस्वीर शेयर की। इस पुरानी तस्वीर में दोनों कैमरे की ओर देखकर मुस्कुरा रहे हैं। तस्वीर शेयर करते हुए अभिनेत्री ने लिखा, 'आज, कल और हमेशा। आपको हम बहुत प्यार करते हैं, पापा।'

टेलीविजन के महाकाव्य 'महाभारत' में कर्ण की भूमिका के लिए मशहूर पंकज धीर का निधन कैंसर की वजह से हुआ था। अभिनेता ने इससे पहले एक बार कैंसर को हराकर जीवन जीना शुरू किया था, लेकिन दूसरी बार बीमारी ने उन्हें उबरने का मौका नहीं दिया। वे काफी समय से कैंसर की वजह से ही अस्पताल में भर्ती थे और 15 अक्टूबर, 2025 को उन्होंने आखिरी सांस ली।



अभिनेता ने अपने करियर की शुरुआत 1983 में फिल्म 'सूखा' से की थी, लेकिन उन्हें असल पहचान बी.आर. चोपड़ा के ऐतिहासिक धारावाहिक 'महाभारत' (1988) में कर्ण की भूमिका से मिली थी। महाभारत' के अलावा उन्होंने चंद्रकांता (शिव दत्त की भूमिका), द ग्रेट मराठा, युग (अली खान की भूमिका), कानून (वकील की भूमिका), दस्तक, और बढ़ो बहू जैसे लोकप्रिय टीवी धारावाहिकों में काम किया था।

बता दें कि कृतिका की शादी पंकज के बेटे, अभिनेता निकितिन धीर से हुई है, जो शाहरुख खान की फिल्म 'चेन्नई एक्सप्रेस' में विलेन थंगाबली के रोल के लिए मशहूर हैं। बहुत कम लोग जानते हैं कि इस जोड़ी को मिलाने में पंकज धीर ने ही अहम भूमिका निभाई थी।

साल 2014 में जब कृतिका एक फिल्म के ऑडिशन के लिए गई थीं, जिस पर पंकज काम कर रहे थे, तो दिग्गज अभिनेता उनसे काफी प्रभावित हुए और उन्हें लगा कि वह उनके बेटे के लिए एक अच्छी जीवनसाथी बन सकती हैं। बताया जाता है कि उन्होंने कृतिका को फिल्म में एक रोल ऑफर किया था और साथ ही अपनी इच्छा जाहिर की थी कि वह उनकी बहू बनें।

भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने रूसी डीजल समझौते की आलोचना की

विश्व केसरी■

वॉशिंगटन। भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने रूस से डीजल खरीदने को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की योजना पर फिर से हमला बोला है। दूसरी तरफ, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के विशेष दूत किरिल दिमित्रिएव ने इस समझौते का बचाव किया है।

यह विवाद ऐसे समय सामने आया है, जब रूस पर प्रतिबंधों से जुड़े एक अहम अमेरिकी कानून की समयसीमा नजदीक आ रही है, जिससे भारत और चीन जैसे रूसी तेल के बड़े खरीदारों पर भारी शुल्क लग सकता है।

कृष्णमूर्ति ने बुधवार को 'एक्स' पर लिखा, 'ट्रंप ने ईरान के खिलाफ एक गैरकानूनी युद्ध शुरू किया, जिससे ईंधन की कीमतें बढ़ गईं। अब वह रूस के साथ डीजल समझौता करके पुतिन को फायदा पहुंचा रहे हैं और साथ ही यूक्रेन पर रूसी तेल सुविधाओं पर हमले रोकने का दबाव



डाल रहे हैं।'

उन्होंने कहा कि पुतिन को अरबों डॉलर मिलेंगे, यूक्रेन को ज्यादा रूसी हमलों का सामना करना पड़ेगा और इसका आर्थिक बोझ अमेरिकी जनता पर पड़ेगा।

बाद में एक और पोस्ट में कृष्णमूर्ति ने कहा कि यह समझौता पुतिन की युद्ध मशीन को आर्थिक मदद देगा, लेकिन इससे अमेरिकी उपभोक्ताओं को ईंधन की कीमतों में कोई खास राहत नहीं मिलेगी। उन्होंने लिखा, 'यह गैरकानूनी है, असरदार नहीं है और ट्रंप के ईरान युद्ध को खत्म करने का विकल्प भी नहीं है।'

वहीं, रूस के निवेश और आर्थिक सहयोग मामलों के विशेष दूत किरिल दिमित्रिएव ने इन आरोपों का जवाब दिया। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, 'दुनिया के सभी व्यावहारिक नेता, जो अपनी जनता की भलाई चाहते हैं, वे रूस सहित किसी भी स्रोत से सस्ता डीजल, गैस और तेल चाहते हैं।'

एक अन्य पोस्ट में उन्होंने पत्रिका द इकोनॉमिस्ट की आलोचना करते हुए कहा कि उसने यह नहीं बताया कि इस समझौते के बाद डीजल की कीमतों में पांच प्रतिशत की गिरावट आई है, जिससे अमेरिकी किसानों, उपभोक्ताओं और ऊर्जा बाजारों को फायदा हुआ है।

हालांकि, दिमित्रिएव ने यह स्पष्ट नहीं किया कि उन्होंने यह आंकड़ा कैसे निकाला या कीमतों में यह गिरावट कितने समय के दौरान हुई। इस मुद्दे पर अमेरिकी संसद में भी विरोध बढ़ता जा रहा है।

कनेक्टिकट से डेमोक्रेटिक सीनेटर रिचर्ड ब्लुमेंथल ने कहा कि वह अपने 12 साथियों के साथ मिलकर ट्रंप से इस 'विनाशकारी रूसी डीजल समझौते' को वापस लेने की मांग कर रहे हैं।

यूएन में भारत का सख्त बयान, ओएचसीएचआर के दोहरे मानदंड पर उठाए सवाल

विश्व केसरी■



संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र में मानवाधिकार उच्चायुक्त के साथ 'इंटरैक्टिव डायलॉग' के दौरान प्रथम सचिव अनुज स्वरूप ने भारत का बयान रखते हुए ओएचसीएचआर के चयनात्मक रवैये और दोहरे मानदंडों को लेकर आगाह किया और साथ ही पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में मानवाधिकार उल्लंघनों पर रिपोर्ट की मांग की।

अनुज स्वरूप ने मानवाधिकार परिषद में भारत के सदस्य के रूप में अपनी रचनात्मक और सकारात्मक भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय (ओएचसीएचआर) की ओर से चुनिंदा मुद्दों पर ध्यान देने और दोहरे मानदंड अपनाने से बहुपक्षीय व्यवस्था पर लोगों का भरोसा कमजोर होता है। साथ ही भारत ने यह भी दोहराया कि वह उच्चायुक्त के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है।

भारत ने पाकिस्तान पर एक ओएचसीएचआर रिपोर्ट जारी करने की मांग की, जिसमें पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों की ओर से लोगों की हत्या के मामलों की निष्पक्ष जांच, हिरासत में रखे गए आवामी एक्शन कमेटी के नेताओं को कानूनी प्रक्रिया और न्यायिक अधिकार दिए जाने और पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर में इंटरनेट सेवाओं पर लगी सभी पाबंदियां हटाने जैसे मुद्दों को शामिल करने की बात कही।

भारत ने पाकिस्तान से कहा कि वह इस बात पर आत्ममंथन करे कि उसके देश के कई हिस्सों, खासकर उसके अवैध कब्जे वाले क्षेत्रों में, मानवाधिकारों का किस तरह उल्लंघन हो रहा है।

प्रथम सचिव ने कहा कि मानवाधिकारों की रक्षा और सम्मान सुनिश्चित करना सभी देशों की जिम्मेदारी है और इस दिशा में निष्पक्षता तथा पारदर्शिता बेहद जरूरी है। इससे पहले भी संयुक्त राष्ट्र निरस्त्रीकरण सम्मेलन में आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को स्पष्ट संदेश दिया गया था।

संक्षिप्त खबर

अफगानिस्तान : कंधार में बस और ट्रक की टक्कर से पांच लोगों की मौत, 15 घायल

विश्व केसरी■



काबुल। अफगानिस्तान के दक्षिणी प्रांत कंधार में गुरुवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में कई लोगों की मौत हो गई। प्रांतीय ट्रैफिक पुलिस निदेशक मोहम्मद ताहिर के अनुसार, हादसा गुरुवार सुबह दमन जिले में हुआ। एक ट्रक सामने से आ रही बस से टकरा गया। वाहनों की आमने-सामने टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि 15 अन्य घायल हो गए। घायलों में कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। इससे पहले 23 सितंबर को अफगानिस्तान के उत्तरी तखार प्रांत में एक सड़क दुर्घटना में आठ यात्रियों की मौत हो गई थी और चार लोग घायल हुए थे। तखार पुलिस के प्रवक्ता नकीबुल्लाह मसूर ने बताया कि कलाफगान जिले के गजेस्तान क्षेत्र में एक वाहन सड़क से फिसलकर पलट गया। इस हादसे में आठ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए। घायलों को तखार के प्रांतीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारियों ने बताया था कि हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। 22 सितंबर को पूर्वी अफगानिस्तान के लगमान प्रांत में भी एक हादसा हुआ था। यहां एक मिनी बस गहरी खाई में गिर गई, जिससे एक यात्री की मौत हो गई और नौ अन्य घायल हो गए।

जयपुर में फर्जी सर्टिफिकेट से एमबीबीएस करने वाले 4 डॉक्टर गिरफ्तार

विश्व केसरी■



जयपुर। विदेश से एमबीबीएस (बैचलर ऑफ मेडिसिन एंड बैचलर ऑफ सर्जरी) कर भारत में प्रैक्टिस के लिए फर्जी सर्टिफिकेट बनवाने के बड़े फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ है। राजस्थान में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने फर्जी एफएमजीई सर्टिफिकेट के जरिए एमबीबीएस करने वाले 4 डॉक्टरों को गिरफ्तार किया है। यह पूरा मामला राजस्थान मेडिकल काउंसिल में पंजीयन कराने के लिए फर्जीवाड़ा करने का है। एसओजी की जांच में फर्जी एफएमजीई सर्टिफिकेट का खुलासा हुआ है। जानकारी के अनुसार, आरोपी डॉक्टर रूस और किर्गिस्तान से एमबीबीएस करके भारत लौटे थे। भारत में प्रैक्टिस करने के लिए विदेश से एणबीबीएस करने वाले डॉक्टरों को फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्जामिनेशन (एफएमजीई) पास करना जरूरी होता है लेकिन इन आरोपियों ने परीक्षा पास नहीं की और 27 से 30 लाख रुपए देकर फर्जी सर्टिफिकेट बनवा लिए। इन फर्जी दस्तावेजों के आधार पर आरोपियों ने राजस्थान मेडिकल काउंसिल में पंजीयन कराया और राजस्थान के मेडिकल कॉलेजों में इंटर्नशिप करने लगे। एसओजी इस फर्जी मेडिकल डिग्री और सर्टिफिकेट नेटवर्क की लगातार जांच कर रही है। इस मामले में अब तक 100 से अधिक लोगों को चिन्हित किया गया है। इससे पहले राजस्थान मेडिकल काउंसिल के रजिस्ट्रार समेत 33 आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं। एसओजी की कार्रवाई के बाद चिकित्सा जगत में हड़कंप मच गया है। जांच एजेंसी अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश कर रही है।

अमेरिका में हिंदू मंदिरो पर हमले के साजिश की निंदा, संगठनों ने की सतर्क रहने की अपील

विश्व केसरी■



न्यूयॉर्क। अमेरिका में नवरात्रि के बीच एक हिंदू मंदिर को निशाना बनाकर फायरिंग की साजिश सामने आने के बाद हिंदू और भारतीय संगठनों ने इसकी कड़ी निंदा की है। उन्होंने बढ़ती हिंदू-विरोधी घटनाओं को लेकर भी चिंता जताई है।

बुधवार (स्थानीय समय) को अधिकारियों की ओर से आरोपी की गिरफ्तारी की घोषणा के तुरंत बाद दो प्रमुख हिंदू संगठनों ने इन पवित्र दिनों के दौरान मंदिरों और श्रद्धालुओं से सतर्क रहने की अपील की।

हिंदू मंदिर एम्पावरमेंट काउंसिल (एचएमईसी) ने मंदिरों और भक्तों से कहा कि वे सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना दें।

संगठन ने कहा, 'जब हम प्रार्थना, उत्सव और सेवा के लिए एक साथ आते हैं, तो हमें नफरत के खिलाफ एकजुट होकर खड़ा होना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हर श्रद्धालु अपने पूजा स्थल पर बिना डर, शांति और स्वतंत्रता के साथ पूजा कर सके।'

अधिकारियों ने बुधवार को इलिनोइस में एक ऐसे युवक को गिरफ्तार किया, जो खुद को 'व्हाइट सुप्रेमेसिस्ट नीओ-नाजी' बताता था। पुलिस के अनुसार, उसके एक सहकर्मी की सूचना के बाद यह कार्रवाई की गई। बताया गया कि आरोपी ने शनिवार को एक हिंदू मंदिर में सामूहिक गोलीबारी करने की कोशिश की थी लेकिन उसकी राइफल जाम हो गई, जिससे हमला नाकाम हो गया और वह वहां से भाग गया। अधिकारियों के अनुसार, हमले का निशाना शिकागो से लगभग 70 किलोमीटर दूर ऑरोरा स्थित एक हिंदू मंदिर था। पुलिस ने बताया कि आरोपी की योजना के बारे में सूचना उसके एक सहकर्मी ने दी थी।

फाउंडेशन फॉर इंडिया एंड इंडियन डायस्पोरा स्टडीज ने कहा, 'यह घटना इस बात की गंभीर याद दिलाती है कि भारत और हिंदुओं के खिलाफ नफरत सिर्फ इंटरनेट या राजनीतिक बयानों तक सीमित नहीं है। यह वास्तविक दुनिया में हमारे समुदाय और पूजा स्थलों के लिए खतरा बन सकती है। फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) के आंकड़ों के अनुसार, पिछले वर्ष अमेरिका में हिंदू-विरोधी घृणा अपराधों की संख्या बढ़कर 32 हो गई जबकि 2024 में यह संख्या 25 थी।

उत्तर कोरिया ने दागी क्रूज मिसाइलें, न्यूक्लियर अटैक सबमरीन से परीक्षण की आशंका

विश्व केसरी■



सोल। प्योंगयाग ने बुधवार को पूर्वी सागर में पनडुब्बी से दागी जाने वाली दो तरह की रणनीतिक क्रूज मिसाइलों का परीक्षण किया। आशंका जताई जा रही है कि 3,000-टन श्रेणी का परीक्षण उस न्यूक्लियर अटैक सबमरीन (पनडुब्बी) से किया गया है जिसे 2023 में लॉन्च किया गया था।

उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) के हवाले से योनहाप न्यूज एजेंसी ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। हालिया परीक्षण में मिसाइलें पनडुब्बी से दागी गईं या किसी अन्य परीक्षण मंच से, इस बारे में केसीएनए रिपोर्ट में स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है।

केसीएनए के अनुसार, परीक्षण का उद्देश्य पानी के भीतर संचालित होने वाली हथियार प्रणालियों की मौजूदा परिचालन तैयारी का आकलन करना था। उत्तर कोरिया ने दावा किया कि इस परीक्षण से नौसेना की रणनीतिक अभियानों को अंजाम देने की क्षमता मजबूत होगी और देश की प्रतिरोधक क्षमता की विश्वसनीयता प्रदर्शित होगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, परीक्षण की निगरानी सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी की केंद्रीय सैन्य आयोग के सदस्य किम जोंग-सिक और मिसाइल प्रशासन के महानिदेशक जांग चांग-हा ने की। नौसेना की अंडरवाटर हथियार प्रणालियों से जुड़े इंजीनियर भी इस दौरान मौजूद थे।

हालांकि, केसीएनए ने मिसाइलों के नाम, उनकी मारक दूरी और परीक्षण के तकनीकी विवरणों का खुलासा नहीं किया। दक्षिण कोरिया की ओर से भी बुधवार के परीक्षण को लेकर तत्काल कोई विस्तृत जानकारी जारी नहीं की गई।

जबलपुर-भोपाल-इंदौर इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के विकास के लिए कंपनी गठित

विश्व केसरी■



भोपाल। मध्य प्रदेश में जबलपुर-भोपाल-इंदौर इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के विकास को लेकर मोहन कैबिनेट ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के क्रियान्वयन के लिए उद्योग विभाग के माध्यम से एक नई कंपनी का गठन किया गया है। मंत्रि-परिषद की बैठक में लिए गए फैसलों की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बताया है कि जबलपुर-भोपाल-इंदौर इंडस्ट्रियल कॉरिडोर कॉरिडोर पूरे महाकौशल क्षेत्र को नई औद्योगिक ताकत प्रदान करेगा।

जबलपुर से शुरू होकर भोपाल होते हुए प्रदेश की व्यापारिक राजधानी इंदौर तक विस्तारित होने वाला यह कॉरिडोर औद्योगिक विकास और व्यापारिक गतिविधियों को नई गति देगा। उन्होंने आगे बताया कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना के क्रियान्वयन के लिए उद्योग विभाग के माध्यम से एक नई कंपनी का गठन किया गया है। यह कंपनी एक इकोनॉमिक कॉरिडोर के रूप में कार्य करेगी और पूरी तरह राज्य शासन के स्वामित्व में होगी। राज्य शासन की ओर से इसके लिए 100 करोड़ की राशि उपलब्ध कराई गई है। इसकी गवर्निंग काउंसिल के अध्यक्ष मुख्यमंत्री होंगे , ताकि निर्णय तेजी से लिए जा सकें और सभी संबंधित विभाग समन्वय के साथ काम कर सकें। हमारी अन्य कंपनियों के संचालन से प्राप्त अनुभव और विशेषज्ञता का लाभ भी इस परियोजना को मिलेगा, जिससे विकास कार्यों को तेज गति से आगे बढ़ाया जा सकेगा। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बताया कि जबलपुर, नरसिंहपुर से लेकर रायसेन तक का क्षेत्र औद्योगिक विकास की व्यापक संभावनाओं से परिपूर्ण है। यहां पर्यटन, खनन, कृषि और भारी उद्योगों के विकास के लिए अनुकूल परिस्थितियां मौजूद हैं। इसके साथ ही सड़क, बिजली, पानी और विमानन सहित आवश्यक कनेक्टिविटी की सुविधाएं भी उपलब्ध हैं।

नोएडा में तेज आंधी से निर्माणाधीन बिल्डिंग की शटरिंग गिरी, 14 गाड़ियां क्षतिग्रस्त

विश्व केसरी■



नोएडा। दिल्ली-एनसीआर में मौसम के बदलते मिजाज और तेज आंधी का असर नोएडा में भी देखने को मिला। गुरुवार, 15 अक्टूबर को नोएडा के सेक्टर-62 स्थित आइथम हाइट्स में तेज आंधी के कारण निर्माणाधीन बिल्डिंग की शटरिंग गिर गई। शटरिंग पड़ोस में स्थित ग्राफ सिटी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की पार्किंग में खड़ी गाड़ियों के ऊपर जा गिरी। इस घटना में कुल 14 गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं। गनीमत रही कि हादसे में किसी व्यक्ति को चोट नहीं आई और कोई जनहानि नहीं हुई।

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, 15 अक्टूबर को थाना सेक्टर-58 क्षेत्र के अंतर्गत सेक्टर-62 स्थित आइथम हाइट्स कंपनी में निर्माण कार्य चल रहा था। इसी दौरान क्षेत्र में तेज आंधी आई, जिसके चलते निर्माणाधीन बिल्डिंग की शटरिंग गिर गई। शटरिंग सीधे पड़ोस में स्थित ग्राफ सिटी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की पार्किंग में खड़ी गाड़ियों पर जा गिरी।

अचानक हुई इस घटना से पार्किंग में खड़ी गाड़ियों को नुकसान पहुंचा। शटरिंग गिरने के कारण पार्किंग में खड़ी कुल 14 गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं। इनमें गाड़ियों के बाहरी हिस्सों को नुकसान पहुंचने की आशंका है। निर्माणाधीन बिल्डिंग की शटरिंग गिरने की घटना से मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जिस स्थान पर हादसा हुआ, वहां पड़ोसी कंपनी की पार्किंग में कई वाहन खड़े थे। शटरिंग के गाड़ियों पर गिरने से बड़ा नुकसान हो सकता था, लेकिन राहत की बात यह रही कि घटना के समय कोई व्यक्ति इसकी चपेट में नहीं आया।

पुलिस के अनुसार, इस हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। घटना थाना सेक्टर-58 क्षेत्र की होने के कारण स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची।

भाजपा फर्जी वोट को समझती है अपनी ताकत, 2027 में जीवन-मरण का चुनाव : अखिलेश यादव

विश्व केसरी■



लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा फर्जी वोट को अपनी ताकत समझती है और वोट चोरी एक बड़ा मुद्दा है। 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव में सरकार बनाने का लक्ष्य है और यह चुनाव जीवन-मरण का चुनाव है।

बुधवार को समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में आए कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश की जनता भाजपा के कुशासन से त्रस्त है। महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार चरम पर है। भाजपा पूरी तरह बदनाम हो चुकी है और विधानसभा चुनाव में भाजपा की पराजय तय है।

अखिलेश यादव ने कार्यकर्ताओं को मिशन-2027 को लेकर खास संदेश दिया और अनुशासन में रहने की नसीहत दी। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं को अनुशासन में रहना है। कोई भी ऐसा व्यवहार न करें जिससे किसी को शिकायत का मौका मिले। जनता की उम्मीदें समाजवादी पार्टी से हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश और जनता के हित में समाजवादी पार्टी की सरकार बनना जरूरी है। भाजपा ने उत्तर प्रदेश को हर क्षेत्र में बर्बाद कर दिया है। शिक्षा-परीक्षा ध्वस्त है, स्वास्थ्य सेवाएं खराब हो चुकी हैं। कानून-व्यवस्था बर्बाद है। हर विभाग और हर कार्य में भ्रष्टाचार और लूट हो रही है। भाजपाई बेलगाम हैं। गरीबों और असहायों की जमीनों पर कब्जा कर रहे हैं और उनके हर अवैध कार्य में पुलिस उनका साथ दे रही है।

4,106 करोड़ रुपये के रक्षा समझौते, वायुसेना को संचार उपग्रह व नौसेना को मिलेगा वरुणास्त्र

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने भारतीय वायुसेना और नौसेना की ताकत बढ़ाने के लिए 4,106 करोड़ रुपए के दो बड़े समझौते किए हैं। इसके तहत वायुसेना को स्वदेशी संचार उपग्रह जीसैट-7सी की क्षमता मिलेगी। वहीं, नौसेना को दुश्मन की पनडुब्बियों को निशाना बनाने वाले वरुणास्त्र टॉरपीडो मिलेंगे। वायुसेना के लिए 2,563 करोड़ रुपए की लागत का यह समझौता गुरुवार को बेंगलुरु स्थित न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड के साथ हुआ है।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक देश में ही तैयार जीसैट-7सी उपग्रह वायुसेना के संचार तंत्र को मजबूत करेगा। इससे सैन्य संसाधनों के बीच सुरक्षित और निर्बाध संचार में मदद मिलेगी। इससे विभिन्न सैन्य अभियानों के दौरान तालमेल और कम्युनिकेशन की प्रभावशीलता भी बढ़ेगी। गौरतलब है कि सैन्य अभियानों के दौरान प्रभावी संचार बेहद महत्वपूर्ण होता है। सुरक्षित संचार व्यवस्था से वायुसेना के संसाधनों के बीच तालमेल बेहतर बनाने और उनकी ऑपरेशनल क्षमता मजबूत करने में मदद मिलेगी।

वहीं, नौसेना के लिए 1,543 करोड़ रुपए की लागत का समझौता हैदराबाद स्थित भारत डायनेमिक्स लिमिटेड के साथ किया गया है। इसके तहत वरुणास्त्र भारी वजन वाले टॉरपीडो की खरीद की जाएगी। इसे नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला ने देश में ही विकसित किया है। जहाज से छोड़ा जाने वाला यह टॉरपीडो लंबी दूरी पर दुश्मन की पनडुब्बियों को निशाना बना सकता है। इसकी उन्नत दिशा बदलने की क्षमता पनडुब्बी रोधी अभियानों में नौसेना की ताकत बढ़ाएगी। यह टॉरपीडो दिशा बदलने की क्षमता से लैस है और लंबी दूरी पर दुश्मन की पनडुब्बियों को निशाना बना सकता है। इससे समुद्र में पनडुब्बियों का पता लगाने और उनसे निपटने से जुड़े नौसेना के अभियानों को भी मजबूती मिलेगी।

दोनों समझौते रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी विनिर्माण क्षमता बढ़ाने और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की दिशा में अहम कदम हैं।

एशियन गेम्स 2026 के भारतीय दल से पीएम मोदी की मुलाकात, खिलाड़ियों ने भेंट की 'जर्सी'



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को नई दिल्ली स्थित मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में एशियन गेम्स 2026 के भारतीय दल से मुलाकात की। इस दौरान भारतीय हॉकी टीम ने पीएम मोदी को 'हॉकी स्टिक' और 'जर्सी' भेंट की। कार्यक्रम में केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया, केंद्रीय युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे और भारतीय ओलंपिक संघ अध्यक्ष पीटी उषा भी उपस्थित रहीं।

पीएम मोदी ने जापान के आइची-नागोया में आयोजित एशियन गेम्स 2026 में गोल्ड मेडल जीतने वाली भारतीय क्रिकेट टीम से भी मुलाकात की। इस कार्यक्रम में पीएम ने भारतीय रेसलर्स, तीरंदाजों समेत अन्य पदक विजेताओं और उनके सहयोगी स्टाफ को भी बधाई दी।

भारत ने एशियन गेम्स 2026 में 21 गोल्ड, 27 सिल्वर और 37 ब्रॉन्ज मेडल के साथ कुल 85 मेडल जीतकर चौथा स्थान हासिल किया। मेडल टैली में चीन 341 पदकों के साथ शीर्ष पर रहा, जबकि जापान ने 260 मेडल के साथ दूसरे और साउथ कोरिया 150 मेडल के साथ तीसरे पायदान पर रहा।

एक ओर भारतीय पुरुष और हॉकी टीम ने गोल्ड मेडल अपने नाम किए, तो दूसरी तरफ पुरुष और महिला हॉकी टीम ने भी गोल्ड मेडल जीते। भारत की पुरुष और महिला कबड्डी टीमों ने भी देश के लिए पहला स्थान हासिल किया।

भारत ने सॉफ्ट टेनिस और मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स (एमएमए) जैसे नए खेलों में पहली बार पदक जीतकर अपनी पहचान बनाई। निशानेबाजी में महिला ट्रैप स्पर्धा का पहला गोल्ड मेडल भी भारत के खाते में आया, जो एक बड़ी उपलब्धि रही।

वहीं, वेटलिफ्टिंग में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 28 साल बाद एशियन गेम्स में सिल्वर मेडल जीता। ग्रीको-रोमन कुश्ती में भारत ने 64 साल का इंतजार खत्म किया, जब एक भारतीय पहलवान ने रजत पदक जीतकर फाइनल तक का सफर तय किया।

इन उपलब्धियों से स्पष्ट है कि भारत अब सिर्फ पारंपरिक खेलों में ही नहीं, बल्कि नए खेलों में भी लगातार आगे बढ़ रहा है और एशियाई स्तर पर अपनी मजबूत छाप छोड़ रहा है।

वुहान ओपनः च्वालिनस्का ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई



विश्व केसरी ■

वुहान। पोलैंड की माजा च्वालिनस्का ने गुरुवार को वुहान ओपन के 'राउंड ऑफ 16' में वर्ल्ड नंबर 11 इवा जोविच को 6-4, 6-1 से मात देकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। 16वीं सीड च्वालिनस्का ने अमेरिकी खिलाड़ी के खिलाफ यह मुकाबला 1 घंटे 49 मिनट में जीता। वहीं, 5वीं सीड एलिना स्वितोलिना ने चीन की वाइल्ड कार्ड खिलाड़ी गुओ हान्यू को 1 घंटे 30 मिनट तक चले मुकाबले में 6-1, 6-4 से शिकस्त दी।

च्वालिनस्का वुहान में अपना पहला टूर्नामेंट (डब्ल्यूटीए 1000) खेल रही हैं। जोविच के खिलाफ पहले सेट में उन्हें कड़ी टक्कर मिली, लेकिन दूसरे सेट में उन्होंने आसानी से जीत हासिल की। उन्होंने जोविच की सर्विस 5 बार तोड़ी और अपनी सर्विस केवल एक बार गंवाई। पोलैंड की इस खिलाड़ी ने पहले सेट के शुरुआती गेम में ही जोविच की सर्विस तोड़ दी, लेकिन अगले ही गेम में अपनी सर्विस गंवा दी। 9वें गेम में उन्होंने एक अहम ब्रेक हासिल करके 5-4 की बढ़त बनाई और फिर अपनी सर्विस बचाते हुए 57 मिनट में पहला सेट 6-4 से जीत लिया।

दूसरे सेट में च्वालिनस्का का दबदबा रहा। उन्होंने जोविच की सर्विस तोड़कर 2-1 की बढ़त बनाई, फिर 4-1 की बढ़त हासिल की और अंत में एक और ब्रेक के साथ 47 मिनट में दूसरा सेट 6-1 से अपने नाम कर लिया। अब क्वार्टर फाइनल में उनका सामना मारिया सकारी से होगा। सकारी ने अपने 'राउंड ऑफ 16' मुकाबले में मिया पोहांकोवा को 6-1, 6-4 से हराया।

इस बीच, स्वितोलिना ने चीन की गुओ के शानदार सफर पर रोक लगा दी। गुओ ने पहले दौर में 12वीं वरीयता प्राप्त सोराना क्रिस्टिया को और फिर 32वें दौर में केटी वोलिनेट्स को हराकर राउंड ऑफ 16 में जगह बनाई थी।

यूक्रेन की पांचवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने मैच के दौरान गैर वरीयता प्राप्त चीनी खिलाड़ी गुओ की सर्विस सात बार तोड़ी, जबकि खुद भी तीन बार अपनी सर्विस गंवाई। उन्होंने मैच की शुरुआत में ही गुओ की सर्विस तोड़ी और 3-0 की बढ़त बना ली। हालांकि, चीनी खिलाड़ी ने एक बार वापसी की, लेकिन इसके तुरंत बाद अपनी सर्विस फिर गंवा दी, जिससे यूक्रेन की खिलाड़ी 4-1 से आगे हो गईं। स्वितोलिना ने अपनी सर्विस बचाए रखी और फिर गुओ की सर्विस तोड़कर सिर्फ 37 मिनट में पहला सेट अपने नाम कर लिया।

हांगकांग सिक्सेसः शाल्कविक की कप्तानी में 7-सदस्यीय साउथ अफ्रीकी टीम घोषित



विश्व केसरी ■

हांगकांग। साउथ अफ्रीका ने 'हांगकांग सिक्सेस 2026' के लिए 7 सदस्यीय टीम का ऐलान किया है। यह टूर्नामेंट 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक हांगकांग के टिन क्वांग रोड रिक्रिएशन ग्राउंड में खेला जाएगा।

जोरिच वैन शाल्कविक की कप्तानी वाली इस टीम में स्टीव स्टोलक, अब्दुल्ला बायौमी, अयाबुलेला गकामाने, अलिंडिले म्लेत्यवा, ब्लेक सिम्पसन और हीथ रिचर्ड्स शामिल हैं। इसमें 2025 के संस्करण से तीन खिलाड़ी फिर से लौट रहे हैं, जिनमें वैन शाल्कविक, सिम्पसन और बायौमी शामिल हैं। साउथ अफ्रीका 'ए' के कोच वांडिले ग्वावु इस टीम का मार्गदर्शन करेंगे।

पिछले साल, वैन शल्कविक 122 रनों के साथ साउथ अफ्रीका के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे, जबकि बायौमी ने चार विकेट लेकर टीम के लिए सबसे ज्यादा विकेट लिए थे। इनके अलावा, सिम्पसन ने भी बल्ले और गेंद दोनों से काफी योगदान दिया था। साउथ अफ्रीका को अफगानिस्तान और ओमान के साथ ग्रुप-डी में रखा गया है। ग्रुप स्टेज के ये मुकाबले टीम के लिए अहम परीक्षा होंगे, क्योंकि टीम नॉकआउट स्टेज में अपनी जगह पक्की करना चाहेगी।

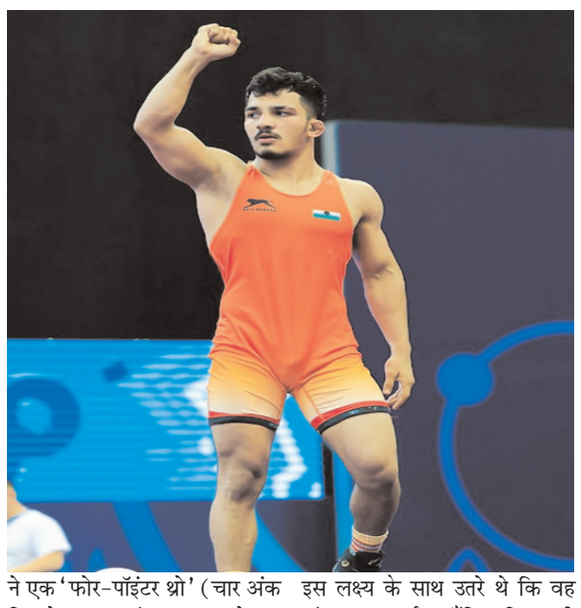
विश्वजीत मोरे ने अंडर-23 रेसलिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप में जीता सिल्वर मेडल

विश्व केसरी ■

लास वेगास। भारतीय पहलवान विश्वजीत रामचंद्र मोरे ने गुरुवार को अंडर-23 वर्ल्ड चैंपियनशिप में ग्रीको-रोमन कैटेगरी में भारत के लिए पहला सिल्वर मेडल जीता।

अंडर-23 वर्ल्ड लेवल पर दो बार ब्रॉन्ज मेडल जीत चुके मोरे पुरुषों के 55 किलोग्राम ग्रीको-रोमन फाइनल के आखिरी पलों में जॉर्जिया के कोबा कारुमिद्जे से 12-13 से हार गए। मोरे अंडर-23 वर्ल्ड चैंपियनशिप में दो मेडल जीतने वाले भारत के एकमात्र ग्रीको-रोमन पहलवान हैं। वह मंगलवार को अंडर-23 वर्ल्ड चैंपियनशिप में फाइनल तक पहुंचने वाले भारत के पहले ग्रीको-रोमन पहलवान भी बने थे।

उन्होंने तीन कड़े मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने मेक्सिको के इसाक मारिन माटा को 10-8 से हराकर अपने अभियान की शुरुआत की, जिससे क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला ईरान के अंडर-20 वर्ल्ड चैंपियन आर्मिन शमसीपौर से हुआ। शमसीपौर के कंधे में चोट लग गई थी, और मोरे



ने एक 'फोर-पॉइंटर थ्रो' (चार अंक दिलाने वाला दांव) का इस्तेमाल करते हुए उन्हें 8-1 से हरा दिया।

रूस के मलिक गिगिएव के खिलाफ सेमीफाइनल भी काफी रोमांचक रहा, जिसमें दोनों पहलवानों को 'चैलेंज' (रेफरी के फैसले को चुनौती देने का मौका) का फायदा मिला। अंत में मोरे ने 6-4 से जीत दर्ज की। मोरे फाइनल में इस लक्ष्य के साथ उतरे थे कि वह अंडर-23 वर्ल्ड चैंपियनशिप की ग्रीको-रोमन स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीतने वाले पहले भारतीय पहलवान बनेंगे। हालांकि, वह फाइनल में जॉर्जिया के पहलवान से हार गए और उनका गोल्ड जीतने का सपना पूरा नहीं हो सका। जॉर्जियाई पहलवान ने भी फाइनल में जगह बनाने के लिए सेमीफाइनल में किर्गिस्तान के बार्सबेक असनकोझोएव को कड़े मुकाबले में हराया था।

हालांकि, इससे पहले भारत के अभियान को एक प्रशासनिक बाधा का सामना करना पड़ा था। अंडर-23 वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप (लास वेगास) के लिए भारत के नौ पहलवानों (ग्रीको-रोमन और महिला कुश्ती कैटेगरी से) को वीजा नहीं मिला, क्योंकि वे 20 साल से कम उम्र के थे और उनके पास कोई फुल-टाइम नौकरी नहीं थी।

डब्ल्यूएफआई प्रमुख संजय सिंह ने बुधवार को आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा था, 'अमेरिकी दूतावास ने नौ भारतीय पहलवानों के वीजा इस आधार पर खारिज कर दिए कि वे बेरोजगार हैं। इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है। यहां तक कि यूडब्ल्यूडब्ल्यू के अध्यक्ष ने भी इस मामले को लेकर उन्हें पत्र लिखा था। वीजा खारिज होना पूरी तरह से अमेरिकी दूतावास की गलती है, और इसके परिणामस्वरूप भारत को गोल्ड मेडल गंवाने पड़े।

मैनचेस्टर सिटी को पीएसजी ने 4-2 से हराया



विश्व केसरी ■

मैनचेस्टर। मैनचेस्टर सिटी को एतिहाद स्टेडियम में पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) के हाथों हार का सामना करना पड़ा। सिटी की पीएसजी के हाथों आठ मैचों में ये पहली हार है।

पीएसजी को पहले हाफ में डेजायर डू, ओस्मान डेम्बेले और विटिना ने तीन गोल की बढ़त दिलाई। अर्लिंग हालैंड ने सिटी के लिए रिकॉर्ड तोड़ 37वां यूरोपियन गोल किया। इसके बाद पीएसजी के लिए मैग्नेस अक्लिउचे ने चौथा गोल किया। एंजो मारेस्का की टीम पॉइंट्स के लिए लड़ती रही। एंजो फर्नांडीज और हालैंड ने वुडवर्क पर शॉट मारे, इससे पहले नॉर्वे के खिलाड़ी ने एक और गोल किया।

जियानलुइगी डोनारुम्मा ने फेरान टोरेस की आखिरी पेनल्टी बचाई, लेकिन फ्रेंच चैंपियंस ने 4-2 से जीत हासिल की। एक अन्य मैच में, फेयेनूर्ड ने भी रॉटरडैम में एक रोमांचक मुकाबले में वापसी करते हुए जीत हासिल की। असाने डियाओ ने एक अच्छे फिनिश के साथ सीरी ए टीम को आगे कर दिया, लेकिन होस्ट टीम ने दो मिनट बाद जिवाई जेचिएल के शानदार टर्न और स्मार्ट स्ट्राइक से जवाब दिया। इंटरवल के तुरंत बाद अनीस हाज मूसा ने ऐरेडिविसी टीम को शानदार अंदाज में आगे कर दिया, विंगर का दमदार शॉट मेहमान कीपर रॉबर्ट सांचेज से टकराकर नेट में चला गया, जिससे बाद में टीम की बढ़त और बढ़ गई।

चैंपियंस लीगः रियल मैड्रिड ने आखिरी 8 मिनट में पलटा मैच, एएस रोमा को 4-3 से हराया

विश्व केसरी ■

रोम। जोस मोरिन्हो की रियल मैड्रिड ने एएस रोमा के खिलाफ आखिरी 7 मिनट में तीन गोल करते हुए 1-3 से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी की और मुकाबला 4-3 से जीता। 83वें मिनट तक मोरिन्हो की टीम 3-1 से पीछे थी, लेकिन एस्पी, एंड्रिक और रुडिगर ने सिर्फ 8 मिनट में मैच पलट दिया और यूरोप में अपनी दूसरी जीत पक्की कर ली।

मैच की शुरुआत तेज रफ्तार से हुई। चौथे मिनट में ही कोर्टोइस को हर्मोसो का शॉट रोकने के लिए शानदार सेव करना पड़ा। 16वें मिनट में रोमा ने बढ़त ले ली, जब डी रून का शॉट उनके ही साथी मालेन से टकराकर दिशा बदलते हुए गोल में चला गया। हालांकि, रोमा की बढ़त सिर्फ 5 मिनट ही रही। 25वें मिनट में किलियन एमबाप्पे ने लॉन्ग-रेंज से शॉट मारा, जो मैनसिनी से डिफ्लेक्ट होकर गोलकीपर गोलिनी को छकाते हुए



अंदर चला गया और स्कोर 1-1 हो गया।

पहले हाफ के आखिरी मिनटों में दोनों टीमों के पास मौके आए। कुकुरेला छाती से गेंद नियंत्रित कर बॉक्स में घुसे, लेकिन उनका शॉट टारगेट से चूक गया। एक्स्ट्रा टाइम में बेलिंगहैम का लेफ्ट-फुट शॉट भी थोड़ा वाइड चला गया। दूसरे हाफ में रोमा ने फिर पकड़ बनाई। 51वें मिनट में मालेन ने गोल कर रोमा को 2-1 से आगे कर दिया और 58वें मिनट में उसी मालेन ने अपना दूसरा गोल दागकर स्कोर 3-1 कर दिया।

67वें मिनट में एमबाप्पे ने एक और गोल कर स्कोर 3-2 किया, लेकिन मामूली ऑफसाइड के कारण वीएआर ने उसे खारिज कर दिया। इसके बाद मोरिन्हो की टीम ने ऑल-आउट अटैक शुरू कर दिया। 83वें मिनट में पहला ब्रेकथ्रू मिला। अर्दा गुलर के कॉर्नर पर एंड्रिक ने हेडर मारा, गोलिनी ने उसे रोका, लेकिन रिबाउंड पर एस्पी ने गेंद को जाल में डाल दिया। स्कोर 3-2 हो गया। चार मिनट बाद फिर वही कॉम्बिनेशन—गुलर का कॉर्नर, एंड्रिक का हेडर—इस बार सीधा गोल में चला गया और स्कोर 3-3 हो गया। रियल मैड्रिड यहीं नहीं रुकी। 90वें मिनट में गुलर के एक और कॉर्नर पर एंटोनियो रुडिगर ने एक्रोबैटिक स्ट्राइक से गोल कर दिया। 1-3 से पिछड़ने के बाद मोरिन्हो की टीम ने 4-3 से जीत हासिल की।

सांगली के साधारण परिवार से निकलकर संकेत महादेव ने खेल की दुनिया में किया मुकाम हासिल

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। संकेत महादेव सरगर का नाम देश के युवा और प्रतिभाशाली वेटलिफ्टरों में लिया जाता है। संकेत अपनी क्षमता का प्रदर्शन अंतरराष्ट्रीय मंच पर करते हुए देश के लिए पदक जीत चुके हैं।

संकेत महादेव का जन्म 16 अक्टूबर 2000 को सांगली, महाराष्ट्र में हुआ था। उनका पूरा नाम संकेत महादेव सरगर है। सांगली के एक साधारण परिवार से निकलकर अंतरराष्ट्रीय स्तर का वेटलिफ्टर बनने की संकेत की कहानी संघर्षों से भरी हुई है और किसी भी खेल में विपन्नता का सामना करते हुए बड़ी सफलता हासिल करने का इरादा रखने वाले एथलीटों के लिए प्रेरणा है।

संकेत एक बेहद साधारण परिवार से ताल्लुक रखते थे। इस वजह से वेटलिफ्टिंग के प्रशिक्षण का खर्च उठा पाना उनके लिए आसान नहीं था। परिवार की देखरेख करने की जिम्मेदारी भी उन पर थी। संकेत ने अपनी कमजोर



आर्थिक स्थिति को कभी अपने सपनों के आड़े नहीं आने दिया। वह सुबह से शाम तक अपनी आर्थिक स्थिति और खेल के स्तर को सुधारने के लिए कड़ी मेहनत करते थे। इस वेटलिफ्टर के पास एक छोटी-सी पान और चाय की दुकान थी। वह सुबह साढ़े पांच बजे उठकर ग्राहकों के लिए चाय बनाते। इसके बाद वह ट्रेनिंग के लिए जाते। ट्रेनिंग के बाद संकेत पढ़ाई करते और शाम को फिर दुकान पर जाते। शाम को दुकान पर कुछ समय रहने के बाद वह फिर से वेटलिफ्टिंग के प्रशिक्षण के लिए चले जाते।

संकेत की यह जीवनशैली करीब 7 साल तक रही। इसी दिनचर्या को जीते हुए संकेत ने खुद को राष्ट्रीय स्तर का वेटलिफ्टर बनाया था। संकेत के नाम पुरुषों के 55 किलोग्राम भार वर्ग में 256 किलोग्राम का राष्ट्रीय और राष्ट्रमंडल रिकॉर्ड है।

सांगली के इस वेटलिफ्टर की जिंदगी 2022 के कॉमनवेल्थ गेम्स में बदली। इंग्लैंड के बर्मिंघम में हुए 2022 के कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए उन्होंने 248 किलोग्राम वजन उठाकर रजत पदक जीता।

सरकार का बड़ा फैसला, एक नवंबर से टेलीकॉम यूजर्स को मोबाइल पर दिखेगा कॉलर का नाम

विश्व केसरी ■



नई दिल्ली। दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने टेलीकॉम ऑपरेटरों को 1 नवंबर, 2026 से अपने सभी सेवा क्षेत्रों में कॉलिंग नेम प्रेजेंटेशन (सीएनएपी) सेवा लागू करने का निर्देश दिया है। इस सुविधा के तहत मोबाइल यूजर्स को इनकमिंग कॉल आने पर फोन नंबर के साथ कॉल करने वाले का नाम भी दिखाई देगा।

सरकारी दिशानिर्देशों के अनुसार, टेलीकॉम सेवा प्रदाता 4जी और उससे अधिक पीढ़ी की तकनीकों पर काम करने वाले वायरलेस टेरेस्ट्रियल नेटवर्क पर सीएनएपी सेवा का परीक्षण पहले ही कर चुके हैं।

यह सुविधा पात्र यूजर्स को अपने आप उपलब्ध कराई जाएगी और इसके लिए ग्राहकों को अलग से अनुरोध करने की जरूरत नहीं होगी। 2जी, 3जी और पब्लिक स्विच्ड टेलीफोन नेटवर्क पर सीएनएपी लागू करने का निर्णय आगे की समीक्षा के बाद अलग से लिया जाएगा।

नई व्यवस्था के तहत कॉल करने वाले का नाम कॉलिंग लाइन आइडेंटिफिकेशन (सीएलआई) का हिस्सा होगा। फिलहाल इस सुविधा के तहत केवल फोन नंबर दिखाई देता है।

अब कॉल रिसीव करने वाले के मोबाइल फोन पर सीएलआई में दो जानकारियां होंगी। इनमें पहली में कॉल करने वाले का फोन नंबर और दूसरी में उसका नाम दिखाई देगा।

प्राप्तकर्ता की स्क्रीन पर दिखाई देने वाला नाम इस बात पर निर्भर करेगा कि कॉल करने वाले का नंबर फोन की कॉन्टैक्ट लिस्ट में सेव है या नहीं। यदि नंबर पहले से सेव है, तो सेव किया गया नाम ही दिखाई देता रहेगा। वहीं, यदि नंबर सेव नहीं है, तो घरेलू कॉल के मामले में कॉल करने वाले का नाम उस टेलीकॉम ऑपरेटर के सब्सक्राइबर डेटाबेस में दर्ज जानकारी के अनुसार दिखाई देगा, जिसके नेटवर्क से कॉल की गई है। अंतरराष्ट्रीय कॉल की पहचान केवल 'इंटरनेशनल कॉल' के रूप में होगी। सरकार ने कहा कि यह व्यवस्था टेलीकम्युनिकेशंस (प्रिंसिपल टेलीकम्युनिकेशन सर्विसेज के प्रावधान के लिए प्राधिकरण) नियम, 2026 के नियम 48(1) के अनुरूप लागू की गई है। इस नियम के तहत अधिकृत संस्थाओं को कॉलिंग लाइन आइडेंटिफिकेशन को सुरक्षित तरीके से प्रदर्शित करना और उसमें छेड़छाड़ रोकना सुनिश्चित करना होगा।

यूजर्स की गोपनीयता और नेटवर्क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए टेलीकॉम ऑपरेटरों को 'सिक्योरिटी-बाय-डिजाइन' दृष्टिकोण अपनाना होगा। दिशानिर्देशों में स्पष्ट किया गया है कि कॉल करने वाले के नाम की जानकारी प्राप्त करने के लिए इस्तेमाल होने वाली क्वेरी-रिस्पॉन्स प्रक्रिया में कॉल समाप्त होने के बाद उस नाम की जानकारी को सुरक्षित नहीं रखा जाना चाहिए।

ऑपरेटरों को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि उनके नेटवर्क, डेटाबेस और कनेक्टिविटी इंफ्रास्ट्रक्चर सीएनएपी से जुड़े अनुरोधों को कुशलता से संसाधित करने के लिए पर्याप्त रूप से सक्षम हों और इससे सेवा की गुणवत्ता प्रभावित न हो।

दिशानिर्देशों में कारोबारियों और बड़े पैमाने पर कॉल करने वाले ग्राहकों को राहत देते हुए उन्हें सब्सक्राइबर रिकॉर्ड में दर्ज नाम के बजाय अपनी पसंद का नाम प्रदर्शित करने की अनुमति दी गई है। हालांकि, इसके लिए संबंधित नाम का ट्रेड मार्क्स रजिस्ट्री में पंजीकृत ट्रेडमार्क या वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) पोर्टल पर पंजीकृत व्यापारिक नाम होना अनिवार्य होगा।

गलत खान-पान बिगाड़ रहा है सेहत? पवनमुक्तासन से पाएं तुरंत राहत



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में गलत खान-पान और घंटों एक जगह बैठकर काम करने की वजह से पेट संबंधी समस्या आम हो गई है। इन समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए 'पवनमुक्तासन' बेहद सरल और प्रभावी आसन बताया गया है। यह आसन शरीर में मौजूद दूषित वायु को बाहर निकालकर पेट को साफ रखता है और मन को शांति प्रदान करता है।

पवनमुक्तासन संस्कृत के तीन शब्दों से मिलकर बना है... 'पवन' यानी हवा, 'मुक्त' यानी छोड़ना, और 'आसन' यानी योग की मुद्रा। इसका मतलब यह ऐसा योगासन है जो शरीर से गैस या अपच को बाहर निकालने में मदद करता है। यही कारण है कि इसे अंग्रेजी में 'वाइंड रिलिजिंग पोज' भी कहा जाता है।

पवनमुक्तासन उन योगासनों में एक आसन है, जिसे वायु मुक्ति आसन या 'गैस रिलीज पोज' भी कहा जाता है। यह आसन पेट में जमा गैस को बाहर निकालने और पाचन तंत्र को बेहतर बनाने में मददगार साबित होता है।

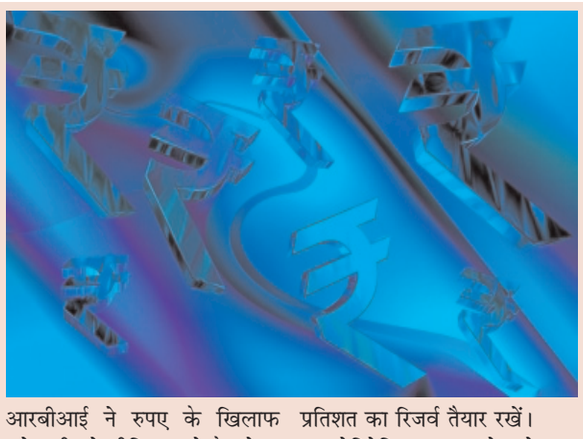
भारत सरकार के आयुष मंत्रालय अनुसार, पवनमुक्तासन वात से भी राहत दिलाता है और पेट को बढ़ने से रोकता है। इससे पेट पर आंतरिक दबाव पड़ता है जिससे आसन पाचन क्रिया में सहायक होता है। पाचन क्रिया के अलावा यह पेल्विक रीजन की मांसपेशियों, लिगामेंट्स और टेंडन्स के लिए बहुत लाभदायक होता है।

इसके साथ ही यह आसन शरीर के कोर मसल्स यानी पेट, कमर और पेल्विक हिस्से की मांसपेशियों को टोन करता है। इन हिस्सों की मांसपेशियां जब मजबूत होती हैं, तो शरीर का संतुलन बेहतर होता है और थकावट कम लगती है। यह खासकर महिलाओं के लिए बहुत फायदेमंद है क्योंकि यह आसन पेल्विक हिस्से की ताकत बढ़ाकर मासिक धर्म से जुड़ी परेशानियों में भी मदद कर सकता है।

हालांकि, इस आसन को करने से पहले कुछ सावधानियां भी बतरनी पड़ती है जैसे कि पेट, कमर या रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोट या सर्जरी हुई है तो इस आसन को करने से बचें।

आरबीआई के कदमों और कच्चे तेल में नरमी से रुपया मजबूत, डॉलर के मुकाबले 32 पैसे चढ़ा

विश्व केसरी ■



नई दिल्ली। भारतीय रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 32 पैसे मजबूत होकर 94.85 पर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के विदेशी मुद्रा प्रबंधन संबंधी उपायों और डॉलर की कमजोरी के चलते रुपए में हालिया मजबूती का सिलसिला जारी रहा।

घरेलू मुद्रा ने अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.91 के स्तर पर कारोबार की शुरुआत की।

रुपए को विदेशी मुद्रा बाजार में आरबीआई के संरचनात्मक हस्तक्षेपों, तरलता को नियंत्रित करने वाले कदमों और कारोबारियों द्वारा लंबी अवधि की डॉलर पोजीशन कम किए जाने से समर्थन मिला है।

अक्टूबर की शुरुआत में आरबीआई ने रुपए के खिलाफ सट्टेबाजी को सीमित करने के उद्देश्य से विदेशी मुद्रा डेरिवेटिव्स कारोबार से जुड़े नियमों को और कड़ा किया था। इसके साथ ही बैंकों से कहा गया था कि 20 लाख डॉलर से अधिक की डॉलर खरीद पर 20 प्रतिशत का रिजर्व तैयार रखें।

डेरिवेटिव्स बाजार से जुड़े एक अन्य कदम के तहत आरबीआई ने कहा था कि अधिकृत डीलर किसी भी ऐसे विदेशी मुद्रा डेरिवेटिव अनुबंध, जिसमें भारतीय रुपया शामिल हो, चाहे वह डिलीवेरेबल हो या नॉन-डिलीवेरेबल, अगर उसे रद्द किया जा चुका है तो उसे दोबारा बुक करने की अनुमति नहीं देंगे।

पिछले कारोबारी सत्र में रुपया 19 पैसे की मजबूती के साथ 95.16 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

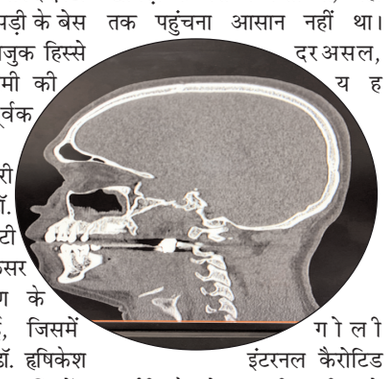
विशेषज्ञों के अनुसार, रुपया अब 95.50-95.00 के ट्रेडिंग दायरे से निर्णायक रूप से बाहर निकल चुका है और अगला महत्वपूर्ण स्तर 94.80 के आसपास माना जा रहा है। यदि रुपया इस स्तर से नीचे टिकता है तो इसमें और मजबूती की गुंजाइश बन सकती है। तेल विपणन कंपनियों की ओर से डॉलर की मांग में कमी और बाजार की बेहतर धारणा भी इसे समर्थन दे सकती है।

रुपए को वैश्विक स्तर पर मिले सकारात्मक संकेतों से भी सहारा मिला है।

जे.जे. अस्पताल में हाई-रिस्क सर्जरी सफल, खोपड़ी में फंसी गोली निकाली

विश्व केसरी ■

मुंबई। मुंबई के सर जे.जे. अस्पताल में न्यूरोसर्जन और ईएनटी विशेषज्ञों की टीम ने खोपड़ी के बेस के बेहद जटिल और नाजुक हिस्से में फंसी लगभग 1 सेमी की गोली को सफलतापूर्वक निकाल दिया है।



यह सर्जरी न्यूरोसर्जरी विभाग के प्रमुख डॉ. वर्नोन वेल्हो और ईएनटी विभाग के प्रमुख प्रोफेसर डॉ. श्रीनिवास चव्हाण के मार्गदर्शन में की गई, जिसमें न्यूरोसर्जरी विभाग के डॉ. हृषिकेश और ईएनटी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. नवीन सिंह ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

यह केस सर्जरी के लिए एक बड़ी चुनौती था, क्योंकि गोली खोपड़ी के बेस में फंसी थी, जहां तक पहुंचना आसान नहीं था। दरअसल, यह गोली इंटरनल कैरोटिड आर्टरी के बेहद करीब थी, जो दिमाग तक खून पहुंचाने वाली मुख्य नसों में से एक है। छोटी गोली होने के कारण उसे ढूंढने और सुरक्षित रूप से निकालने में और ज्यादा मुश्किल थी, जिसकी वजह से यह सर्जरी तकनीकी रूप से काफी चुनौतीपूर्ण थी और इसमें बहुत सावधानी से प्लानिंग की जरूरत थी।

एडवांस्ड न्यूरोनेविगेशन टेक्नोलॉजी, सी-आर्म इमेजिंग और एंडोस्कोपिक तकनीक की मदद से ईएनटी और न्यूरोसर्जरी की संयुक्त टीम ने गोली की सही जगह का पता लगाया और उसे सफलतापूर्वक निकाल दिया। पूरी प्रक्रिया आसानी से पूरी हो गई, जो यह दिखाती है कि खोपड़ी के बेस से जुड़ी जटिल स्थितियों से निपटने में एडवांस्ड टेक्नोलॉजी, सटीक सर्जिकल एक्सपर्टीज और टीम वर्क कितना जरूरी है।

असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अनंतन कृष्णन और एसआर डॉ. अरुनंधी की एनेस्थीसिया टीम ने सर्जरी के दौरान सहयोग दिया था और इस ऑपरेशन को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई।

अस्पतालों में मोतियाबिंद सर्जरी की सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए 18 नई मशीनों को मंजूरी

विश्व केसरी ■

गांधीनगर। मोतियाबिंद सर्जरी की सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए गुजरात के स्वास्थ्य मंत्री प्रफुल्ल पानशेरिया ने 18 अत्याधुनिक 'फैकोइमल्सीफिकेशन' मशीनों की मंजूरी दी। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री की ओर से मंजूरी मिलने के बाद सरकारी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों को लगभग 8.85 करोड़ रुपये से अधिक की मशीनें मिलेंगी।

ये मशीनें अहमदाबाद, सूरत, भावनगर, वडोदरा, जामनगर, मोरबी, गांधीनगर, वडनगर और हिम्मतनगर के सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में बांटी जाएंगी। राज्य सरकार ने कहा कि इन उपकरणों की मदद से मरीजों को आंखों का आधुनिक इलाज मुफ्त में मिल सकेगा।

अहमदाबाद के 'एमएंडजे इंस्टीट्यूट ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी' को सात मशीनें मिलेंगी जबकि भावनगर के सरकारी मेडिकल कॉलेज और मोरबी के जीएमआरएस अस्पताल को दो-दो मशीनें दी जाएंगी।



















बस्तर में मतदाता सूची पुनरीक्षण तेज, घर-घर दस्तक दे रहे बीएलओ

18 वर्ष के युवाओं को मतदाता बनाने पर जोर मधोता सेक्टर में अभियान जारी

विश्व केसरी■



जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। मतदाता सूची को त्रुटिरहित और अद्यतन बनाने के लिए विकासखंड बस्तर की ग्राम पंचायतों में संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर पहुंचकर पात्र युवक-युवतियों को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए जागरूक कर रहे हैं। साथ ही मृत एवं स्थानांतरि मतदाताओं के नाम हटाने और दर्ज विवरणों में सुधार की प्रक्रिया भी जारी है।अभियान के तहत 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके युवा फॉर्म-6 के माध्यम से मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए आवेदन कर सकते हैं। वहीं, नाम एवं अन्य विवरणों में सुधार के लिए फॉर्म-8 तथा नियमानुसार नाम विलोपन के लिए फॉर्म-7 निर्धारित है। गांवों मेंजागरूकता बढ़ाने के लिए सरपंच, सचिव और कोटवार के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। ग्रामसभाओं के जरिए ग्रामीणों को मतदाता सूची में अपना नाम और विवरण जांचने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। विवाह के बाद अन्य स्थानों पर निवास करने वाली महिलाओं सहित स्थानांतरित मतदाताओं की प्रविष्टियों का भी सत्यापन किया जा रहा है।

मधोता में मुहिम

बस्तर के मधोता सेक्टर में लक्ष्मीनारायण ठाकुर, गणेशराम बघेल, राजू बघेल, रामनिवास देहारी, नडगूराम कश्यप, हितेश कुमार पोटाई, टीकमचंद साहू, सुरेश्वर कश्यप, कंसराम बघेल, गोपीनाथ पांडे और रमेश टेकाम पुनरीक्षण कार्य में जुटे हैं। सेक्टर सुपरवाइजर कृष्णा सिंह ठाकुर कार्य की निगरानी करते हुए आवश्यक मार्गदर्शन दे रहे हैं। अभियान का उद्देश्य प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज कराना और सूची को अद्यतन रखना है। नागरिकों से अपील की गई है कि वे अपने नाम एवं विवरणों की जांच कर आवश्यक सुधार समय पर कराएं।

बस्तर के प्रवेश द्वार केशकाल घाटी में विराजित हैं माँ दुर्गा



विश्व केसरी■

केशकाल (चिराग उपाध्याय)। बस्तर के प्रवेश द्वार के रूप में प्रसिद्ध केशकाल घाटी इन दिनों माँ दुर्गा की आराधना और आस्था के रंग में रंगी नजर आ रही है। घाटी में विराजित माँ दुर्गा की दिव्य प्रतिमा श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। माता के दर्शन कर श्रद्धालु सुख, शांति और समृद्धि की कामना कर रहे हैं। प्राकृतिक सौंदर्य, ऊंचे पहाड़ों और हरियाली से घिरी केशकाल घाटी बस्तर की पहचान मानी जाती है। ऐसे रमणीय परिवेश में माँ दुर्गा की प्रतिमा श्रद्धालुओं के मन में विशेष श्रद्धा का भाव जागृत कर रही है। नवरात्रि के पावन अवसर पर देवी आराधना का महत्व और भी बढ़ जाता है। माता के नौ रूपों की पूजा-अर्चना के साथ भक्तजन भक्ति में लीन रहते हैं और पूरे क्षेत्र में धार्मिक उत्साह का माहौल बना रहता है। केशकाल घाटी से गुजरने वाले राहगीरों और पर्यटकों के लिए भी माँ दुर्गा की प्रतिमा आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। बस्तर की प्राकृतिक सुंदरता और धार्मिक आस्था का यह संगम क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को भी दर्शाता है। माँ दुर्गा के प्रति श्रद्धालुओं की आस्था और घाटी का मनोहारी वातावरण मिलकर एक विशेष आध्यात्मिक अनुभूति प्रदान करते हैं।

शिवरीनारायण में दुर्गोत्सव समितियों द्वारा स्थापित प्रतिमाएं



वॉर्ड नम्बर 9



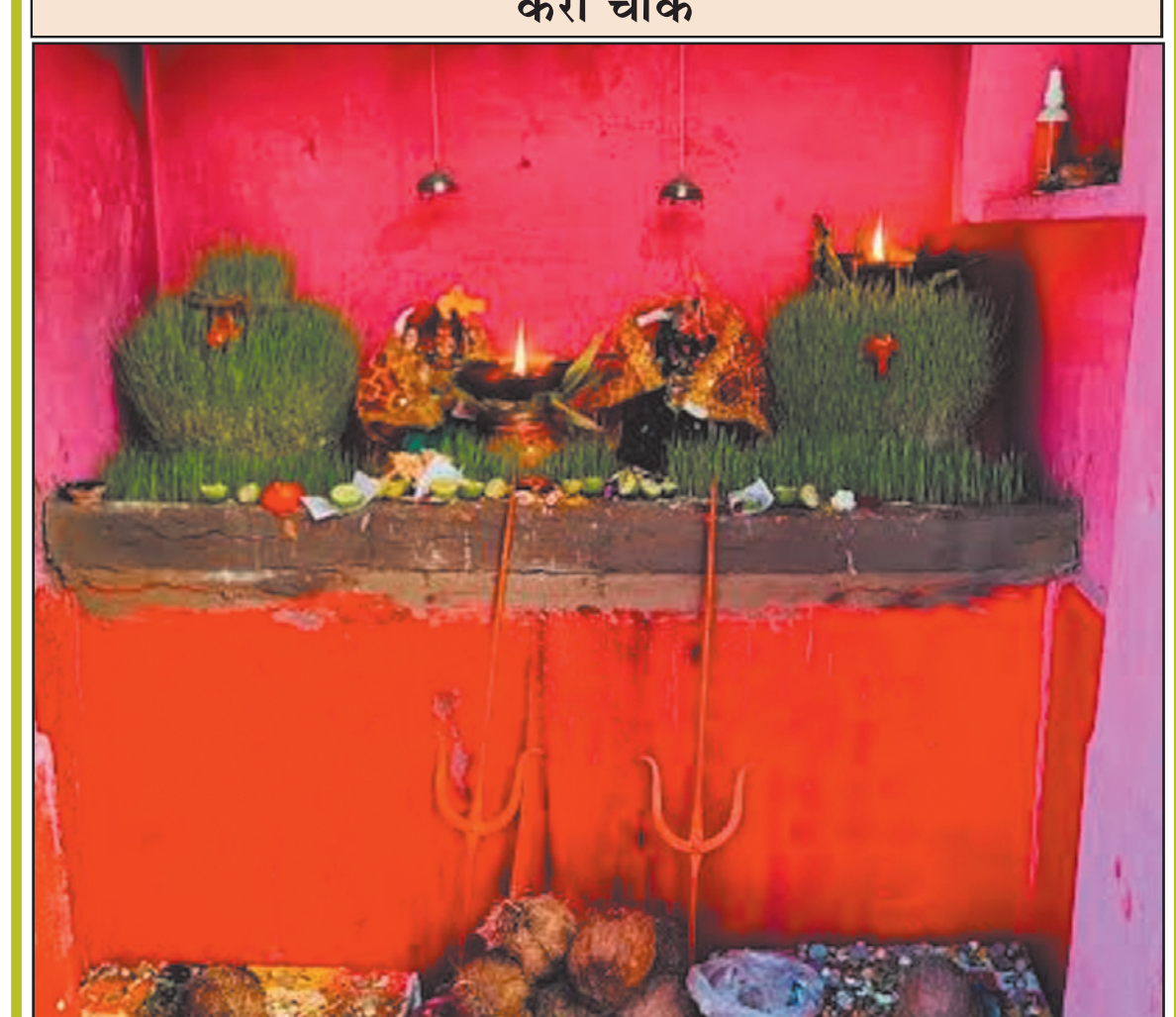
बावा घाट



रामायण चौंक



केरा चौंक



टिकरीपारा



तुमसा रोड़

बनसागर के शीतला माता मंदिर में शारदीय नवरात्र की धूम, अखंड ज्योति से जगमगाया मंदिर

विश्व केसरी■

बनसागर (सीताराम शर्मा)। विकासखंड नरहरपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत बनसागर स्थित शीतला माता मंदिर में शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर भक्तिमय वातावरण बना हुआ है। मंदिर में माता के दर्शन, पूजा-अर्चना और मनोकामना पूर्ति की प्रार्थना के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंच रहे हैं। सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी हुई है। माता के जयकारों से पूरा परिसर गुंजायमान हो रहा है और गांव में धार्मिक उत्साह देखने को मिल रहा है।

अखंड ज्योति प्रज्वलित कर की सुख-समृद्धि की कामना - शारदीय नवरात्र के अवसर पर ग्रामीणों द्वारा शीतला माता मंदिर में विधि-विधान से अखंड ज्योति प्रज्वलित की गई है। यह ज्योति पूरे नौ दिनों तक निरंतर प्रज्वलित रखने का संकल्प लिया गया है। इसके साथ ही मिट्टी के पात्रों में विधिपूर्वक जंवारा बोया गया है, जो नवरात्र की पारंपरिक धार्मिक आस्था का प्रतीक है। अखंड ज्योति प्रज्वलित होते ही मंदिर परिसर माता के जयकारों से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने माता के समक्ष शीश नवाकर परिवार की सुख-शांति, समृद्धि और गांव की खुशहाली की कामना की।

चुनरी, नारियल और श्रृंगार सामग्री अर्पित कर की पूजा - नवरात्र के दौरान महिला श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह दिखाई दे रहा है। महिलाएं माता को चुनरी, नारियल, सिंदूर, मेहंदी और श्रृंगार सामग्री अर्पित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर रही हैं।



कई श्रद्धालुओं ने नौ दिनों तक उपवास रखने का संकल्प भी लिया है। भक्तों का विश्वास है कि मां शीतला की आराधना से परिवार में सुख-शांति बनी रहती है तथा जीवन में सुख-समृद्धि का संचार होता है।

ग्रामीणों की सहभागिता से बना भक्तिमय माहौल - नवरात्र पर्व के दौरान मंदिर में पूजा-पाठ और धार्मिक गतिविधियों से पूरे गांव में आध्यात्मिक वातावरण बना हुआ है। गांव के पुजारी, गायता और ग्रामीण धार्मिक परंपराओं के निर्वहन में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

श्रद्धालु प्रतिदिन मंदिर पहुंचकर माता का आशीर्वाद ले रहे हैं। नवरात्र का यह पर्व ग्रामीणों को आस्था, भक्ति और सामाजिक एकता के सूत्र में बांध रहा है।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत बनसागर के सरपंच संदीप कुमार कुंजाम सहित अहिलूराम सलाम, फरसूराम नेताम, बेदकुमार साहू, रामकृष्ण पटेल, मनसुखा निषाद, चमरू राम नेताम, बुद्धू राम, सुरोजिया, प्रेमलाल कुंजाम, रामजीवन पटेल, सुकदेव नेताम, शिवकैलाश कुंजाम, सूरजलाल वट्टी, लखन कुंजाम, देवेंद्र कुमार पटेल, भानुराम नेताम, ग्राम पटेल सुनील कुमार मंडावी, नरोत्तम शोरी, कृष्णा कुमार मंडावी, राजेंद्र कुमार यादव, ईश्वर नेताम, रामसिंह सलाम, हेमंत पटेल, सुरेखा नेताम, सुनीता नेताम, रामेश्वरी पटेल, सतरूपा कुंजाम, अहिमत कुंजाम, दीपिका पटेल, जानकी नेताम, मंजूला साहू एवं लता कुंजाम सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे।

शारदीय नवरात्र के पावन पर्व पर शीतला माता मंदिर में श्रद्धा और भक्ति का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है।

स्वच्छता दीदियों ने मानदेय वृद्धि की मांग को लेकर दिसंबर में दी हड़ताल की चेतावनी

विश्व केसरी■



चारामा (संदीप मेश्राम)। कांकेर जिले के चारामा स्थित सांस्कृतिक भवन में स्वच्छता दीदियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश एवं जिला स्तर के पदाधिकारियों सहित कांकेर जिले के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

इस दौरान स्वच्छता दीदियों की विभिन्न समस्याओं, वर्तमान में मिल रही 8,000 रुपए की राशि और बढ़ती महंगाई के बीच परिवार का भरण-पोषण करने में आ रही परेशानियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में स्वच्छता दीदियों ने कहा कि वे पूरी मेहनत और जिम्मेदारी के साथ अपने कार्यों का निर्वहन कर रही हैं, लेकिन लगातार बढ़ती महंगाई के कारण वर्तमान में मिल रही राशि से घर-परिवार चलाना मुश्किल हो रहा है। उन्होंने सरकार से अपनी आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए राशि में उचित बढ़ोतरी करने की मांग की। बैठक के दौरान आगामी दिसंबर माह में हड़ताल को लेकर भी चर्चा की गई। पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने अपनी मांगों को लेकर आगे की रणनीति पर विचार-विमर्श किया।

ग्राम वरदेलपाड़ में तिल की उन्नत खेती पर कृषक प्रशिक्षण आयोजित

विश्व केसरी■



सुकमा (अमन भदोरिया)। ग्राम वरदेलपाड़, पंचायत पोलमपल्ली में समूह अग्रिम पंक्ति फसल प्रदर्शन कार्यक्रम के अंतर्गत तिल की उन्नत खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कृषक प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में लगभग 100 किसान भाई-बहनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र, सुकमा के कीट वैज्ञानिक डॉ. योगेश कुमार सिदार ने किसानों को वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों की जानकारी देते हुए कम लागत में बेहतर उत्पादन प्राप्त करने के लिए उन्नत तकनीकों को अपनाने का आह्वान किया।

डॉ. सिदार ने तिल की खेती में भूमि की तैयारी, उन्नत किस्मों का चयन, बीज उपचार, उचित बीज दर, कतारबद्ध बुवाई, संतुलित पोषण प्रबंधन एवं खरपतवार नियंत्रण की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने तिल की फसल को नुकसान पहुंचाने वाले पत्ती मोड़क, फली छेदक, माहू एवं बिहार की रोयेंदार इल्ली जैसे प्रमुख कीटों तथा रोगों की पहचान और उनके प्रभावी प्रबंधन के उपाय बताए।

चारामा में गूंजा बाबा साहेब का संदेश, धम्म चक्र परिवर्तन दिवस पर बुद्धमय हुआ माहौल

विश्व केसरी■



चारामा (संदीप मेश्राम)। बौद्ध समाज चारामा द्वारा 14 अक्टूबर, बुधवार को धम्म चक्र परिवर्तन दिवस श्रद्धा, उत्साह एवं सामाजिक एकता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सुबह 8 बजे पंचशील ध्वज का ध्वजारोहण किया गया। वहीं शाम 7 बजे भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया। कार्यक्रम में समाज के महिला-पुरुष बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बाबा साहेब ने बौद्ध धम्म अपनाकर दिया समानता का संदेश

धम्म चक्र परिवर्तन दिवस भारतीय इतिहास की एक महत्वपूर्ण घटना है। 14 अक्टूबर 1956 को नागपुर में डॉ. भीमराव अंबेडकर जी ने अपने लाखों अनुयायियों के साथ बौद्ध धम्म स्वीकार किया था। बाबा साहेब ने बौद्ध धम्म के माध्यम से समाज को समानता, स्वतंत्रता, बंधुत्व, करुणा और मानवता का मार्ग दिखाया।

उन्होंने जातिगत भेदभाव, छुआछूत और सामाजिक असमानता के विरुद्ध संघर्ष करते हुए एक ऐसे समाज की कल्पना की, जहां प्रत्येक व्यक्ति को समान अधिकार और सम्मान प्राप्त हो। भगवान बुद्ध के पंचशील तथा मैत्री, करुणा और प्रज्ञा के सिद्धांत आज भी समाज को शांति और सद्भाव के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं।

समाज अध्यक्ष ने भगवान बुद्ध के धम्म पर रखे विचार

कार्यक्रम के दौरान बौद्ध समाज चारामा के अध्यक्ष श्री योगेश्वर मेश्राम ने समाज के लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि चारामा के अंबेडकर भवन में पिछले कई वर्षों से भगवान बुद्ध की प्रतिमा के समक्ष पूजा-अर्चना की परंपरा चली आ रही है।

बचेली से जयपुर तक पैसेंजर ट्रेन चलाने की मांग

जगदलपुर। विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा को ध्यान में रखते हुए बचेली से जयपुर तक पैसेंजर ट्रेन का संचालन शुरू करने की मांग उठने लगी है। बड़े काकलूर के सरपंच रवींद्र मरकाम ने कहा है कि बस्तर दशहरा समूचे बस्तर संभाग और छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक सांस्कृतिक एवं धार्मिक पहचान है। इस महापर्व में शामिल होने के लिए अंदरूनी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग ट्रेन के माध्यम से जगदलपुर पहुंचते हैं, लेकिन इस वर्ष पैसेंजर ट्रेन की सुविधा नहीं मिलने से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सरपंच रवींद्र मरकाम ने सवाल उठाते हुए कहा कि विशाखापत्तनम से बचेली तक मालवाहक ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है, लेकिन लैंडस्लाइड का हवाला देकर पैसेंजर ट्रेन का संचालन बंद रखना समझ से परे है।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लाट नंबर 40/44 इण्डस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड़ उरला रायपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित और 30, मीडिया सीटी, हीरापुर रोड, मोहबा बाजार, टाटीबंध रायपुर छत्तीसगढ़- 492099,स्थानीय कार्यालय **B-87A** गायत्री नगर, शंकर नगर जगन्नाथ मंदिर के पास रायपुर छ.ग. 492004 से प्रकाशित, कार्यकारी संपादक: रामप्रसाद दुबे (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र रायपुर होगा) मोबाइल 9425509753 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. CTHIN/26/A6251